THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 198 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन शु.6, 2079 शनिवार, 1 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में जैश के 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के 2 आतंकियों को मार गिराया है। अभी इलाके में 2-3 आतंकियों के छिपे हुए हैं। इनके साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकी जम्मू-कश्मीर के बारामूला में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली में हमले की योजना बना रहे थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी 4-5 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आने वाले हैं। वे 4 अक्टूबर को राजौरी और 5 अक्टूबर को बारामूला में रहेंगे। अमित शाह के दौरे से पहले जम्मू-कश्मीर में 3 दिनों में 5 आतंकी ढेर किए गए हैं।

आने वाले सालों में ट्विन सिटी, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी हब होगा गुजरात : पीएम

अहमदाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात जल्द ही ट्विन सिटी के मॉडल और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी हब में बदल जाएगा। शुक्रवार की सुबह उन्होंने गांधीनगर से वंदे-भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और अहमदाबाद की यात्रा की। अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद, उन्होंने अहमदाबाद मेट्रो ट्रेन के पहले चरण को झंडी दिखाकर रवाना किया और सार्वजनिक रैली स्थल तक पहुंचने के लिए पश्चिमी अहमदाबाद के दूरदर्शन चौक पर उतरे। पीएम मोदी ने अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, अहमदाबाद-गांधीनगर जुड़वां शहर का अच्छा उदाहरण बन गया है, अब इसे राज्य के अन्य हिस्सों जैसे नडियाद-आनंद, वडोदरा-हलोल-कलोल, भरूच-अंकलेश्वर, सूरत-नवसारी, वलसाड-वापी, मोरबी-वंकानेर और मेहसाणा-कादी में दोहराया जाएगा।

इन शहरों में मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और शहरी बुनियादी सुविधाएं होंगी। उन्होंने लोगों से मेट्रो स्टेशनों और अन्य बुनियादी ढांचे का दौरा करने की अपील की, ताकि वे देख सके कि विकास कैसे किया जाता है, और इसमें जनता का कितना पैसा लगाया जाता है। जब लोग यह जान लेंगे, तो वे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के बारे में कभी नहीं सोचेंगे, क्योंकि उन्हें इसके मालिक होने का एहसास होगा। मेट्रो ट्रेनों और भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कम से कम एक दर्जन शहरों में मेट्रो ट्रेन परियोजनाएं या तो पूरी हो गई हैं या जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। वंदे भारत की 75 ट्रेनों को अगले साल तक चलाने की योजना है। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों को आड़े हाथ लिया और कहा कि जब भी वे बुनियादी ढांचे के बारे में सोचते हैं तो वे लागत की गणना करते हैं, जबकि उनकी सरकार बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ-साथ व्यापार और उद्योगों को बढ़ावा देने के बारे में सोचती है।

सीबीआई ने पार्थ चटर्जी समेत 16 को बनाया आरोपी

कोलकाता, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की है। ममता सरकार में शिक्षा मंत्री रहे पार्थ चटर्जी को सीबीआई ने चार्जशीट में एक आरोपी के रूप में नामित किया है। सीबीआई की चार्जशीट में कुल 16 नामों का जिक्र है। शिक्षक घोटाला मामले में पार्थ चटर्जी को प्रवर्तन निदेशालय ने जुलाई में गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय को चटर्जी की एक करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के कई आवासों से लगभग 50 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए थे। गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्थ चटर्जी को मंत्री पद से हटा दिया था। वह वाणिज्य और उद्योग सहित कई विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इतना ही नहीं पार्थ चटर्जी को तृणमूल कांग्रेस से भी निलंबित कर दिया गया था।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने दाखिल किया नामांकन

थरूर से सीधा मुकाबला

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव में अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। खड़गे के समर्थन में अशोक गहलोत, दिग्विजय सिंह और भूपिंदर हुड्डा सहित कांग्रेस के तमाम नेता पार्टी मुख्यालय में मौजूद रहे।

इससे पहले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने अपना नामांकन दाखिल किया। इनके अलावा झारखंड कांग्रेस के नेता केएन त्रिपाठी ने भी अपना नामांकन दाखिल किया है। खड़गे की उम्मीदवारी पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अध्यक्ष न बनने का मुझे कोई दुख नहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे का प्रस्तावक मैं भी हूं। सोनिया गांधी जो जिम्मेदारी देंगी निभाऊंगा। सभी सीनियर नेताओं ने खड़गे को उम्मीदवार बनाया है। आज की स्थिति में ऐसे उम्मीदवार की जरूरत थी। कांग्रेस अध्यक्ष सुप्रीम होता है और अनुशासन कायम रहता है। उन्होंने कहा कि मैडम को क्या पब्लिक को कह चुका हूं कि मैं लगातार पदों पर रहा हूं और मेरा वश चले तो बिना पद के भी काम कर सकता हूं। मैडम जो जिम्मेदारी देंगी उसे निभाएंगे। खड़गे की उम्मीदवारी पर मध्य प्रदेश के बड़े नेता कमलनाथ ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे अच्छे उम्मीदवार हैं। उनके बनने से दक्षिण को प्रतिनिधित्व मिलेगा। मेरा वोट मल्लिकार्जुन खड़गे को जायेगा। इससे पहले खड़गे से मिलने कांग्रेस नेता और पुदुचेरी के पूर्व सीएम नारायणसामी भी पहुंचे। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया। पार्टी ने दिग्विजय सिंह से अपना नामांकन नहीं करने को कहा है।

एंबुलेंस को रास्ता देने रुका पीएम का काफिला

अहमदाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे के दूसरे दिन एक एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए उनका काफिला हाईवे पर रुक गया।

प्रधानमंत्री नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए अहमदाबाद से गांधीनगर जा रहे थे। उसी दौरान हाईवे पर एंबुलेंस देखकर पीएम का काफिला रोका गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार सुबह गांधीनगर स्टेशन पर गांधीनगर-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह देश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन है।

प्रधानमंत्री ने गांधीनगर से कालूपुर तक नई ट्रेन में सफर भी किया। ट्रेन में उनके साथ रेलवे कर्मचारी, महिला उद्यमी और कई युवा भी मौजूद रहे।

भारत जोड़ो यात्रा विपक्ष के पास अभिव्यक्ति का इकलौता विकल्प है : राहुल गांधी

गुंडलुपेट, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' जनता तक पहुंचने के लिए पार्टी के पास बचा एकमात्र विकल्प है क्योंकि अभिव्यक्ति के अन्य सभी मंच विपक्ष के लिए बंद कर दिए गए हैं। उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' शुक्रवार को तमिलनाडु के गुडालुर से कर्नाटक में यहां चामराजनगर पहुंची। गांधी ने यहां एक जनसभा में कहा, लोकतंत्र में विभिन्न संस्थान हैं। मीडिया और संसद भी है लेकिन विपक्ष के लिए इन सभी को बंद कर दिया गया है और मीडिया हमारी नहीं सुनता है। पूरी तरह सरकार का नियंत्रण है। संसद में हमारे माइक बंद कर जाते हैं, विधानसभाओं को काम करने नहीं दिया जाता और विपक्ष को प्रताड़ित किया जाता है। ऐसी स्थिति में हमारे पास केवल 'भारत जोड़ो यात्रा' का विकल्प बचा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय संविधान को बचाना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की नफरत और हिंसा की विचाराधारा के खिलाफ खड़े होना है। गांधी ने कहा, यह यात्रा संविधान को बचाने के लिए है। संविधान के बिना इस तिरंगे का कोई अर्थ नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यात्रा में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों पर अत्याचार और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के निजीकरण के खिलाफ लोगों का संघर्ष शामिल है।

चुनाव आयोग नहीं, ईवीएम पर कंपनियों का नियंत्रण सुप्रीम कोर्ट ने कहा ये जगह प्रचार हासिल करने की नहीं

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक राजनीतिक दल की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) कुछ कंपनियों द्वारा नियंत्रित थी, न कि चुनाव आयोग द्वारा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत ऐसी जगह नहीं है जहां हर कोई कुछ भी प्रचार पाने के लिए चला आए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत चुनाव प्रक्रिया की निगरानी चुनाव आयोग करता है और ईवीएम का इस्तेमाल दशकों से चुनावों में किया जा रहा है। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए एस ओका की पीठ मध्य प्रदेश जन विकास पार्टी द्वारा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पिछले साल दिसंबर के फैसले के खिलाफ दायर एक याचिका पर विचार कर रही थी, जिसने ईवीएम का मुद्दा उठाने वाली उसकी याचिका को खारिज कर दिया था।

शीर्ष अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा, ऐसा लगता है कि जिस पार्टी को चुनाव प्रक्रिया में मतदाताओं से ज्यादा मान्यता नहीं मिली, वह अब याचिका दायर करके मान्यता प्राप्त करना चाहती है। पीठ ने कहा कि ईवीएम लंबे समय से उपयोग में हैं लेकिन समय-समय पर इस मुद्दे को उठाया जाता रहा है। पार्टी के वकील ने संविधान के अनुच्छेद 324 का हवाला दिया जो चुनाव आयोग में निहित होने वाले चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण से संबंधित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हालांकि अनुच्छेद 324 कहता है कि सब कुछ चुनाव आयोग द्वारा नियंत्रित किया जाना है, ईवीएम को कुछ कंपनियों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज की

'नए संसद भवन पर स्थापित शेर की प्रतिमा प्रतीक चिह्न कानून का उल्लंघन नहीं'

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा है कि सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत निर्माणाधीन नए संसद भवन के ऊपर स्थापित राष्ट्रीय प्रतीक (अशोक स्तंभ) भारत के राज्य प्रतीक अधिनियम, 2005 का उल्लंघन नहीं करता है।

जस्टिस एमआर शाह और कृष्ण मुरारी की पीठ ने यह कहते हुए उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि यह प्रतिमा भारत के राज्य प्रतीक अधिनियम, 2005 के तहत अनुमोदित राष्ट्रीय प्रतीक की डिजाइन के विपरीत है।

शेर आक्रामक नजर आने का दावा किया था :

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि नए प्रतीक चिंह में शेर अधिक आक्रामक प्रतीत होते हैं। इस पर जस्टिस शाह ने कहा, यह धारणा उसे देखने वाले व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करती है। याचिकाकर्ता वकील ने तर्क दिया कि राष्ट्रीय प्रतीक के स्वीकृत डिजाइन के संबंध में कलात्मक बदलाव या नयापन नहीं हो सकता है। याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया कि मूर्ति में 'सत्यमेव जयते' का लोगो नहीं है। हालांकि पीठ ने कहा कि अधिनियम का कोई उल्लंघन नहीं है। यह कहते हुए पीठ ने याचिका को खारिज कर दिया।

दो एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) अल्दानिश रीन और रमेश कुमार मिश्रा द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि नया प्रतीक भारत के राज्य प्रतीक अधिनियम के तहत राज्य प्रतीक के विवरण और डिजाइन का उल्लंघन करता है।

सारनाथ की तरह शांत होना चाहिए शेर, इनका सांस्कृतिक व दार्शनिक महत्व :

याचिका में कहा गया था कि संबंधित प्रतीक में शेर क्रूर और आक्रामक प्रतीत होते हैं, उनके मुंह खुले और कुत्ते दिखाई देते हैं जबकि इसे अशोक की सारनाथ स्तंभ के शेर के समान होना चाहिए, जो शांत हैं। याचिका में कहा गया है कि चार शेर बुद्ध के चार मुख्य आध्यात्मिक दर्शन के प्रतीक हैं, जो केवल एक डिजाइन नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक और दार्शनिक महत्व है। याचिका की यह भी गया था कि राज्य के प्रतीक के डिजाइन में बदलाव इसकी पवित्रता का उल्लंघन करता है। इसमें किसी तरह का बदलाव स्पष्ट रूप से मनमाना है।

काबुल के एक स्कूल में आत्मघाती बम धमाका 100 बच्चों की मौत

काबुल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के बाद से बम धमाकों की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। नई रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी काबुल में एक स्कूल में आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 100 बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय पत्रकारों का कहना है कि रिपोर्टिंग के दौरान मानवीय संवेदनाओं को हिला कर रख दिया। स्कूल के आस-पास शवों को पहचानना भी मुश्किल हो रहा था। कहीं हाथ पड़ें थे कहीं पैर।

रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट शहर के पश्चिम में दश्त-ए-बारची इलाके में काज स्कूल में हुआ। एक स्थानीय पत्रकार ने इस हमले पर ट्वीट किया, हमने अब तक अपने छात्रों के 100 शवों की गिनती की है। मारे गए छात्रों की संख्या बहुत अधिक है। कक्षा खचाखच भरी थी। वे छात्र विश्वविद्यालय में दाखिले की तैयारी के लिए जमा हुए थे। एक स्थानीय पत्रकार के अनुसार, इस घटना में ज्यादातर छात्र हैं, जिनमें ज्यादातर हजारा और शिया थे, जो मारे गए। हजारा अफगानिस्तान का तीसरा सबसे बड़ा जातीय समूह है।

नॉनवेज खाने वालों को मोहन भागवत की सलाह

अगर आप तामसिक भोजन खाएंगे तो ये आपको गलत रास्ते पर ले जाएगा : भागवत

नागपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जो लोग नॉनवेज खाते हैं, उन्हें अनुशासन का पालन करना चाहिए। उन्होंने यह बात नागपुर में एक कार्यक्रम में कही। भागवत ने कहा कि किसी को तामसिक खाना नहीं खाना चाहिए। यदि आप गलत तरह का खाना खाते हैं, तो यह आपको गलत रास्ते पर ले जाएगा।

पश्चिम बंगाल से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश के अलग-अलग राज्यों के लोग भी नॉनवेज खाते हैं, लेकिन जब सावन, नवरात्र या कोई भी त्योहार होता है तो सभी उन दिनों नियमों का पालन करते हैं और नॉनवेज नहीं खाते हैं।

यहां तक कि हफ्ते के दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को भी लोग मानते हैं, जिसमें तामसिक भोजन नहीं खाया जाता है। मोहन भागवत ने यह बयान नवरात्रि के बीच में दिया है। देश के कई हिस्सों में लोग इस त्योहार पर व्रत रखते हैं। नॉनवेज खाने वाले कई लोग नवरात्रि को नौ दिनों तक नॉनवेज से परहेज करते हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल के दुर्गा पूजा पर जानवरों की बली दी जाती है। जब श्रीलंका और मालदीव संकट में थे, तब केवल भारत ने ही उनकी मदद की, जबकि अन्य देशों की रुचि व्यापार के अवसर तलाशने में थी। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता भारत की आत्मा है। भारत को क्या करने की जरूरत है? उसे हर किसी को अपने उदाहरण के माध्यम से इस आध्यात्मिकता के आधार पर जीवन जीने का तरीका बताना है। साथ ही कहा कि चीन, अमेरिका और पाकिस्तान जैसे देशों ने श्रीलंका की ओर तब ध्यान दिया, जब उन्हें वहां कारोबार के अवसर दिखे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत गुरुवार सुबह यानी 22 सितंबर को दिल्ली के इमाम हाउस पहुंचे थे। ये ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन का ऑफिस है। कस्तूरबा गांधी मार्ग पर बनी इस मस्जिद के बंद कमरे में भागवत करीब एक घंटे चीफ इमाम डॉ. उमर अहमद इलियासी के साथ रहे। किसी मुस्लिम धार्मिक संगठन के प्रमुख से आरएसएस चीफ की मस्जिद में यह पहली मुलाकात थी। डॉ. इलियासी ने कहा था कि हमारा डीएनए एक ही है, सिर्फ इबादत करने का तरीका अलग है। आरएसएस प्रमुख ने उनके बुलावे पर उत्तरी दिल्ली में मदरसा ताजवीदुल कुरान का दौरा किया था। वहां वे बच्चों से भी मिले थे।

दिग्विजय ने कहा था, मोहन भागवत का ह्रदय परिवर्तन हो रहा, ये राहुल की यात्रा का असर :

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की दिल्ली में मुस्लिम धर्मगुरुओं से मुलाकात पर मध्यप्रदेश में आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा था कि ये राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का ही परिणाम है कि आरएसएस प्रमुख का ह्रदय परिवर्तन हो रहा है। उन्हें मुस्लिम धर्मगुरुओं से मिलने जाना पड़ रहा। अब आरएसएस के लोगों को भी मुस्लिम भाइयों से जाकर मिलना चाहिए। दिग्गी के बयान पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया था। उन्होंने कहा था कि मुसलमानों से बैर नहीं और आतंकियों की खैर नहीं। हम किसी धर्म के विरोधी नहीं हैं।

भाजपा धनबल से सभी राजनीतिक दलों को कमजोर कर रही है : टिकैत

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी धनबल के जोर पर सभी राजनीतिक दलों को कमजोर कर रही है ताकि वह अकेले देश पर शासन कर सके। शुक्रवार को श्रावस्ती जाते समय अपने काफिले को रोक कर यहां पत्रकारों से अनौपचाकि बातचीत में टिकैत ने एक सवाल के जवाब में कहा, ये (भाजपा) चाहते हैं कि पूरा विपक्ष खत्म हो जाए और देश में एक ही पार्टी का राज हो। ये पैसे की ताकत से सभी राजनीतिक दलों को कमजोर करेंगे।

टिकैत ने कहा, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून लाने, किसानों को फसलों के सही दाम दिलाने एवं जमीनों की लूट को लेकर किसान देश में एक बड़ा आंदोलन करेंगे? देश को किसान ही बचा सकता है इसलिए किसानों का संगठन काम करता रहेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों का भुगतान समय से करने की बात कही है और यदि भुगतान नहीं हुआ तो किसान आंदोलन करेंगे।

टिकैत ने सत्तारूढ़ दल पर बेईमानी से चुनाव जीतने का आरोप लगाया और दावा किया, विधानसभा चुनावों में अधिकारियों ने बेईमानी से सौ से अधिक सीटें भाजपा को जितवाई हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के विषय में पूछे गए सवाल पर टिकैत ने कहा कि यात्रा निकालना सही है लेकिन इन्हें और पहले यात्रा निकालनी चाहिए थी। पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) पर सरकार के लगाए प्रतिबंध पर टिकैत ने कहा कि अगर कोई गलत काम कर रहा हो तो प्रतिबंध सही है, लेकिन अगर पक्षपात हुआ है तो यह सरकार की गलती है।

अमेरिकी दूत माइक हैंकी बोले : भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत करने में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका अहम

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्य दूत माइक हैंकी ने भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में महत्वपूर्ण सूचनाओं और विचारों की पूरी श्रृंखला को समाज तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका होती है और भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत करने में हिंदी पत्रकारिता की बड़ी जगह है।

मुंबई हिंदी पत्रकार संघ और महावाणिज्य दूतावास, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में संघ के पत्रकारों को हिंदी में संबोधित करते हुए हैंकी ने कहा, मुझे आप सभी के साथ हिंदी दिवस मनाते हुए खुशी हो रही है। हम वाणिज्य दूतावास में भारत की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व को समझते हैं।

पत्रकारों के काम के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। मुझे लगता है कि आप जो काम करते हैं, आपके पाठक, आपके दर्शक, आपके श्रोता पूरी तरह से सूचना सुनते हैं। यही भारत को मजबूत लोकतंत्र बनाता है। अमेरिका और भारत की 75 साल पुरानी ऐतिहासिक दोस्ती को और आगे बढ़ाने के वह इच्छुक हैं और यही उनका लक्ष्य है।

हिंदी पत्रकारिता भारतीय मीडिया का महत्वपूर्ण हिस्सा :

महावाणिज्य दूतावास, मुंबई के प्रवक्ता ग्रेग पारडो ने कहा कि किसी देश की प्रगति के लिए मीडिया का स्वतंत्र और मजबूत होना महत्वपूर्ण है। हम उम्मीद करते हैं कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतांत्रिक देश अमेरिका और सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के व्यापक हित में अपने मिशन में कामयाब होंगे। यह कार्यक्रम हिंदी पत्रकारो के साथ दोस्ती बनाने की हमारी एक पहल है। उन्होंने मुंबई हिंदी पत्रकार संघ का आभार जताया। मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि भारत और अमेरिका की दोस्ती का यह 75वां वर्ष है और भारत भी अपनी स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव यानी 75वां वर्ष मना रहा है। माइक हैंकी और ग्रेग पारडो के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान पत्रकारों ने भारत-अमेरिका के संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए हर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

अमेरिकन लाइब्रेरी में भारत-अमेरिका से जुड़ी हजारों पुस्तकों का संग्रह :

पत्रकारों ने महावाणिज्य दूतावास, मुंबई के वीजा विभाग का दौरा किया, जहां वीजा हासिल करने वाले उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। प्रभारी अधिकारी ने पत्रकारों को अमेरिकी वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया। इसके अलावा पत्रकारों ने महावाणिज्य दूतावास की लाइब्रेरी का दौरा किया, जहां भारत अमेरिका संबंधों और अमेरिका से जुड़ी हजारों पुस्तकों का संग्रह है।

राममंदिर निर्माण के लिए 28 वर्ष तक अन्न ग्रहण नहीं करने वाली जबलपुर की उर्मिला चतुर्वेदी का निधन

जबलपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राममंदिर निर्माण के लिए 28 वर्ष तक अन्न ग्रहण नहीं करने वाली मध्यप्रदेश के जबलपुर की उर्मिला चतुर्वेदी जी का 84 वर्ष की अवस्था में शुक्रवार को सुबह देहान्त हो गया। अंतिम यात्रा आज दिनांक 1 अक्टूबर, 2022 को प्रातः 8 बजे, 28 क्वार्टर के सामने, एच बी महाविद्यालय के पास, विजय नगर, जबलपुर से ग्वारीघाट के लिए प्रस्थान करेगी। आपको बता दे कि 85 वर्षीय उर्मिला चतुर्वेदी ने 28 साल से अन्न ग्रहण नहीं किया था। वर्ष 1992 में जब अयोध्या में विवादित ढांचा ढहाया गया था, तब उन्होंने संकल्प लिया था कि राम मंदिर का निर्माण शुरू होने पर ही अन्न ग्रहण करेंगी।

बुजुर्ग उर्मिला चतुर्वेदी अयोध्या में विवादित ढांचा ढहाए जाने के बाद भड़की हिंसा से वे व्यथित थीं और उन्होंने संकल्प लिया था कि जिस दिन सभी की सहमति से राम मंदिर का निर्माण शुरू होगा, उसके बाद ही अन्न ग्रहण करेंगी। छह दिसंबर, 1992 के बाद से उन्होंने लगातार फलाहार ले लिया हैं और उनका अधिकांश समय रामायण का पाठ करने और माला जपने में गुजरता रहा था। लेकिन जिस दिन सर्वोच्च न्यायालय ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया था। उन्होंने फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के जजों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर बधाई दी थी।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा निभा रही हैं सक्रिय भूमिका : सूत्र

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुनने के लिए 20 से साल बाद ऐसा चुनाव हो रहा है, जिसमें गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति दौड़ में नहीं है। लेकिन यह बात भी तय है कि गांधी परिवार के सहयोग के बिना किसी का कांग्रेस अध्यक्ष बनने का सपना साकार भी नहीं हो सकता है। ऐसे में कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी वाड्रा नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। लगातार दो लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से साफ मना कर दिया है, जिसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुवाव हो रहे हैं। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता, जो एक संगठनात्मक बदलाव देखना चाहते हैं, वो चुनाव में प्रियंका गांधी की सक्रिय भूमिका की बात करते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि जनवरी 2019 में पार्टी में शामिल हुईं प्रियंका गांधी यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार मिल जाए।

रालोद में शामिल नहीं होंगे राज्यपाल सत्यपाल मलिक

बताया रिटारमेंट के बाद का प्लान

मेरठ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने शुक्रवार को कहा कि वह वर्तमान पद से रिटायर होने के बाद न तो सक्रिय राजनीति में शामिल होंगे और न ही चुनाव लड़ेंगे। इस बयान ने उनके राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगा दिया। हालांकि उन्होंने कहा कि वह किसानों के कल्याण के लिए काम करेंगे और जब भी और जहां चाहेंगे, उन्हें अपना समर्थन देंगे। राज्यपाल मलिक 30 सितंबर यानी आज सेवानिवृत्त होने वाले हैं। दरअसल 3 अक्टूबर को, वे शामली किसान सम्मेलन में राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के प्रमुख जयंत चौधरी के साथ मंच साझा करने वाले थे। इस खबर के कारण अफवाहें चल निकलीं कि वह किसानों के लिए अपनी लड़ाई को तेज करने के वास्ते रालोद के साथ हाथ मिला सकते हैं। इसी तरह की खबरें स्थानीय मीडिया से बात करते हुए, मलिक ने कहा कि जिले में लगाए गए सीआरपीसी की धारा 144 के कारण 3 अक्टूबर को शामली में प्रस्तावित किसान सम्मेलन रद्द कर दिया गया है। राजनीति में आने के बारे में पूछे जाने पर मलिक ने इससे साफ इनकार किया। उन्होंने कहा, मैं राज्यपाल के रूप में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होऊंगा या चुनाव नहीं लड़ूंगा। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि रालोद प्रमुख जयंत ने उनके साथ मंच साझा करने की अनुमति के लिए उनसे संपर्क किया था। मलिक ने कहा, ¥मैंने उन्हें अनुमति दी क्योंकि यह किसी भी पार्टी के झंडे के तले कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था।"

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता हरेंद्र मलिक और किरणपाल सिंह ने भी उनसे बुलंदशहर किसान सम्मेलन में शामिल होने की अनुमति लेने के लिए उनसे संपर्क किया और उनकी अनुमति ली क्योंकि इसका किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि वह अलीगढ़ (2 अक्टूबर) और भुलैंडशहर (8 अक्टूबर) में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसानों की सभा में शामिल होंगे। अपनी भविष्य की योजनाओं का खुलासा करते हुए, मलिक ने कहा कि वह निश्चित रूप से 2024 के चुनावों में किसी राजनीतिक दल का समर्थन करेंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह किसे अपना समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि वह किसानों के कल्याण के लिए काम करेंगे और जब भी और जहां चाहेंगे, उन्हें अपना समर्थन देंगे। उन्होंने कहा, अगर वे मुझे आमंत्रित करते हैं तो मैं उनके सम्मेलन में शामिल होऊंगा।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर पर एक किताब लिखने की अपनी योजना को भी साझा किया क्योंकि वहां के राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान ही अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था। इस बीच रालोद के प्रवक्ता सुनील रोहटा ने कहा कि राज्यपाल मलिक एक संवैधानिक पद पर हैं और इसलिए धारा 144 का उल्लंघन करना उचित नहीं है और इस तरह आयोजकों ने कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में मलिक के सेवानिवृत्त होने के बाद किसी और दिन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल पर बरसे अन्ना हजारे

चिट्ठी लिख बोले- बंद करो शराब की दुकानें; आचरण पर सवाल

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल के सियासी गुरु कहे जाने वाले अन्ना हजारे ने उन्हें पत्र लिखा है। इस पत्र में अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल से कहा है कि वह दिल्ली में शराब की दुकानों को बंद कर दें। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने स्वराज पुस्तक में बड़ी-बड़ी बातें की थीं, लेकिन उनके आचरण पर उसका असर नहीं दिख रहा है।

केजरीवाल को डिनर पर बुलाने वाले ऑटो चालक ने बदला पाला

खुद को बताया 'मोदी का आशिक'

अहमदाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात में विधानसभा चुनावों से पहले और एक बड़ा उलट-फेर देखने को मिला है। हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपने घर डिनर पर बुलाने वाला ऑटोरिक्शा चालक विक्रम दंतानी अब खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशिक बता रहा है। दंतानी को शुक्रवार को पीएम मोदी की एक रैली में भगवा टोपी और दुपट्टा पहने देखा गया। मीडिया ने जब इस बारे में दंतानी से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने जब से वोट देना शुरू किया है तब से भाजपा को वोट दे रहे हैं और आगे भी भाजपा को ही वोट देंगे। इसके साथ ही, उन्होंने 'आप' के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया और अपने उस बयान से किनारा कर लिया कि वह केजरीवाल को पसंद करते हैं। दंतानी ने यह भी साफ कर दिया कि केजरीवाल को अपने घर डिनर पर बुलाने के लिए उनसे ऑटोरिक्शा यूनियन ने ऐसा करने के लिए बोला था, लेकिन जब केजरीवाल ने उनका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया तो उन्हें लेने जाना पड़ा। दंतानी ने कहा कि वह आम आदमी पार्टी से जुड़े नहीं हैं। बता दें कि, बीते 12 सितंबर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री के सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर ऑटो रिक्शा से अहमदाबाद में एक ऑटो चालक के घर डिनर के निमंत्रण को स्वीकार कर उसके घर खाना खाने पहुंचे थे। उस वक्त, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री पर कटाक्ष किया और उन्हें कलाकार करार दिया था। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 'आप' के अभियान के तहत गुजरात दौरे पर आए केजरीवाल ने अहमदाबाद में ऑटो-रिक्शा चालकों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। केजरीवाल के संबोधन के बाद अहमदाबाद के घाटलोदिया इलाके के रहने वाले एक ऑटो रिक्शा चालक विक्रम दंतानी ने उनसे अनुरोध किया कि वह उसके घर पर रात का खाना खाएं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इस पर तुरंत 'हां' में जवाब दिया था।

2013 बैच के आईएएस सोमेश मिश्रा को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास का उप सचिव बनाया

भोपाल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश शासन ने शुक्रवार को तीन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए। विभाग के उप सचिव जितेंद्र सिंह चौहान के हस्ताक्षर से जारी आदेश में झाबुआ कलेक्टर के पद से हटा मंत्रालय में अटैच किए गए 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सोमेश मिश्रा को तकनीकी शिक्षा, कौशव विकास एवं रोजगार विभाग में उप सचिव बनाया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आयुर्वेद चिकित्सकों ने शिकायत की थी।इसके बाद मुख्यमंत्री ने सोमेश मिश्रा को हटा दिया था।

ओवैसी की याचिका पर यूपी सरकार को नोटिस

हापुड़ हमले के आरोपियों की जमानत को चुनौती

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और उनके काफिले पर हापुड़ में गोलियां चलाने के आरोपियों को जमानत देने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मामले में ओवैसी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। ओवैसी ने याचिका में कहा है कि 3 फरवरी 2022 को उन पर जानलेवा हमले का प्रयास किया गया था। इसके आरोपियों को जमानत दे दी गई है।

उन्होंने जमानत आदेश को शीर्ष कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आज इस मामले में केवल इस पहलू पर नोटिस जारी किया कि क्या मामले को पुनर्विचार के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में वापस भेजा जाना चाहिए। शीर्ष कोर्ट मामले की 11 नवंबर को आगे सुनवाई करेगी।

ओवैसी और उनके काफिले पर यूपी विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान हापुड़ टोल प्लाजा के पास दो आरोपियों शुभम और सचिन ने गोलियां बरसाईं थीं।

हमले में ओवैसी बाल-बाल बच गए थे। यूपी पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। आरोप पत्र दायर होने के कुछ समय बाद ही इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोनों को सशर्त जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। रिहाई के बाद आरोपी शुभम व सचिन जब अपने गांव पहुंच तो वहां हिंदूवादी संगठनों ने उनका स्वागत किया था।

राहुल गांधी के पोस्टर फाड़ने का मामला

सिद्धारमैया बोले- खुलकर नहीं घूम पाएंगे बीजेपी नेता

बेंगलुरु, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस और राहुल गांधी के पोस्टर फटने की खबरों के बाद पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भारतीय जनता पार्टी और राज्य की पुलिस के चेतावनी दे दी है। उन्होंने कहा है कि भाजपा नेता राज्य में खुलकर नहीं घूम पाएंगे। केरल में 400 किमी से ज्यादा का सफर तय करने के बाद अब 'भारत जोड़ो यात्रा' कर्नाटक में प्रवेश करने जा रही है। खबरें आई थी कि भारत जोड़ो यात्रा के स्वागत में गुंडलपेट में लगे पोस्टर फटे हुए पाए गए थे। इसमें राहुल और पार्टी के अन्य नेताओं के पोस्टर भी शामिल थे। कांग्रेस नेताओं ने इसका जिम्मेदार भाजपा कार्यकर्ताओं को बताया था। वायनाड सांसद की अगुवाई में जारी पदयात्रा कन्याकुमारी से 7 सितंबर को शुरू हुई है। 5 महीनों के दौरान कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जम्मू-कश्मीर तक की दूरी तय करेंगे।

सिद्धारमैया का कहना है, 'वे हमारे पोस्टर और फ्लेक में तोड़फोड़ कर रहे हैं। मैं उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि अगर उन्होंने ऐसा करना जारी रखा, तो कर्नाटक में भाजपा का कोई भी नेता खुलकर नहीं घूम पाएगा। राज्य में हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के पास ऐसा करने की ताकत है।' इस दौरान उन्होंने खुलकर पुलिस को भी चेतावनी दे दी।

पूर्व सीएम ने बताया कि उन्होंने गुरुवार और इससे पहले भी पुलिस से बात की थी। सिद्धारमैया ने कहा, 'वे इस तरह के काम करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं पुलिस विभाग से कहना चाहूंगा कि अगले 6 महीनों में सरकार बदल जाएगी। कांग्रेस सत्ता में वापस आएगी और मैं यही चेतावनी पुलिस को भी दे रहा हूं।'

एक जैसे नाम के चलते हुई शवों की अदला-बदली

दाह संस्कार से पहले मूंछों से खुला राज

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में लापरवाही का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नाम और लगभग समान उम्र के दो लोगों के शवों की अदला-बदली हो गई। हालांकि अंतिम संस्कार से पहले दोनों व्यक्तियों के परिवारों ने उनकी मूछों में फर्क पाया और फिर शवों को एक दूसरे से बदला गया। अलीबाग तहसील के पेजारी गांव के निवासी रमाकांत पाटिल (62) की एमजीएम अस्पताल में रक्तचाप और मधुमेह के कारण मौत हो गई थी, वहीं उसी अस्पताल में पनवेल तहसील के दहिवली गांव के रहने वाले राम पाटिल (66) की गुर्दे और यकृत संबंधी रोग के कारण मौत हो गई थी। मृतकों में से एक के रिश्तेदार ने बृहस्पतिवार को बताया, दाह संस्कार से ठीक पहले रमाकांत पाटिल के रिश्तेदारों ने महसूस किया कि मृतक की मूंछें अलग थीं।

अस्पताल से संपर्क किया गया, लेकिन वहां के कर्मचारियों ने किसी भी गड़बड़ी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। राम पाटिल के परिवार को भी लगा कि कुछ गड़बड़ है और दोनों समूह एमजीएम अस्पताल पहुंचे। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने शवों की अदला-बदली की व्यवस्था की। इस बीच, अस्पताल प्रबंधन ने एक बयान में अपना बचाव किया और कहा कि दोनों परिवारों ने शवों को स्वीकार करने से पहले उन्हें देखा था।

सिक्किम सीएम के राजनीतिक सचिव धर्मांतरण कराने में शामिल?

वीएचपी ने अमित शाह को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के राजनीतिक सचिव पर धर्मांतरण में शामिल होने का आरोप लगाया है। इसे लेकर उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा है, जिसमें कहा गया है कि तमांग के राजनीतिक सचिव जैकब खलिंग राय अपने पद का इस्तेमाल सिक्किम में ईसाई धर्म फैलाने के लिए कर रहे हैं।

विहिप नेता आलोक कुमार एक सीनियर वकील भी हैं। उन्होंने कहा, 'सिक्किम के विधायक नरेंद्र कुमार सुब्बा ने मुझसे मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुझे सिक्किम में ईसाई धर्म और संस्थानों के प्रचार के लिए जैकब खलिंग राय की भागीदारी की जानकारी दी। यह पता चला है कि राय राज्य में ईसाई धर्म के प्रचार और धर्मांतरण के लिए अपने पद का इस्तेमाल कर रहे हैं।'

'राजनीतिक सचिव का काम पादरी से अलग'

आलोक कुमार ने कहा कि वह इस मामले पर गृह मंत्री शाह का ध्यान दिलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव का कार्यभार और ईसाई धर्म को बढ़ावा देने में लगे पादरी की जिम्मेदारी अलग-अलग होती है। इसे मिलाने से बचने की जरूरत है।'

आशा कार्यकर्ताओं का वेतन बढ़ाने की घोषणा

दूसरी तरफ, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने इस साल 1 अक्टूबर से आशा कर्मियों का मासिक वेतन 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ाकर 10 हजार रुपये महीना करने की घोषणा की है। फिलहाल आशा कर्मियों का मासिक वेतन 6 हजार रुपये है। हिमालयी राज्य में लगभग 700 आशा कर्मी हैं। तमांग ने बीते बुधवार को मनन केंद्र में एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यह घोषणा की।

भाजपा ने ममता सरकार पर लगाए केंद्र द्वारा दिए गए धन का दुरुपयोग के आरोप

निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

कोलकाता, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक बार फिर से भाजपा पश्चिम बंगाल सरकार पर हमलावर है। एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता सरकार पर केंद्र सरकार द्वारा दिए गए धन के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है।

ममता सरकार के सत्ता से जाने का किया था दावा

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा था कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राज्य में अगले छह महीने तक नहीं टिकेगी। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अपना काम कर रही हैं। अधिकारी ने कहा कि टीएमसी छह महीने भी नहीं चलेगी। भाजपा नेता और फिल्म स्टार मिथुन चक्रवर्ती ने भी टीएमसी विधायकों के संपर्क में होने का दावा किया था। मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, ममता बनर्जी की पार्टी के 21 विधायकों हमारे संपर्क में हैं। अब समय का इंतजार करना है।

दुर्गा पूजा की पवित्रता को नष्ट करने का भी लगा आरोप

पश्चिम बंगाल भाजपा के उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि ममता बनर्जी ने पितृ पक्ष के दौरान दुर्गा पूजा का उद्घाटन किया। घोष ने कहा कि ममता बनर्जी पितृ पक्ष में उद्घाटन कर दुर्गा पूजा की पवित्रता को नष्ट किया। ममता बनर्जी के सभी कार्य गलत हैं, इसलिए देवी दुर्गा की पूजा करते समय मंत्रों के जाप में भी गलती की गई।

राज्य में कानून व्यवस्था पर उठाए थे सवाल

महिला मोर्चा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला उपाध्यक्ष मौसमी दास पर 23 सितंबर को मालदा के मालतीपुर इलाके में उनके आवास पर तृणमूल कांग्रेस समर्थित गुंडों द्वारा कथित तौर पर हमला किया गया था। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), मालदा के प्रवक्ता शुवोमोय बसु ने आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच पर भरोसा है। अगर ऐसा हुआ है तो वे हमले के पीछे के कारणों का पता लगाएंगे। उधर, भाजपा नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमलों का आरोप लगाते हुए घटना की शिकायत की। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने का दावा भी किया था।

अशोक पंडित के खिलाफ कांग्रेस ने दर्ज कराई शिकायत

शेयर किया था राहुल गांधी का फेक वीडियो

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी का एक फेक वीडियो सोशल मीडिया में शेयर करने और कांग्रेस नेता के प्रार्थना करने से इनकार करने का दावा करने वाले फिल्म निर्माता अशोक पंडित के खिलाफ कांग्रेस ने शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है, अशोक पंडित ने अपने पोस्ट को तुरंत हटा दिया क्योंकि उनका झूठ बेनकाब हो गया था। यह उनकी मंशा को दर्शाता है। उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। पिछले कुछ दिनों एक वीडियो वायरल हो गया था जिसमें दावा किया गया था कि राहुल गांधी ने आरती करने से इनकार कर दिया था। अशोक पंडित ने ट्वीट में लिखा था, जनेऊधारी राहुल गांधी आरती करने से इनकार कर रहे हैं। कारण स्पष्ट हैं। फैक्ट चेकर्स ने उनके इस दावे का खंडन किया। उन्होंने पाया कि वीडियो एडिटेड है। तस्वीरें 2017 में राजस्थान की थीं। हालांकि, इस दौरान राहुल गांधी ने वास्तव में आरती की थी।

शिकायत में कहा गया है, ताजा वीडियो एक पुराने वीडियो को मॉर्फ करके बनाया गया था। इसके जरिए जानबूझकर हिंदू समुदाय के सदस्यों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने को कोशिश की गई। कांग्रेस ने शिकायत में कहा, "अशोक पंडित ने पहले भी इसी तरह की हरकतें की थीं। उन्होंने इस वीडियो का उपयोग जानबूझकर देवी दुर्गा का अपमान करने के लिए किया है। आपको बता दें कि ट्विटर पर अशोक पंडित के 3 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। शिकायत में कहा गया है कि ट्वीट और फर्जी वीडियो पार्टी और पार्टी के सदस्यों की छवि खराब करने का भी एक प्रयास था। शिकायत की जानकारी देते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अशोक पंडित ने सोशल मीडिया पोस्ट को हटा दिया है, लेकिन उन्हें अपने इस कृत्य के लिए कानून का सामना करना पड़ेगा।

पन्ना में हीरों की 'बारिश'

उथली खदानों से मिले दस बेशकीमती हीरे

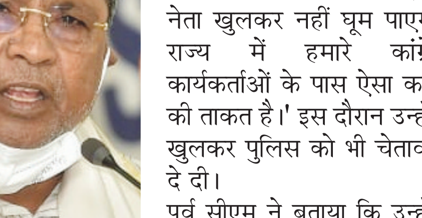

पन्ना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले की उथली हीरा खदानों में लगातार दूसरे दिन भी बेशकीमती हीरों की बारिश हुई है। कृष्णा कल्याणपुर की पटी हीरा खदान क्षेत्र में 10 हीरे मिले हैं। एक दिन में इतने हीरों का मिलना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। बुधवार को पटी सहित अन्य हीरा खदान में 5 हीरे मिले थे। हीरा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को पन्ना की कृष्णा कल्याणपुर पटी उथली हीरा खदानों में 10 हीरें मिले हैं। हीरा धारकों द्वारा हीरा कार्यालय में जमा किया गया है। आश्चर्य की बात यह है कि अकेले एक ही व्यक्ति को एक ही दिन में 6 नग हीरे मिले हैं। किस्मत का धनी यह व्यक्ति दुकमन अहिरवार निवासी छतरपुर है, जिसको 6 नग हीरे मिले हैं। छोटे आकार वाले इन हीरों का कुल वजन 2।46 कैरेट बताया गया है। वहीं, दूसरी ओर अशोक खरे निवासी सतना को 2 हीरे मिले हैं, जिनका वजन 6।37 कैरेट बताया गया है। इसी प्रकार जगन जड़िया निवासी पन्ना को 4।74 कैरेट का एक हीरा मिला है। जबकि लखन केवट पन्ना को 3।47 कैरेट का हीरा प्राप्त हुआ है, जिन्हें हीरा कार्यालय में जमा किया गया है। उक्त सभी हीरे आगामी 18 अक्टूबर 2022 से शुरू होने वाली नीलामी में रखे जाएंगे।

पुलिसवाला बन ले उड़े 7 लाख रुपये के गहनों और हीरों से भरा बैग

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांदिवली (वेस्ट) में मंगलवार को एक 52 साल के व्यक्ति से दो लोगों ने सात लाख रुपये की कीमत के सोने के गहने और हीरे से भरा बैग लूट लिया। दरअसल लूट करने वालों ने फिल्मी तरीका अपनाया और पुलिस वाला बनकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित मुंबई के कांदिवली ईस्ट में एक कंपनी में काम करता है। वह कंपनी सोने और हीरे के गहनों का व्यापार करती है। पीड़ित व्यक्ति इस कंपनी में सोना और हीरा कस्टमर को डिलीवर करने का काम करता है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि मंगलवार दोपहर 2:30 बजे जब वह कांदिवली (ईस्ट) से कांदिवली (वेस्ट) डिलीवरी करने जा रहा था। तब उसके साथ लूट की इस वारदात को अंजाम दिया गया।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित जब डिलीवरी के लिए जा रहा था तब उसके बैग में सात लाख रुपये की कीमत का सोना और हीरे थे। कंपनी उसे डिलीवरी करने के लिए ऑटो का खर्चा भी देती है, लेकिन उसने पैदल जाकर ऑटो के पैसे बचाने की सोची। पैदल जाते वक्त जब वह पुल पर पहुंचा तब वहां 2 लोग पुलिस की ड्रेस में खड़े हुए थे। उन्होंने व्यक्ति से पूछा कि क्या चबा रहे हो। उसने जवाब दिया तंबाकू चबा रहा हूं। उसका जवाब सुनकर नकली पुलिस वाले बोले कि तुम ड्रग्स तो नहीं ले रहे। इस तरह उसे गुमराह कर उसकी तलाशी लेने लगे। ठगों ने उससे तलाशी के लिए बैग दिखाने को कहा। बैग चेक करके दोनों बैग लेकर चलने लगे तो पीड़ित ने उन्हें रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हमारे सीनियर पुल के नीचे गाड़ी में बैठे हुए हैं। इस तरह वह लुटेरे भाग निकले।

सुविचार

राजनीति भुजंग से भी अधिक कुटिल है, असि धारा से भी अधिक तेज है, विद्युत शिखा से भी अधिक चंचल है।

हैदराबाद-सीएसटी मुंबई-हैदराबाद एक्सप्रेस आज से सुपरफास्ट एक्सप्रेस होगी

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रेन संख्या 17032/17031 हैदराबाद-सीएसटी मुंबई-हैदराबाद डेली एक्सप्रेस को 1 अक्टूबर, 2022 से संशोधित ट्रेन संख्या 22731/22732 के साथ मेल/एक्सप्रेस से सुपरफास्ट एक्सप्रेस में बदल दिया गया है। ट्रेन की गति में सुधार किया गया है ताकि यात्रियों को अपेक्षाकृत कम समय में उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। दमरे से मिली जानकारी के अनुसार सुपरफास्ट एक्सप्रेस में ट्रेन की स्थिति में परिवर्तन के परिणामस्वरूप अग्रिम आरक्षण वाले यात्रियों से सुपरफास्ट अधिभार वसूल किया जाएगा। पहले टिकट बुक करने वाले यात्रियों से देय सुपरफास्ट सरचार्ज राशि स्लीपर क्लास में 30 रुपए, एसी थर्ड और एसी में 45 संबंधित यात्रियों से ली जाएगी। दमरे ने यात्रियों से ट्रेन को सुपरफास्ट श्रेणी में अपग्रेड करने के कारण किराए के अंतर की वसूली करते समय रेलवे कर्मचारियों का सहयोग करने का अनुरोध किया है।

महिला स्वयं सहायता समूहों को 65 हजार 95 लाख करोड़ रुपये का बैंक लिंकेज : येर्राबल्ली

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायती राज मंत्री येर्रबेली दयाकर राव ने कहा कि 8 वर्षों में राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों को 65 हजार 95 लाख करोड़ रुपये का बैंक लिंकेज प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में महिला स्वयं सहायता समूहों को एसईआरपी के माध्यम से 15,001 करोड़ रुपये का बैंक लिंकेज प्रदान करने का लक्ष्य 31 मार्च 2023 तक निर्धारित किया गया है, अब तक 696 करोड़ रुपये का बैंक लिंकेज प्रदान किया गया है और शेष लक्ष्य को पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी की महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना नव इंडिया का सपना साकार होना अधूरा है। आज, महिलाएं शिक्षा, विज्ञान और राजनीति को प्रभावित करती हैं। यह व्यापार, खेल आदि सभी क्षेत्रों में फैलता है। इन तथ्यों को स्वीकार करते हुए, तेलंगाना राज्य सरकार राज्य में महिलाओं के व्यापक विकास

के लिए कई कार्यक्रम चला रही है और उन्हें लागू कर रही है। उसी के तहत महिलाओं को एकजुट करने के उद्देश्य से राज्य भर में महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने तेलंगाना राज्य में महिलाओं की गुप्त शक्ति का दोहन करने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समितियों की स्थापना की है।

समाजों के गठन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को बचत की दिशा में निर्देशित करके और साथ ही परिवारों को वित्तीय प्रशिक्षण की ओर निर्देशित करके परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत करना है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 4,30,648 महिला स्वयं सहायता समितियां हैं। इन समितियों में 46,09,843 सदस्य हैं। गांवों में महिला संघों द्वारा लिए गए ऋणों ने कई महिलाओं के स्वरोजगार के अवसरों में सुधार किया है। इस कार्यक्रम को लागू करने के लिए राज्य में 32 जिला समाख्या, 553 मंडल समाख्या और 17,980 ग्राम समाख्या कार्यरत हैं।

गांधी, विनोबा और अम्बेडकर मानवाधिकारों के बड़े हितैषी : न्यायमूर्ति बी. चंद्रया

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति बी. चंद्रया ने कहा कि देश में मानवाधिकारों के लिए महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे, डॉ. बी.आर. अंबेडकर का योगदान अधिक है। उन्होंने कहा कि मानव अधिकार वह मूल अधिकार है जो मनुष्य के रूप में जन्म लेने के कारण प्राप्त होता है। न्यायमूर्ति बी. चंद्रैया गांधी भवन परिसर, हैदराबाद, नामपल्ली में तेलंगाना सर्वोदय परिषद के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस मौके पर डॉ. आवरैया, अखिल भारत सर्व सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महासचिव चंदन पॉल, गोरख चंद्र महापात्रा, सेवाग्राम के प्रबंध न्यासी शेख हुसैन विशिष्ट अतिथि थे। तेलंगाना सर्वोदय मंडली राज्य के नेता, प्रमुख समाज सुधारक डॉ. मोतुरी कृष्ण प्रसाद, डॉ. चंद्रकांत, चंदू नाइक, प्रख्यात वकील संजय कुमार सक्सेना, सामाजिक कार्यकर्ता जुबैर विशेष अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलंगाना सर्वोदय परिषद के प्रदेश अध्यक्ष आर. शंकर नायक ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति बी. चंद्रया ने याद किया कि महात्मा गांधी प्रिया अनुयायी आचार्य विनोबा भावे ने भूमिहीन गरीबों को जमीन देने के उद्देश्य से गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमारे तेलंगाना राज्य भूदान पोचमपल्ली में एक अहिंसक भूमि दान आंदोलन शुरू किया था। गोरख चंद्र महापात्र ने कहा कि तेलंगाना राज्य में भूदान भूमि भूमिहीन गरीबों को वितरित की जानी चाहिए, भूदान यज्ञ बोर्ड की स्थापना तुरंत की जानी चाहिए। अनाधिकृतों के स्वामित्व वाली भूमि को जब्त कर लिया जाना चाहिए और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस कार्यक्रम में राजू नाइक, भास्कर, हनुमान, अमीना, फेमीद, महमूद आदि ने भाग लिया।

WANTED

VICE PRINCIPAL REGULAR & RESIDENTIAL POST FOR CRPF PUBLIC SCHOOL: No.of Posts - 01, Qualifications & Experience as per the CBSE / State Government norms. Age: below 44 years. Pay Scale: Rs.37,100-00 to Rs.91,450-00 and other allowances as applicable. Interested candidates can apply in the prescribed format. Download the application form from the school website & submit along with latest passport size photo with the photocopies of educational qualifications and experience details through speed post on or before 20-10-2022. Eligible candidates will be called for selection process i.e., written test. For further information, candidates can visit school WebSite: www.crpfpublicschool.com (040-27981257).

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Shaik Ahmed S/O Shaik Chand Miya, R/O H. No. 7-8-215, Goutham Nagar, Ferozguda, Hyderabad has changed my name to Mohammed Ahmed (New name) for all future purposes.

I, SAFDAR ALI, R/o.H.No.9-8-109/A/4, Saleh Nagar, Golconda, Hyd, T.S. Changed My Name as MOHAMMED SAFDAR AL.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

साइबराबाद भरोसा केन्द्र में नशामुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद भरोसा केन्द्र में नशामुक्त व्यक्तियों के लिए नशामुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया है। इस दौरान 8 लोगों ने अपने परिवार के साथ नशामुक्ति कार्यक्रम में भाग लिया। गौरतलब है कि भरोसा साइबराबाद परामर्श केंद्र का शुभारम्भ 15 अक्टूब 2018 को 4 कर्मचारियों, नैदानिक मनोचिकित्सक, कानूनी परामर्शदाता, सामाजिक परामर्शदाता और रिसेप्शनिस्ट कर्मचारियों के साथ किया गया था। केंद्र आम लोगों की जरूरतों को पूरा कर रहा है। घरेलू हिंसा के मामले, पॉस्को मामले, बलात्कार के मामले, परिवार परामर्श, नाबालिग परामर्श दिए जा रहे है। इसके अलावा, परामर्श केंद्र वरिष्ठ नागरिकों को उनकी पारिवारिक समस्याओं, घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, उनके प्रति उनके बच्चों के लापरवाह रवैये में मदद करता रहा है। आईटी कर्मचारियों के कई मामलों में भी भाग लिया गया। भरोसा साइबराबाद परामर्श केंद्र शराब के आदी व्यक्तियों और उनके परिवारों के साथ शराबी बेनामी के सहयोग से परामर्श आयोजित कर रहा है। प्राथमिक स्कूल की एक महिला शिक्षक भरोसा केन्द्र साइबराबाद से शराब के आदी अपने पति को परामर्श प्रदान करने का अनुरोध किया। लत के कारण उसने अपनी पत्नी और बेटे की उपेक्षा करना शुरू कर दिया था। याचिकाकर्ता के अनुरोध पर भरोसा टीम ने प्रतिवादी को दो परामर्श सत्र आयोजित किए और उसे परामर्श दिया कि शराब के प्रति उसकी लत उसके पारिवारिक जीवन पर कैसे प्रभाव डाल रही है, और उसे यह भी समझाया कि जब वह शराब का सेवन करता है, तो उसकी मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति कैसे बदलेगी। सभी नकारात्मक मुद्दों के बारे में समझाने के बाद उसकी शराब पीने की आदत में बदलाव आया। भरोसा साइबराबाद परामर्श केंद्र में हर सप्ताहांत में शराब के आदी उत्तरदाताओं के लिए शराबी बेनामी के साथ एक सत्र होता है और इस नशामुक्ति कार्यक्रम के द्वारा, कई परिवार खुशी-खुशी अपने परिवारों के साथ जुड़ गए हैं और एक सामान्य जीवन जी रहे हैं। वर्ष 2018 से 29 अक्टूबर 2022 तक भरोसा साइबराबाद परामर्श केंद्र में घरेलू हिंसा के मामले, पोक्सो, यौन उत्पीड़न के मामले, घरेलू हिंसा के भारी संख्या में मामले सामने आए और इनका निस्तारण किया गया।

सिकंदराबाद छावनी बोर्ड की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी बोर्ड की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में खास तौर पर वर्ष 2008 में कांग्रेस को आवंटित भूमि का मुद्दा छाया रहा। निर्माण परमिट की श्रेणी में पीसीसी उपाध्यक्ष मल्लू रवि के नाम से बोइनपल्ली के सर्वे नंबर 31/पी में 50,125 गज के प्लाट पर निर्माण के लिए आवेदन दिया गया था।

वर्ष 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल के दौरान इस स्थान को रक्षा विभाग से राज्य सरकार को स्थानांतरित कर दिया गया था। बाद में इसे कांग्रेस पार्टी को आवंटित कर दिया गया। सिकंदराबाद छावनी बोर्ड क्षेत्र के विधायक विधायक सायन्ना और बोर्ड के नामित सदस्य रामकृष्ण ने अपनी दलीलें देते हुए कहा कि इस जगह पर निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। बैठक में मल्काजगिरी के सांसद रेवंत रेड्डी, सीईओ अजीत रेड्डी, संयुक्त सीईओ विजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के दारूल शफा हाईस्कूल में बतुकम्मा साड़ी का वितरण किया गया। इस मौके पर चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रभारी मोहम्मद सलाउद्दीन लोधी ने लोगों को साड़ी वितरण किया। इस अवसर पर आयशा नाज, सैय्यद मोहम्मद अहमद, शेख ओमेर फारूक, नरसिंह राव आदि उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना द्वारा सेवा पखवाड़ा के तहत सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का निमंत्रण भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मण को देते हुए भाजपा नेता सोहनलाल कड़ेल, उत्तम सिंह राजपुरोहित ने प्रदान किया।

जेसी ज्वैलर्स शोरुम का शुभारम्भ कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोटमार्केट मानक लीला टॉवर्स स्थित जे सी ज्वैलर्स के भव्य शोरुम का मंत्रोच्चारण, फिता काटकर, दीप प्रज्वलितकर बत्तौर मुख्यअतिथि व सम्मानित अतिथियों के करकरमलों द्वारा शुक्रवार 30 सितम्बर प्रात: 9.01 बजे शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। जेसी ज्वैलर्स के प्रबंधक चोलाराम, प्रकाश हाम्बड़ ने बताया कि जे सी ज्वैलर्स शोरुम का भव्य शुभारम्भ प्रात: वेला में श्री आईमाँ की पूजा-अर्चना, महाआरती के पश्चात विधिवत फिता काट, दीप प्रज्वलितकर, श्री आईमाँ के चरणों में पुष्प व श्रीफल भेंटकर मुख्यअतिथि, सम्मानित अतिथियों व समाज बन्धुओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे बत्तौर मुख्य अतिथि भाजपा युवा नेता सुनिल सीरवी, सीए जस्साराम बर्फा, रामलाल बर्फा, परसराम बर्फा, किशनसिंह राठौड़, चेनाराम चोयल, मंगलराम पंवार,

सम्मानित अतिथि सरस्वती ज्वैलर्स प्रबंधक किशनलाल राठौड़, श्री जय भवानी मार्केटिंग प्रबंधक महेन्द्र देवड़ा, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, नारायणलाल सिन्दड़ा, सीरवी समाज पूर्व अध्यक्ष भुराराम चोयल, जसराज सोलंकी, कोरेमुला सीरवीसमाज संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, प्रेमकुमार पंवार, भंवरलाल काग, किशनलाल पंवार, मनोज बर्फा, विनोद गेहलोत, मोतीलाल, कालुराम काग, पारसनाथ चौहान, सीरवी समाज अध्यक्षा सीतादेवी सोलंकी, सचिव निर्मला देवड़ा, नवयुवक मंडल के सोनु मुलैवा, राजु शर्मा, मंगलाराम पंवार, नारायणलाल परिहार, ढगलाराम सेपटा, हरिराम बर्फा, बुदाराम, पधारे समाज बन्धुओं व सम्मानित ग्राहकों का राजस्थानी साफे व शॉल से विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम मे बहुत से समाज बन्धु एवं शुभचिंतक ग्राहक उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रबंधक जे.चोलाराम हाम्बड़ ने पधारे सभी अतिथियों व सम्मानित ग्राहकों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि शोरुम मे सिल्वर ज्वैलरी के सभी आईटम क्वालिटी को मध्यनजर रखते हुए उचित दाम पर भरोसे से उपलब्ध कराये जाएगे। कार्यक्रम व्यवस्था मे भावेश, युवती व विष्णु हाम्बड़ का विशेष सहयोग रहा। पधारे सम्मानित अतिथियों व समाज बन्धुओं ने प्रबंधक व हाम्बड़ परिवार को जे सी ज्वैलर्स शोरुम के भव्य शुभारम्भ की शुभकामनाएँ दी। चोलाराम हाम्बड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

सूचना

ब ईजलास सब जज-5, आरा भोजपुर।

नम्बरी वाद संख्या-534/2021

हर्षदेव पाण्डेय वगैरह -------------वादीगण

बनाम

श्री तुंगनाथ पाण्डेय वगैरह -----प्रतिवादीगण

गजट बनाम

(1) श्री तुंगनाथ पाण्डेय, पिता-स्व0 लाल बहादुर पाण्डेय निवासी मुहल्ला--हाउस नं0-23-118/19/2 ब्रुन्दावन कॉलोनी भुदेवी नगर अलवाल सिकन्दराबाद-500010

(2) श्रीमती देवियन्ती देवी, पति-स्व0 देवेन्द्र उपाध्याय, पिता-स्व0 लाल बहादुर पाण्डेय, निवासी-ग्राम+पोस्ट-महुदही, थाना-बड़हरा, जिला-भोजपुर, . . पिन नं0- 802315

(3) श्री हरि नारायण पाण्डेय, पिता-स्व0 लाल बहादुर पाण्डेय निवासी-सब एरिया ऑफिस, राजनगर, कोलियरी, पोस्ट-राजनगर कोलियरी, जिला-सहडोल, मध्यप्रदेश, पिन नं0-484446

(4) अशोक कुमार पाण्डेय, पिता-स्व. लाल बहादुर पाण्डेय निवासी ग्राम-किशुनपुरा, पोस्ट-श्रीपालपुर, थाना-कोईलवर, जिला-भोजपुर, पिन नं0-802314

(5) श्री राज कुमार पाण्डेय, पिता-स्व. लाल बहादुर पाण्डेय, निवासी प्लॉट नं0-84, श्रीनगर कॉलोनी (वेस्ट) पुराना अलवाल, सिकन्दराबाद-500010----- प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

(6) भोलू पाण्डेय। (7) गोलू पाण्डेय, दोनो के पिता-स्व. राम भरोसा पाण्डेय

(8) रविरंजन पाण्डेय, पिता-स्व. युगेश्वर पाण्डेय (9) मुनेश्वर पाण्डेय, पिता-स्व. नागदेव पाण्डेय (10) परशुराम पाण्डेय। (11) अभिराम पाण्डेय दोनों के पिता-स्व. सत्यनारायण पाण्डेय (12) रामाकान्त पाण्डेय। (13) बरमेश्वर पाण्डेय (14) रामेश्वर पाण्डेय (15) तीर्थनाथ पाण्डेय सभी के पिता-स्व. रामायण पाण्डेय, (16) रमेश पाण्डेय । (17) कमलेश पाण्डेय (18) राजेश पाण्डेय । सभी के पिता-स्व. सरीखन पाण्डेय

(19) ईश्वर चन्द पाण्डेय, पिता-स्व. यमुना पाण्डेय, (20) राजेश पाण्डेय(21)मन्टु पाण्डेय दोनो के पिता-स्व. राजाराम पाण्डेय,. (22) चन्द्रकान्त पाण्डेय, पिता-स्व. महानन्द पाण्डेय,

(23) सचिता पाण्डेय (24) अनुग्रह नारायण पाण्डेय (25) मनीष पाण्डेय, सभी के पिता-स्व. तारकेश्वर पाण्डेय, (26) राजरोशन देवी, पति-स्व. तारकेश्वर पाण्डेय, (27) विवेक पाण्डेय । (28) अभिजित पाण्डेय दोनों के पिता-स्व. विद्याधर पाण्डेय, (29) मंजु कुँवर, पति-स्व. विद्याधर पाण्डेय, सभी निवासी ग्राम-किशुनपुरा, पोस्ट-श्रीपालपुर, थाना-कोईलवर, जिला-भोजपुर, पिन नं0-802314-- --- प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

चूँ आपलोगों के ऊपर न्यायालय द्वारा चपरासी एवं निबंधित डाक से उपरोक्त वाद का सम्मन भेजा गया लेकिन आपलोग न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। अतः इस समाचार-पत्र के माध्यम से आपलोगों को सूचित किया जाता है कि आपलोग स्वयं या अपने द्वारा प्राधिकृत किसी कानूनी सलाहकार के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर वाद की पैरवी दिनांक...15-10-22 को समय 10.00 बजे सुबह को करें अन्यथा इस वाद में आपलोगों के विरूद्ध एक पक्षिय सुनवाई कर उचित निर्णय पारित कर दिया जायेगा।

इसे सख्त ताकिद जाने। आज दिनांक..27-09-22.....को मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर जारी किया गया।

सब जज-5

व्यवहार न्यायालय, आरा, भोजपुर ।

धम्माईगुडा स्थित भवानी फंक्शन हॉल में राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा आयोजित गरबा-डांडिया नृत्य में पुजा-अर्चनाकर कार्यक्रम का आनंद लेते हुए अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित व प्रवासी समाज बन्धु।

सड़कों पर गड्ढों के विरोध में पानी में बैठे लोग

कैबिनेट मंत्री के खिलाफ नारेबाजी

आगरा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा में सड़कों में हुए गड्ढों से परेशान कहरई के लोगों ने रास्ते में भरे पानी में बैठकर प्रदर्शन किया। कैबिनेट मंत्री के खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद सड़क निर्माण के लिए मांगपत्र पढ़ कर सुनाया गया। जनप्रतिनिधियों पर उदासीनता के आरोप लगाते हुए तत्काल समस्या दूर कराने की मांग की गई।

शमसाबाद रोड स्थित कहरई गांव के लोग बदहाल सड़कों से परेशान हैं। लंबे समय से सड़कें नहीं बनने और गहरे गड्ढों के कारण जलभराव हो रहा है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे। गड्ढों में गिरने से लोगों के हाथ-पैर टूट रहे हैं। जिसके विरोध में बृहस्पतिवार को आक्रोश फूट पड़ा।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन विधायक व मंत्री की उदासीनता के कारण समस्या जस की तस है। जल्द समस्या से निजात नहीं मिली तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। मांग करने वालों में राहुल राजपूत, सत्य प्रकाश, अनार सिंह, शशि कुमार, सर्वेश कुशवाह, अखिलेश, राकेश शर्मा, राजेश, दिनेश कुशवाह आदि मौजूद रहे।

अग्निवीर भर्ती के लिए सप्लाई होनी थी नशीली दवाइयां

दबोचे गए तीन आरोपी, खुले बड़े राज

मुजफ्फरनगर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर जनपद में पुलिस ने तीन युवकों को नशीली दवाओं साथ गिरफ्तार किया है। मौके पर पहुंची थाना फुगाना पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपीयों के पास से लगभग तीन लाख की दवाएं बरामद की हैं।

जानकारी के मुताबिक, थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान तीन लोगों को पकड़ा। आरोपीयों में दो मेडिकल स्टोर संचालक हैं, जबकि सप्लायर है। पुलिस ने बताया कि बरामद दवाओं में नशीली गोलियां, इंजेक्शन व कैप्सूल हैं। पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

एसपी देहात अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि मेरठ जनपद के गांव पिठलॉकर थाना सरधना का मूल निवासी उवेश पुत्र अंसार बुढ़ाना में भारत मेडिकल एजेंसी व फुगाना थाना क्षेत्र के गांव खरड़ में अर्पित मलिक पुत्र स्वर्गीय विजेंद्र सिंह का फौजी मेडिकल स्टोर के नाम से दुकान है। यह दोनों अपनी दुकानों पर नशीली दवाइयां बेचते थे। मुजफ्फरनगर के मोहल्ला राम लीला टीला निवासी मोहन पुत्र कुंवर सेन इन्हें यह नशीली दवाइयां सप्लाई करता था।

वह कहां से दवाइयां खरीदता था। इस बारे में जांच की जा रही है। एसपी देहात का कहना है कि दवाइयां अग्निवीर भर्ती में युवकों को बेची जानी थी। इससे इनकार नहीं किया जा सकता। तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पैसों के लेनदेन में बहन ने लिया भाई का पक्ष, पति ने गला दबाकर कर दी हत्या

मैनपुरी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भाई का पक्ष लेने पर बहन की हत्या की गई थी। किशनी पुलिस ने बसैत की मोनिका हत्याकांड का खुलासा करने के बाद शुक्रवार को आरोप पति को भी गिरफ्तार कर लिया। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। पति ने खुलासा किया कि लेनदेन को लेकर उसके भाई का उसके साले से विवाद हुआ था। इस विवाद में उसकी पत्नी अपने भाई का पक्ष ले रही थी और वह अपने भाई का पक्ष ले रहा था। शुक्रवार को थाना प्रभारी अनिल कुमार ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए पति की गिरफ्तारी किए जाने की पुष्टि की।

नीतीश की नाक के नीचे 24 घंटे तक गोलीबारी होती रही

डीजीपी बिजनेस मॉडल समझाने में लगे थे : गैंगवार पर बीजेपी

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के बिहटा में बालू माफिया के बीच हुए गैंगवार पर बीजेपी ने नीतीश सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। बीजेपी प्रवक्ता निखिल आनंद ने कहा कि नीतीश सरकार की नाक के नीचे 24 घंटे तक गोलीबारी होती रही, लेकिन पुलिस को पता ही नहीं चला। बिहार के डीजीपी निवेशकों को बिजनेस मॉडल समझाने में व्यस्त थे। उसी दौरान पुलिस मुख्यालय से 10 किलोमीटर की दूरी पर गैंगवार में फायरिंग चल रही थी। बीजेपी नेता निखिल आनंद ने शुक्रवार को ट्विटर एक दिन पहले आयोजित हुई इन्वेस्टर्स मीट का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'यह वीडियो है जब इन्वेस्टर्स मीट में सीएम-डिप्टी सीएम की उपस्थिति में डीजीपी निवेशकों- व्यवसायियों को बेशर्मी से बिजनेस मॉडल समझा रहे हैं। बिहार पुलिस हेडक्वार्टर से सिर्फ 10 किलोमीटर दूर, सरकार की नाक के नीचे, पटना के मनेर-बिहटा क्षेत्र में 24 घंटे से गोलीबारी चल रही थी।'

बता दें कि बिहटा के दियारा इलाके में गुरुवार को बालू माफिया के बीच हुई खूनी जंग में पांच लोगों की मौत की सूचना है। पुलिस को अब तक उनके शव भी नहीं मिले हैं। गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां पर सैकड़ों की संख्या में खोखे बरामद हुए और जगह-जगह खून के धब्बे मिले।

कई घंटों तक गैंगवार चलता रहा और हजारों राउंड फायरिंग की गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस गैंगवार में मोस्ट वांटेड शत्रुघ्न राय, हरेंद्र राय, लालदेव राय, विमलेश सिंह समेत अन्य लोगों की मौत की खबर है। पुलिस इनके शवों की तलाश कर रही है।

ज्वेलरी शोरूम से 7 करोड़ की चोरी कर चंपत हुआ मैनेजर

मेरठ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ के नील गली स्थित हल्दर ज्वैलर्स के शोरूम में मैनेजर ने करीब सात करोड़ की चोरी हो गई। आरोप है कि शोरूम का मैनेजर 10-12 किलो सोना, 20 लाख कैश और करोड़ों के डायमंड लेकर अपने साथी के साथ फरार हो गया। गुरुवार सुबह घटना का पता लगा तो बाजार में हड़कंप मच गया। खुलासा हुआ कि बाजार के दर्जनभर लोगों ने मैनेजर के पास सोना रखा हुआ था। देहली गेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपी पर शोरूम मालिक ने अपनी ओर से दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। सर्राफा बाजार नील गली में शफीकुल रहमान का हल्दर नाम से ज्वैलरी शोरूम है। शोरूम पर पश्चिम बंगाल निवासी युवक चिरंजीत करीब डेढ़ साल से काम करता था। शोरूम मालिक को उस पर काफी विश्वास था, इसलिए शोरूम की चाबी उसी को दी हुई थी। बुधवार रात चिरंजीत अपने साथी देवाशीष के साथ शोरूम पर पहुंचा और ताला खोलकर वहां से करीब 10-12 किलो सोना, गल्ले में रखा 20 लाख कैश और करोड़ों के डायमंड लेकर फरार हो गया।

गुरुवार सुबह जब चिरंजीत शोरूम पर नहीं आया तो घटना का खुलासा हुआ। इसके बाद बाजार में हड़कंप मच गया। खुलासा हुआ कि बाजार से भी दर्जनभर लोगों ने चिरंजीत को शोरूम पर रखने के लिए सोना दिया था।

सेब खाने पर टीचर और उसकी पत्नी ने बच्चे को पीट-पीटकर मार डाला

स्कूल के बाहर भारी पुलिस बल तैनात

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले के निजी स्कूल में छह साल के एक बच्चे को सेब खाना भारी पड़ गया। आरोप है कि तीसरी क्लास में पढ़ने वाले बच्चे की टीचर ने जमकर पिटाई की। गंभीर चोटें आने पर उसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती बच्चे ने मौत से पहले टीचर द्वारा की गई निर्मम पिटाई करने की जानकारी अपने दादा को दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्कूल में मंगलवार को दुर्गा पूजा हो रही थी। तीसरी क्लास में पढ़ने वाले विवके ने पूजा की थाली से एक सेब उठाकर खा लिया। जिससे टीचर और उसकी पत्नी का गुस्सा सांतवे आसमान पर पहुंच गया। आरोप है कि टीचर और उसकी पत्नी विकास को एक कमरे में ले गए। दोनों ने बच्चे की जमकर पिटाई की। बेहोशी की हालत में बच्चे को स्कूल के बाहर फेंककर फरार हो गए। बेहोशी की हालत में गांव का ही एक ऑटो ड्राइवर और एक व्यक्ति बच्चे को उसके घर लेकर पहुंचे। उसकी हालत को गंभीर देखते हुए परिजनों ने उसे अस्पताल ले गए।

विवके के दादा ने बताया कि स्कूल में की गई पिटाई के बारे में मौत से पहले उन्हें पूरी बात बताई थी। उसे टीचर और उसकी पत्नी ने बेरहमी से पीटा। दादा ने बताया कि दोनों ने उसमें जमकर थप्पड़ मारे और उसकी पत्नी सीने पर लात रख कर चढ़ गई।

मौत के बाद परिजनों ने किया प्रदर्शन

बच्चे की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा स्कूल संचालकों के खिलाफ फूट पड़ा। स्कूल के गेट पर परिजनों के साथ अन्य ग्रामीण भी जमा हो गए। यहां उन्होंने आरोपी टीचर और उसकी पत्नी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। लोगों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

मायावती का बड़ा सवाल

पीएफआई अगर देश की सुरक्षा के लिए खतरा तो आरएसएस पर प्रतिबंध क्यों नहीं?

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार द्वारा इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगाए जाने पर शुक्रवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे राजनीतिक स्वार्थ और संघ तुष्टीकरण से प्रेरित बताया और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग का समर्थन किया।

बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को ट्वीट किया, केन्द्र द्वारा पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ देश भर में की गई कार्रवाई के बाद अन्ततः अब विधानसभा चुनावों से पहले पीएफआई समेत उसके आठ सहयोगी संगठनों पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। लोग इसे राजनीतिक स्वार्थ व संघ तुष्टीकरण की नीति मान रहे हैं और उनमें संतोष कम व बेचैनी ज्यादा है।

मायावती ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, यही कारण है कि विपक्षी पार्टियां सरकार की नीयत में खोट मानकर इस मुद्दे पर भी आक्रोशित व हमलावर हैं और आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग खुलेआम हो रही है कि अगर पीएफआई देश की आन्तरिक सुरक्षा के लिए खतरा है तो उस जैसी अन्य संगठनों पर भी प्रतिबंध क्यों नहीं लगना चाहिए?

पीएफआई पर एक्शन से पहले मोदी सरकार ने मुस्लिम संगठनों से किया था मशविरा, अब सभी कर रहे स्वागत

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने बुधवार को इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी समूहों से संबंध रखने और देश में सांप्रदायिक नफरत फैलाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया। राजपत्रित अधिसूचना के अनुसार, पीएफआई के आठ सहयोगी संगठनों- रिहैब इंडिया फाउंडेशन, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया इमाम काउंसिल, नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन, नेशनल विमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन, केरल के नाम भी यूएपीए यानी गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित किए गए संगठनों की सूची में शामिल हैं।

केशव का अखिलेश पर वार

डिप्टी सीएम बोले- अपराधियों, माफियाओं और दंगाइयों के सरगना हैं सपा प्रमुख

झांसी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपराधियों, माफियाओं और दंगाइयों के सरगना हैं। भाजपा सरकार में अपराधियों की पूजा नहीं होती है। भाजपा कार्यालय में संवाद कार्यक्रम में शामिल होने आए डिप्टी सीएम ने ये प्रतिक्रिया सपा के पूर्व विधायक दीपनारायण यादव की गिरफ्तारी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में दी। केशव ने कहा कि प्रदेश में अपराधी कहीं भी होगा, उसके खिलाफ सख्त करवाई होगी। सरकार द्वारा अपराधियों, माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में अखिलेश का बयान आना कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने तंज कसा कि अगर अखिलेश अपराधियों का साथ छोड़ दें तो उनके पास सरकार का विरोध करने का कोई मुद्दा नहीं बचेगा।

पीएफआई पर कार्रवाई को लेकर पूछे गए सवाल पर केशव बोले कि ये संगठन देश में हिंसा फैलाने, साजिश रचने, भारत की एकता, अखंडता को खतरा पहुंचने वाला है। यूपी सहित कई राज्यों ने भारत सरकार को अनुरोध भेजा था कि ऐसे संगठन को प्रतिबंधित किया जाए। ये संगठन समय-समय पर हिंसा फैलाता है। जो केवल मुस्लिम वोटों की फसल काटना चाहते हैं मगर उनको भविष्य में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हिन्दू क्या इनको मुसलमान भी वोट नहीं देगा, क्योंकि मुसलमानों में भी बहुत बड़ी संख्या पीएफआई के विरोध में हैं।

पीएफआई का एक और सदस्य गिरफ्तार

फोन से फोटो-वीडियो मिले, दिल्ली और केरल का कनेक्शन भी सामने आया

वाराणसी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर में एटीएस की ताबड़तोड़ छापेमारी चल रही है। वाराणसी के लोहता के अलावल से एटीएस और पुलिस ने पीएफआई के एक और सक्रिय सदस्य अब्दुल को गिरफ्तार किया है। गुरुवार रात को ही पुलिस ने अब्दुल समेत दो युवकों को हिरासत में लिया था।

पूछताछ के दौरान अब्दुल के मोबाइल से कई अहम साक्ष्य मिले हैं। पीएफआई से जुड़े वीडियो और फोटो, अन्य दस्तावेज सहित केरल व नई दिल्ली के नई पदाधिकारियों के नंबर भी मिले हैं। ऑनलाइन चाय पत्ती का कारोबार करने वाला अब्दुल इस साल पार्षद का चुनाव लड़ने की तैयारी में था।

पीएफआई के विंग सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) में अब्दुल की सक्रियता अधिक थी। एटीएस और पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि अब्दुल बीसीए पास है और वह एडीपीआई से जुड़े अन्य सदस्यों को ट्रेनिंग देता था। केरल और नई दिल्ली में पीएफआई से जुड़े कार्यक्रमों में कई बार हिस्सा ले चुका है। फिजिकली तौर पर भी अन्य सदस्यों को ट्रेनिंग देता था। उसके मोबाइल में कई ऐसे एप भी मिले हैं, जिसके जरिए वह पीएफआई के बड़े पदाधिकारियों के संपर्क में रहता है। पुलिस के अनुसार पूछताछ की जा रही है।

हॉस्टल का केयर टेकर और वार्डन गिरफ्तार

कानपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर में हॉस्टल की लड़कियों का नहाते हुए वीडियो बनाने के मामले में पुलिस ने हॉस्टल के केयर टेकर मनोज पांडेय और वार्डन सीमा पाल को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी रिषि की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। केस के सभी आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में हैं।

बता दें कि बीते दिनों चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में हुए एमएमएस कांड की तरह कानपुर में भी काकादेव कोचिंग मंडी के एक गर्ल्स हॉस्टल में एमएमएस कांड हुआ है। हॉस्टल के एक कर्मचारी को गुरुवार को छात्राओं ने एक छात्रा का नहाते हुए वीडियो बनाते रंगेहाथ पकड़ा।

छात्राओं ने उसको पीटा और पुलिस को सौंप दिया। घटना से आहत आक्रोशित छात्राओं ने थाने में जमकर हंगामा किया था। रावतपुर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर उसका मोबाइल जब्त कर लिया है। वहीं,

हॉस्टल का मालिक है सोमानी परिवार

छात्राओं ने पुलिसकर्मी पर वीडियो डिलीट करने का आरोप लगाया था। इस भवन का मालिकाना हक सोमानी परिवार के पास है जिनसे हॉस्टल के संचालक मनोज पांडेय ने उक्त परिसर किराए पर अनुबंध के साथ लिया था। यहां वो छात्रावास का संचालन कर रहा था। बता दें कि गर्ल्स हॉस्टल के बाहर एसपी की नेम प्लेट लगी है। पुलिस ने इस तथ्य की भी जांच पड़ताल शुरू की है।

पुलिस की जांच में यह तथ्य सामने आया है कि सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण दिखने के लिए सोमानी परिवार द्वारा अपने परिचित पुलिस अधिकारी की नेम प्लेट को गलत तरीके से लगाया गया था, जो कि नियमों के विपरीत एवं संबंधों का दुरुपयोग है।

इस संबंध में संबंधित पुलिस अधिकारी से बात की जा रही है। यदि कोई शिकायत उनके द्वारा दी जाती है, तो उस पर भी पुलिस द्वारा विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। संबंधित प्रकरण में सभी पहलुओं की जांच करते हुए सभी प्रकार के विधिविरुद्ध कृत कार्यों पर पुलिस कार्रवाई चलन में है।

15 लाख लूट कर 200 मीटर दूर लुटेरों ने बांटे कैश

मुजफ्फरपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में आईसीआईसीआई बैंक की भगवानपुर शाखा से दिनदहाड़े हुई 15 लाख लूट कांड का मुजफ्फरपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस कांड में गुरुवार की रात तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जिनके पास से साढ़े छह लाख नगद और कई हथियार बरामद किए गए हैं। इस लूट कांड से कि यह भी खुलासा हो गया है कि बिहार में अपराधियों के मंसूबे कितने बुलंद थे। 15 लाख लूट कर फरार अपराधी बैंक से मात्र 200 मीटर की दूरी पर स्थित एक मकान में आपस में लूट की राशि बांट रहे थे और पुलिस अंधेरे में इधर-उधर तीर चला रही थी।

हथियार के साथ गिरफ्तार अपराधियों की पहचान बादल कुमार, विवेक कुमार और आशीष कुमार के रूप में हुई है।

भाजपा नेता को मारी गोली, हालत गंभीर

आरा, 30 सितंबर (एजेंसियां)। आरा के नवादा थाना क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी में शुक्रवार की सुबह घर से टहलने निकले भाजपा नेता को हथियारबंद अपराधियों ने गोली मार दी। अपराधियों ने उन्हें काफी करीब से दाहिने साइड पीठ में गोली मारी गई है। गोली लगते ही खून से लथपथ होकर वह जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद परिजन द्वारा उसे आननफानन में इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया। घायल की पहचान गड़हनी थाना क्षेत्र के लहरपा गांव निवासी रमेश सिंह का 42 वर्षीय पुत्र बबलू सिंह हैं। वह पेशे से ठेकेदार हैं। सड़क बनाने का ठेका लिया करते हैं। साथ ही भाजपा के सक्रिय सदस्य भी है। बबलू सिंह की मां प्रेमा देवी अगिआंव पंचायत के पूर्व मुखिया भी रही है। इधर जख्मी बबलू सिंह के भाई रितेश कुमार सिंह उर्फ भुअर सिंह ने बताया कि कुछ दिन पूर्व योजना के तहत पंचायत में लाखों रुपए काम हुआ था। जिसको लेकर गांव के ही एक व्यक्ति से विवाद चला रहा है। उसने कहा था कि योजना में गड़बड़ी हुई है तो बबलू ने कहा था कि यदि योजना में गड़बड़ी है तो अधिकारी से जांच करा लो जांच के उपरांत सब क्लियर ही जाएगा।

रितेश कुमार सिंह उर्फ भुअर सिंह ने बताया कि उस विवाद को लेकर उक्त व्यक्ति के पुत्र ने पूर्व में परिवार को गोली मारने की भी धमकी दी थी। जिसको लेकर बब्लू सिंह स्थानीय थाना और पुलिस अधीक्षक से शिकायत भी की थी। शुक्रवार की सुबह जब

मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, अपराधियों ने नजदीक से दागी गोली, अस्पताल में भर्ती

वह अपने घर फ्रेंड्स कॉलोनी मोहल्ले से हर रोज की तरह टहलने निकले थे। तभी दो नकाबपोश अपराधियों ने उसे गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रुप से जख्मी हो गए। वहीं दूसरी ओर जख्मी ठेकेदार बबलू सिंह के भाई रितेश कुमार सिंह उर्फ भुअर सिंह ने अगिआंव पंचायत के वर्तमान मुखिया के पुत्र पर गोली मारने का आरोप लगाया है।

मामले में भोजपुर एएसपी सह सदर एसडीपीओ हिमांशु ने बताया कि बबलू सिंह अगिआंव निवासी है और वर्तमान में वह बजाज शोरूम में स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में रहते है। आज सुबह भी वह टहलने निकले थे तभी हथियारबंद लोगों ने उन्हें पीछे से गोली मार दी। हालांकि, उनकी स्थिति स्टेबल है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गए हैं। हम लोगों सीसीटीवी फुटेज भी देख रहे हैं। अभी मरीज बोलने की स्थिति में नहीं है। उसके बयान देने के बाद ही घटना का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

इधर, इलाज कर रहे सर्जन चिकित्सक डॉक्टर विकास सिंह ने बताया कि लहरपा निवासी बबलू सिंह को गोली लगी इसकी सूचना मुझे फोन से मिली। जिसके बाद उन्हें परिजन मेरे क्लिनिक पर लेकर आये। उस समय उनका बीपी काफी लो था और खून भी काफी बह गया था। उनका तीन यूनिट ब्लड निकाल दिया गया और चेस्ट खोलकर ट्यूब लगा दिया गया है। उनका ऑपरेशन कर बुलेट भी निकाल दिया गया है। लेकिन अभी भी उन्हें तीन दिनों तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। क्योंकि अभी भी उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

उद्यमियों को बिना गिरवी दो करोड़ के बैंक ऋण के लिए गारंटी देगी सरकार, शासनादेश जारी

लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग में निवेश करने वाले उद्यमियों को दो करोड़ रुपये तक के कोलेटरल फ्री ऋण (यानी बिना गिरवी के ऋण) पर बैंकों की ओर से लिए जाने वाली वन टाइम गारंटी फीस राज्य सरकार वहन करेगी। एमएसएमई विभाग ने बृहस्पतिवार को एमएसएमई नीति-2022 को लागू करने संबंधी शासनादेश जारी कर दिया। यह नीति सितंबर 2027 तक प्रभावी रहेगी।

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि नए सूक्ष्म उद्योग के लिए ऋण पर देय वार्षिक ब्याज का 50 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) प्रति इकाई पांच वर्षों के लिए दिया जाएगा। वहीं उद्यमियों को पूंजीगत निवेश पर 10 से 25 फीसदी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों को ऋण के ब्याज पर 60 फीसदी तक सब्सिडी दी जाएगी। सूक्ष्म इकाइयों के पात्र निवेश के लिए आवेदन अवधि दो वर्ष होगी। इस तरह लघु उद्योग के लिए तीन और मध्यम उद्योग के लिए चार वर्ष होगी। मंत्री ने बताया कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों को अधिक से अधिक स्रोतों से क्रेडिट उपलब्ध कराने के लिए स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग पर खर्च के 20 प्रतिशत (अधिकतम 5 लाख रुपये) की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

तंबाकू उत्पादन, गुटखा, पान मसाला, अल्कोहल, वातयुक्त पेय पदार्थ, कार्बोनेटेड उत्पाद, पटाखों का विनिर्माण, प्लास्टिक कैरीबैग (40 माइक्रॉन से कम), राज्य सरकार की ओर से समय-समय पर प्रतिबंधित श्रेणी में वर्गीकृत मोटाई के प्लास्टिक बैग और समय-समय पर प्रतिबंधित श्रेणी सूची में श्रेणीकृत उत्पादों के निवेश प्रस्तावों पर यह नीति लागू नहीं होगी।

बुंदेलखंड व पूर्वांचल क्षेत्रों में क्रमशः 25, 20 और 15 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। मध्यांचल एवं पश्चिमांचल में क्रमशः 20, 15 और 10 प्रतिशत होगी।

तेजस्वी यादव की ताजपोशी जल्द होगी

आरजेडी-जेडीयू में सहमति : जगदानंद के बाद भाई वीरेंद्र का बयान

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को राज्य की कमान सौंप देंगे। आरजेडी और जेडीयू में इस बात पर सहमति बन गई है।

आरजेडी प्रदेशाध्यक्ष जगदानंद सिंह के बयान के बाद पार्टी प्रवक्ता भाई वीरेंद्र ने ये बात कही है। वीरेंद्र ने कहा कि हम सही वक्त का इंतजार कर रहे हैं। तेजस्वी का सीएम बनना तय है। उन्होंने संकेत दिया है कि 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले तेजस्वी यादव बिहार के मुख्यमत्री बन जाएंगे।

आरजेडी नेता भाई वीरेंद्र ने शुक्रवार को एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा कि आज न कल तेजस्वी यादव की ताजपोशी होनी ही है। देश में नौजवानों की संख्या ज्यादा है और बिहार में सबसे ज्यादा युवा हैं। सबकी पसंद तेजस्वी यादव हैं। भविष्य के सीएम तेजस्वी ही हैं। हम बस सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

भाई वीरेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद तेजस्वी की ताजपोशी करेंगे और वे केंद्र की राजनीति में चले जाएंगे।

जेडीयू और आरजेडी में आम सहमति पहले ही बनी है। जैसे ही मार्ग प्रशस्त होगा, तेजस्वी सीएम बन जाएंगे।

जलवा-ए-कैदी: बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल में हुआ भर्ती

मौका मिलते हुए बुला ली कॉल गर्ल

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजद और जदयू गठबंधन वाली नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से बिहार के खूब चर्चे भी शुरू हो गए हैं। आए दिन कोई न कोई ऐसी खबर सामने आ ही जाती है, जो पूरे देश में छा जाती है। अब ऐसा ही एक मामला बिहार के हाजीपुर से सामने आया है। यहां एक कैदी बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल में भर्ती हुआ, लेकिन मौका मिलते ही उसने कॉल गर्ल बुला ली और सारा दिन उसके ही साथ रहा। अगले दिन मामला सामने आने के बाद पुलिस की काफी फजीहत हो रही है। जानकारी के मुताबिक, मामला सदर अस्पताल के कैदी वार्ड का है। यहां एक दिन पहले के एक कैदी बीमारी का बहाना बनाकर भर्ती हुआ था। हालांकि, कुछ देर बाद वह उस वार्ड से गायब हो गया। कैदी की खूब तलाश हुई, लेकिन वह नहीं मिला।

पुलिस ने पांच लोगों को किया गिरफ्तार

कैदी के अस्पताल से गायब होने के बाद पुलिस के होश उड़ गए। काफी तलाश करने के बाद कैदी अगल दिन अस्पताल के दूसरे कमरे में मिला। इसके बाद पुलिस ने कैदी, कॉल गर्ल, वार्ड ब्वॉय समेत अस्पताल प्रशासन के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

देश के नए सीडीएस अनिल चौहान ने संभाला पदभार

कहा- चुनौतियों का मिलकर निकालेंगे हल

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को भारत के दूसरे प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) का कार्यभार संभाला। उनके सामने सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों के बीच समन्वय और महत्वाकांक्षी 'थियेटर' कमान के निर्माण का लक्ष्य है, ताकि देश की सेनाओं को भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा सके।

जनरल चौहान सेना की पूर्वी कमान के प्रमुख रह चुके हैं। तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में, भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के निधन के 9 महीने से ज्यादा समय बाद जनरल चौहान ने वरिष्ठतम सैन्य कमांडर का दायित्व ग्रहण किया है। जनरल चौहान ने कहा, 'मैं सेना के तीनों अंगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।' सीडीएस जनरल

अनिल चौहान ने कहा, 'मुझे गर्व है कि आज मैं भारतीय सेनाओं के प्रमुख पद पर कार्यभार संभालने जा रहा हूं। भारत सरकार, तीनों सेनाओं की आशाओं को पूरा करने की कोशिश करूंगा। हमारे सामने सुरक्षा संबंधी जो भी चुनौतियां और मुश्किलें हैं उसको साझा रूप से दूर करने की कोशिश करेंगे।'

चीन मामलों का विशेषज्ञ माने जाते हैं जनरल चौहान

जनरल चौहान को चीन मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। शीर्ष पद पर उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच सीमा को लेकर विवाद बना हुआ है। भारतीय सेना के बेहद अनुभवी और अलंकृत अधिकारी, 61 वर्षीय लेफ्टिनेंट जनरल चौहान रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के तौर पर भी काम करेंगे। वह पूर्वी कमान के प्रमुख के पद से बीते साल 31 मई को रिटायर हुए थे। इसके बाद वह राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के अधीन सैन्य सलाहकार के तौर पर काम कर रहे थे। सीडीएस का कार्यभार ग्रहण करने से पहले जनरल चौहान ने इंडिया गेट पर राष्ट्रीय समर स्मारक पर बलिदानी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्हें रायसीना हिल्स में साउथ ब्लॉक के लॉन पर तीनों सशस्त्र सेनाओं की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

1981 में 11 गोरखा राइफल्स में मिला था कमीशन

जनरल चौहान का जन्म 18 मई 1961 को हुआ था और 1981 में 11 गोरखा राइफल्स में उन्हें कमीशन मिला था। जनरल चौहान 2019 में बालाकोट हमले के दौरान सेना के सैन्य परिचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) थे। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकी हमले के जवाब में भारतीय लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट पर हवाई हमले किये थे और जैश ए मोहम्मद के प्रशिक्षण केंद्रों को बर्बाद कर दिया था। जनरल चौहान ने देश के दूसरे सीडीएस का कार्यभार संभालने के बाद 'फोर-स्टार रैंक' धारण की है। वह ऐसे पहले सेवानिवृत्त अधिकारी बन गए हैं जिन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद चार सितारा रैंक के साथ सेवा में वापसी की।

कमलनाथ बोले- मेरा वोट खड़गे को जाएगा

दिग्गी ने सुबह कमलनाथ को फोन कर बताया वे चुनाव नहीं लड़ेगे

भोपाल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज पीसीसी में बड़ी बात कही है। कमलनाथ ने कहा सुबह 8:30 बजे दिग्विजय सिंह ने मुझे फोन किया और बताया कि में फार्म नहीं भरूंगा क्योंकि खड़गे जी भर रहे हैं। मैं उनके घर जा रहा हूं। मैंने उन्हें बधाई दी। नॉमिनेशन में शामिल होने के सवाल पर कमलनाथ बोले मैं दिल्ली नहीं पहुंच पा रहा हूं। कमलनाथ ने कहा नेतागण मुझसे कह रहे हैं कि आप फार्म भर दो।

मेरा वोट खड़गे को जाएगा- कमलनाथ

दिग्विजय सिंह के कांग्रेस अध्यक्ष के उम्मीदवार खड़गे के प्रस्तावक बनने सवाल पर कमलनाथ बोले साढे. आठ बजे दिग्विजय सिंह के बाद मेरी किसी से बात नहीं हुई। क्योंकि जरूरत नहीं थी। लेकिन मेरा वोट खड़गे जी को जाएगा।

दिग्गी ने मांगे थे प्रस्तावक

नाथ ने कहा मुझसे दिग्विजय सिंह ने कहा था प्रस्तावक दिल्ली पहुंच जाएं तो मैंने गोविंद सिंह से कह दिया था। आप चुनकर जिनको भेजना हो भेज दो। चर्चा बहुत थी पूरी मीडिया में खड़गे जी की चर्चा थी। खड़गे जी ने क्यों और कैसे तय किया ये मैं नहीं जानता। खडगे जी दक्षिण से हैं दक्षिण को प्रतिनिधत्व मिलना चाहिए।

महिला कांग्रेस के प्रियदर्शिनी अभियान की शुरुआत

पीसीसी में कमलनाथ ने प्रियदर्शिनी अभियान की शुरुआत की। इस दौरान पूर्व सीएम कमलनाथ पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा सुरेश पचौरी सहित तमाम नेता पदाधिकारी मौजूद रहे । कमलनाथ ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा सही और ग़लत में पहचाना शुरू कीजिए। बहुत सारे लोग गुमराह करेंगे। आपको फ़िल्टर करना है ये आपकी ज़िम्मेदारी है।

भारत सबसे बड़ी शक्ति आध्यात्मिक शक्ति है। सामाजिक मूल्य को जीवित रखना आपका काम है। आप जिस भी धर्म के हो याद रखना जोड़ने की संस्कृति है। हम हिंदू हैं तो हम गर्व से कहे हम हिंदू है ओर बेवक़ूफ़ ना हो। मुस्लिम हो या कोई और सबसे बड़ी शक्ति ज्ञान है। क्लासरूम ज़रूरी है पर बाहर एक बड़ा क्लासरूम है वो शक्ति देगा। मुझे देश के आगे की पीढ़ी की चिंता है मप्र में घोषणाएं की जाती है, पर काम कुछ नहीं होता।

सास ने बहू और पोते को जलाया

दो माह के बच्चे का खर्च मांगने पहुंची थी महिला, 90 फीसदी झुलसी

ग्वालियर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक सास ने अपनी बहू और पोते को जिंदा जलाने की कोशिश की। हादसे में महिला करीब 90 फीसदी झुलस गई है। वहीं मासूम बच्चा भी बुरी तरह से जल गया है। हादसे के बाद ससुराल वालों ने बहू को अस्पताल में भर्ती कराया और वहां सा भाग गए। पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने सास और पति पर केस दर्ज कर लिया है, हालांकि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। घटना जिले के उपनगर मुरार के सत्यनारायण संतर इलाके की है। जानकारी के अनुसार पीड़िता करिश्मा अपने पति से अलग रहती है, दो महीने पहले उसने बेटे को जन्म दिया है, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते वह बच्चे का लालन-पालन ठीक से नहीं कर पा रही थी, अपनी समस्या लेकर वह गुरुवार को सास से बच्चे के पालन के लिए पैसे मांगने गई थी, जिस पर सास नाराज हो गई और अपने बेटे के सामने ही उसने पेट्रोल डालकर बहू और पोते को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि करिश्मा ने दो साल पहले वासु शिवहरे से इंटर रिलिजन मैरिज की थी। करिश्मा मुस्लिम फैमिली से थी, इसलिए दोनों ही परिवार शादी के लिए तैयार नहीं थे। ससुराल वालों की नाराजगी के चलते उसका पति वासु उसे ससुराल के घर में न रखकर किराए के मकान में रखता था, लेकिन बेटे के जन्म के बाद से वासु ने उसे पैसे देने बंद कर दिए। वह गुरुवार को ससुराल पक्ष के पास मदद मांगने पहुंची थी। उसे उम्मीद थी कि पोते को देखकर उसकी सास मान जाएंगी। लेकिन सास ने वासु के सामने ही पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी, लेकिन वासु ने करिश्मा और अपने मासूम बेटे को बचाने की कोशिश नहीं की। गुरुवार रात सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और करिश्मा के बयान के आधार पर केस दर्ज किया।

कहीं जीवनभर, कहीं 50 साल रहा एक अध्यक्ष

6 दलों में दशकों तक नहीं हुए थे चुनाव

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। खास बात है कि सबसे पुरानी पार्टी में 22 साल बाद चुनाव होने जा रहे हैं। इस दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने पार्टी प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली। फिलहाल, वरिष्ठ नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, शशि थरूर और केएन त्रिपाठी ने शीर्ष पद के लिए दावेदारी पेश कर दी है। हालांकि, अकेले कांग्रेस ही नहीं बीते कुछ दिनों में राजनीतिक गलियारों में पार्टी अध्यक्षों का मौसम सा चल रहा है। गुरुवार को ही समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव लगातार तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष चुने गए। वह साल 2017 से यह जिम्मेदारी संभाव रहे हैं। इससे पहले पार्टी के शीर्ष पद पर उनके पिता मुलायम सिंह यादव साल 1992 से विराजमान थे। हालांकि, भारत की राजनीति में ऐसे कई दल हैं, जिनके अध्यक्ष एक या दो साल नहीं, बल्कि दशकों से नहीं बदले गए हैं।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी)

बिहार के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को पार्टी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। खास बात है वह ऐसा करने वाले एकमात्र नेता था। साल 1997 से लेकर अब तक वह लगातार 12वीं बार अध्यक्ष बने हैं। इस लिहाज से उनका कार्यकाल 25 सालों का हो गया है।

द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके)

साल 1969 से लेकर अगस्त 2018 में निधन तक पार्टी के शीर्ष पद पर रहे। खास बात है कि जुलाई 2018 में ही उन्होंने पार्टी प्रमुख के पद पर 50 साल पूरे किए थे। वह देश के पहले नेता हैं, जो इतने लंबे समय तक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (एआईएडीएमके)

पार्टी के संस्थापक एमजी रामचंद्र के निधन के बाद 1987 से ही सुप्रीमो जे जयललिता पार्टी की महासचिव रहीं। उनका साल 2016 में निधन हो गया था। खास बात है कि सितंबर 2017 में उन्हें 'एटर्नल जनरल सेक्रेटरी' यानी हमेशा के लिए महासचिव कहा गया। हालांकि, फिलहाल पार्टी में नियंत्रण को लेकर तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम और पूर्व उप मुख्यमंत्री एडापड्डी के पलनीस्वामी के बीच तकरार जारी है। साल 2022 में ईपीएस को एआईएडीएमके का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)

महाराष्ट्र के सबसे युवा मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बना चुके शरद पवार इस साल लगातार 8वीं बार राकंपा प्रमुख चुने गए। साल 1999 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी की शुरुआत की थी। तब से ही वह पार्टी के अध्यक्ष हैं। पवार देश के वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं।

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी)

पार्टी की कमान फिलहाल उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती संभाल रही हैं। इस पद पर उन्हें 19 साल हो गए। खास बात है कि पार्टी के संस्थापक कांशीराम भी साल 1984 से लेकर 2003 यानी 19 सालों तक ही बसपा के कप्तान रहे थे।

भारतीय जनता पार्टी में क्या है स्थिति ?

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा में एक अध्यक्ष लगातार दो कार्यकाल तक ही रह सकता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के नाम सबसे लंबा समय तक शीर्ष पद पर बने रहने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अलग-अलग समय पर करीब 10 साल पार्टी की कमान संभाली।

जीवनभर पार्टी अध्यक्ष रहेंगे जगन मोहन रेड्डी

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को जीवनभर के लिए युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वॉयएसआरसीपी) का अध्यक्ष चुना गया है। जुलाई में ही इसकी घोषणा की गई थी। उस दौरान हुए चुनाव में आम सहमति से रेड्डी के जीवनभर के लिए पार्टी चीफ चुना गया था। उनके नाम पर नामांकन के 22 सेट दाखिल हुए थे।

राजद्रोह केस में बंद शरजील इमाम को साकेत कोर्ट से मिली जमानत

सीसीए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन के दौरान दिया था भड़काऊ बयान

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। 2019 में सीएए-एनआरसी के विरोध के दौरान जामिया में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के आरोप में जेल में बंद शरजील इमाम को अदालत ने एक मामले में जमानत दे दी है। इमाम अपने कथित भड़काऊ भाषणों के लिए राजद्रोह के आरोपों का भी सामना कर रहे हैं और जनवरी 2020 से न्यायिक हिरासत जेल में हैं। हालांकि जमानत के बावजूद इमाम को रिहाई नहीं मिलेगी। क्योंकि इमाम पर दिल्ली दंगों को लेकर राजद्रोह का अलग से मुकदमा दर्ज है।इमाम पर आरोप है कि वह दिल्ली दंगों के पीछे कथित मास्टरमाइंड है। जेएनयू के पूर्व छात्र और इस्लामवादी शारजील इमाम को फरवरी 2020 में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दंगों को अंजाम देने में उनकी भूमिका के लिए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपी बनाया गया है।

ज्ञात रहे कि इसी साल 24 जनवरी को कड़कड़डूमा अदालत ने शरजील इमाम के खिलाफ राजद्रोह सहित आईपीसी की कई संगीन धाराओं में आरोप तय कर दिए थे। इसके बाद अदालत ने कहा था कि दिसंबर 2019 में दिए गए भड़काऊ भाषणों के लिए शरजील इमाम को सुनवाई का सामना करना होगा। शरजील पर ये आरोप अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (यूपी) और दिल्ली में जामिया इलाके में दिए गए भाषणों पर लगे हैं।

शरजील इमाम पर आरोप है कि उसने अपने भाषण में असम को देश के बाकी हिस्से से जोड़ने वाले संकरे भूभाग यानी चिकेन नेक क्षेत्र को अलग करने की बात कही थी। शरजील के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अनलॉफुल एक्टिविटी प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) के तहत भी केस दर्ज किया था।

बता दें कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में 16 जनवरी 2020 को शरजील ने जो भाषण दिया था उसके लिए उसपर पांच राज्यों में राजद्रोह का मामला दर्ज हुआ था। इसमें दिल्ली के साथ-साथ असम, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर शामिल था। शरजील को बिहार से गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस ने शरजील के खिलाफ जो आरोपपत्र दायर किया है उसके मुताबिक उसने अपने भाषणों से केन्द्र सरकार के प्रति घृणा, अवमानना और अप्रसन्नता पैदा की थी जिससे लोग भड़के और फिर दिसंबर 2019 में जामिया में हिंसा हुई थी।

हिमाचल में तीन दिन मौसम साफ, 4 अक्तूबर से कई भागों में बारिश के आसार

शिमला, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में तीन दिनों तक मौसम साफ रहने के आसार हैं। आज राजधानी शिमला व आसपास भागों में धूप खिली है, जिससे तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 3 अक्तूबर तक प्रदेश में मौसम साफ रहने की संभावना है। वहीं 4 अक्तूबर से मौसम फिर बिगड़ सकता है। इससे प्रदेश के कई भागों में बारिश की संभावना है। उधर, प्रदेश के ऊना जिला से गुरुवार को मानसून विदा हो गया है। शेष हिमाचल से अक्तूबर के दूसरे सप्ताह के शुरुआत में मानसून के विदा होने का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पाल ने बताया कि मानसून के दौरान जून से सितंबर के दौरान राज्य में कुल 716.7 मिलीमीटर बारिश हुई,जोकि अपनी सामान्य सीमा में है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	कन्या	में
चंद्र-	वृश्चिक	में
मंगल	वृष	में
बुध-	कन्या	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	कन्या	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय

कन्या...	05-13	बजे
तुला-	07-17	बजे
वृश्चिक	09-28	बजे
धनु---	11-41	बजे
मकर-	13-47	बजे
कुंभ-	15-37	बजे
मीन...	17-16	बजे
मेष--	18-52	बजे
वृष--	20-36	बजे
मिथुन..	22-37	बजे
कर्क...	00-49	बजे
सिंह...	03-01	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **- 20-47** तक उपरान्त, सप्तमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष ,शनिवार, **01 Oct**
नक्षत्र - ज्येष्ठा - **03 -11** - दिन-रात तक
योग - आयुष्मान **-19 - 57** - तक उप- सौभाग्य
करण- कौलव - **09 -42** - तक,उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गण्ड मूल नक्षत्र

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:07 से 10:36 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:09 - 07:37	अशुभ	लाभ.	18:04 - 19:34	शुभ
शुभ	07:37 - 09:07	शुभ	उत्पात	19:34 - 21:05	अशुभ
रोग	09:07 - 10:36	अशुभ	शुभ	21:05 - 22:35	शुभ
उत्पात	10:36 - 12:06	अशुभ	अमृत	22:35 - 00:06	शुभ
चंचल	12:06 - 13:35	शुभ	चंचल	00:06 - 01:36	शुभ
लाभ	13:35 - 15:05	शुभ	रोग	01:36 - 03:07	अशुभ
अमृत	15:05 - 16:34	शुभ	काल	03:07 - 04:37	अशुभ
काल	16:34 - 18:01	अशुभ	लाभ	04:37 - 06:09	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा ।कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी। आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं। जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — अनुभव हो सकता है ।ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी। इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है ।अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — अपने वादों का सम्मान करें। आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दु:ख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा। आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी ।आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं आपकी प्रगति तय है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है। आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है। लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा। आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें ।यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते। आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा ।आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे। उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा ।इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें। इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी ।परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — यह समय उन सभी रिश्ते को मजबूत करने का समय है जिनको आपने अपने प्रेम प्रसंग के लिए कुछ पीछे छोड़ दिया था ।इसमें आपके माता पिता, भाई-बहन आपका विस्तारित परिवार और आपके दोस्त शामिल है।आपको यह एहसास करने की जरूरत है की ये रिश्ते किसी भी चीज़ से कम महत्वपूर्ण नहीं हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं ।आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी। लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे ।आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं ।इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी ।आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है। आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं ।आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे ।अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे। इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

मैं डरने वाली महिला नहीं

विधानसभा बैकडोर भर्ती के बाद स्टाफ विवाद पर स्पीकर ऋतु खंडूड़ी

देहरादून, 30 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और विधानसभा में बैकडोर से भर्तियों को लेकर बीते दिनों हुए विवाद के बाद अब विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी के निजी स्टाफ में राज्य के बाहर के लोगों को नियुक्त करने पर विवाद शुरू हो गया है। उनके स्टाफ के कर्मचारियों की सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर लोग स्थानीय की बजाए बाहरियों को नौकरी देने को लेकर सवाल खड़े कर रहे हैं। पिछले दिनों स्पीकर खंडूड़ी ने वर्ष 2016 के बाद विधानसभा में बैकडोर से नियुक्त कर्मचारियों को बाहर करने का साहसिक फैसला लिया। उनके इस फैसले की जमकर सराहना हो रही थी। पर अब खुद उनके ही निजी स्टाफ के कर्मचारियों की एक सूची वायरल हो रही है। इस सूची में अलग-अलग राज्यों के लोगों को उनके स्टाफ में विभिन्न पदों पर दर्शाया गया है। यह सूची सोशल मीडिया पर आते ही बड़ी संख्या में लोग हमलावर हो गए। लोगों ने सूची शेयर करते हुए स्पीकर की मंशा पर सवाल उठाए। लोगों ने कहा कि क्या उत्तराखंड में एक भी ऐसा व्यक्ति नहीं, जिन्हें इन पदों पर तैनात किया जा सकता? देखिए, यह मेरा पर्सनल स्टाफ है। मेरे स्टाफ में पहाड़ के भी लोग हैं लेकिन सूची में उनका नाम नहीं है। कोई नहीं, मैं बचाव भी नहीं कर रही हूं। मैंने जिन लोगों को स्टाफ में रखा है, उनको तीस से चालीस साल का अनुभव है। सरकारी कामकाज के लिए अनुभवी लोग चाहिए। अभी इतना बड़ा काम किया है तो कुछ लोग मुझे भी तो हिट करेंगे। मेरा मन साफ है, मैं कोई घबराने या डरने वाली महिला नहीं हूं। मेरा उद्देश्य राजनीति से ज्यादा समाज सेवा है। खैर, लोगों ने मेरे पिताजी को नहीं छोड़ा तो मेरी क्या हैसियत है। ऋतु खंडूड़ी, विधानसभा अध्यक्ष स्पीकर ऋतु खंडूड़ी ने कहा कि विधानसभा के जिन विभागों में कर्मचारी नहीं हैं उनके लिए सरकार से कर्मचारी मांगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में कर्मियों को हटाने के बाद यह समस्या आनी ही थी, हालांकि पदों की रिस्ट्रक्चरिंग के बाद यह समस्या समाप्त हो जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 1 अक्टूबर, 2022

चुनौतियों से लड़ेंगे चौहान

देश के दूसरे रक्षा प्रमुख यानी सीडीएस के रूप में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान को दायित्व सौंपा गया है। देखा जाए तो जिस तरह की परिस्थितियों से उन्हें सामना करना पडेगा वे कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। रिटायरमेंट से पहले सैन्य मोर्चे पर उन्हें जो भी काम सौंपा गया उसका उन्होंने अपने प्रदर्शन से सम्मान प्राप्त किया। जाहिर है उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन और लंबे अनुभव को देखते हुए ही सरकार ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। फिलहाल वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के सैन्य सलाहकार के तौर पर काम कर रहे थे। अब सीडीएस की नई जिम्मेदारी के साथ वे रक्षा मंत्रालय में सैन्य मामलों के विभाग के सचिव का भी काम देखेंगे और इस पद से जुड़ी कुछ अन्य जरूरी भूमिकाएं भी निभाते रहेंगे। बता दें कि देश के पहले रक्षा प्रमुख यानी सीडीएस जनरल बिपिन रावत का एक हेलिकाप्टर हादसे में असमय निधन हो गया था। इसके बाद इस पद पर नई नियुक्ति में करीब दस महीने बाद अनिल चौहान की नियुक्ति की गई है। इससे इस पद की अहमियत, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भी अंदाजा लगाया जा सकता है। बताना जरूरी है कि अपने चालीस साल के लंबे अनुभवों के दौरान अनिल चौहान को चीन से संबंधित मामलों की विशेषज्ञता तो हासिल है ही, इसके अलावा पर बालाकोट हवाई हमले के दौरान कामयाब अभियान के लिए भी उन्हें जाना जाता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में उग्रवादी और अलगाववादी आंदोलनों के खिलाफ सैन्य अभियानों का भी नेतृत्व किया। उम्मीद की गई है कि अपने लंबे अनुभवों का लाभ वे अपनी नई भूमिका को मजबूत तरीके से निभाने में कामयाब होंगे। आज पूरी दुनिया के हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। लगभग सभी देशों में कुछ न कुछ समस्याएं मुंह बाए खडी हैं जिससे अनायास ही अलग-अलग तरह के तनाव और टकराव आए दिन दिखाई देते हैं। इन हालातों को देखते हुए भारत भी सैन्य मोर्चे पर पूरी मजबूती से डटा रहे यह सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है। बता दें कि अपने देश के पास पहले से ही सेना के तीनों अंगों का एक ऐसा विशाल मोर्चा है, जो हर स्तर पर अपनी अभेद्य ताकत रखता है। लेकिन युद्ध के मोर्चों पर खड़ी हो रही नित नई परिस्थितियों में नए सीडीएस के रूप में अनिल चौहान के सामने सबसे जरूरी काम थल, जल और वायु सेना के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए भारत की सैन्य क्षमता को कई गुना बढ़ाने का होगा। इससे अनिल चौहान अपने एकीकृत नियंत्रण के जरिए संसाधनों का बेहतरीन इस्तेमाल कर सकेंगे। यह काम देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने शुरू किया था, लेकिन अचानक हुए हादसे में उनके निधन के बाद इसके आगे की भूमिका बाकी रह गई थी। नए सीडीएस के सामने एक मुश्किल सी लगने वाली सीमित बजट में सेना के आधुनिकीकरण करने की जिम्मेदारी होगी। उनके लंबे अनुभव और प्रबंध कौशल को देखते हुए उम्मीद की जानी चाहिए कि इसका हल वे आसानी से निकाल लेंगे। अनिल चौहान की इस पद पर नियुक्ति इसलिए भी अहम है कि उन्हें चीन से जुड़े मामलों का विशेषज्ञ माना जाता रहा है। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि पिछले कुछ सालों से चीन की ओर से भारत के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी की जा रही हैं। चीन भारत को उकसाने के साथ ही सीमा पार कर घुसपैठ भी करता रहा है, इसलिए उस पर आसानी से भरोसा करना एक जोखिमभरा काम होगा। दूसरी ओर, पाकिस्तान भी अपनी सीमा पर आतंकियों को शह देने से लेकर घुसपैठ तक कराने में कोई मौका नहीं चूकना चाहता। लेकिन अब उसने ऐसी हरकत की तो उसे दंड देने में चौहान नहीं चूकेंगे। पाकिस्तान की पीठ पर चीन ने हाथ रख रखा है इसलिए उसकी भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे में अगर सीमा पर गतिविधियों के साथ-साथ खासतौर पर चीन के चक्रव्यूह की अच्छी समझ रखने वाली शख्सियत के तौर पर अनिल चौहान अब सीडीएस के रूप में सामने आए हैं तो जाहिर है भारत की सैन्य प्रणाली और मजबूत होगी।

आत्मनिर्भर भारत बनाम रामराज्य

डॉ. शंकर सुवन सिंह

हिन्दू संस्कृति में राम द्वारा किया गया आदर्श शासन रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है। वर्तमान समय में रामराज्य का प्रयोग सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के रूप (प्रतीक) के तौर पर किया जाता है। रामराज्य, लोकतन्त्र का परिमार्जित रूप माना जा सकता है। वैश्विक स्तर पर रामराज्य की स्थापना गांधीजी की चाह थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी शासन से मुक्ति के बाद ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाता है। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। आत्मनिर्भरता स्वतन्त्रता का मूल है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। कहने का तात्पर्य यह है कि रामराज्य वो शासन है जिसमे सभी स्वतंत्र होते हैं। ऐसी स्वतंत्रता जिसमे धर्म और रंग भेद के आधार पर विषमता न पैदा की जाए। यही स्वतन्त्रता गाँधी का रामराज्य कहलाया। गांधी का रामराज्य सत्य और अहिंसा पर आधारित था। गांधी के रामराज्य को व्यवहार में उतारना होगा। सत्य और अहिंसा को आचरण में उतारने की जरुरत है। गांधी की विशेषताओं को रामराज्य का आधार बनाना होगा। रामराज्य लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करता है। हिंदुस्तान संस्कृति और संस्कारों की धरती रही है। यहां २५०० ईसा पूर्व ऋग्वेद की रचना हुई। योग के जनक महर्षि पतंजलि थे। योग हजारों वर्षों पुरानी पद्वति है। आज कल के जनप्रतिनिधि धर्म की आड़ में इन पुरानी संस्कृतियों का दुरूपयोग कर भारतीय संस्कृति को राजनीति का हिस्सा बना दिए हैं। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राजनैतिक पार्टिया वोट को साधने के लिए राम राज्य का सहारा लेती हैं। राम राज्य भगवान् राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान् राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान् राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज राजनैतिक पार्टियों ने भगवान् राम, कृष्ण, हनुमान, मोहम्मद पैगम्बर, ईसा मसीह आदि को वोट बैंक का आधार बना लिया है। अतएव अब राम राज्य का पतन हो चुका है। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीं दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है।

गाँधी, मार्क्स और लोहिया : एक विश्लेषण

रघु ठाकुर

19वीं सदी मार्क्स और गाँधी की सदी है। 19वीं सदी के आरंभ 1917 में मार्क्स के विचारों के आधार पर रूसी तथा 1949 में चीनी क्रांति हुई। तथा 1947 में गाँधी के रास्ते से भारत में सत्ता परिवर्तन हुआ। यद्यपि पूर्णतः गाँधी की कल्पना या विचार के आधार पर नहीं पर जो भी हुआ उसके मूल में गाँधी का विचार, योजना व सत्याग्रह की विशेष भूमिका थी। डॉ. लोहिया की शिक्षा जर्मनी में हुई थी। और उन्होंने मार्क्स को पढ़ा था। यह वह दौर था, जब यूरोप, भारत व एशिया के कई देशों में भी मार्क्स की चर्चा हो रही थी। शिक्षा पूर्ण करने के बाद डॉ. लोहिया भारत आये और आजादी के आँदोलन में शरीक हुये। इसी दौरान वह महात्मा गाँधी के भी संपर्क में आये उनके विश्वासपात्र भी बने और गाँधी की खूबियों को उन्होंने पहचाना। हालांकि डॉ. लोहिया कहते थे कि मैं न मार्क्सवादी हूँ, न गाँधीवादी और न मार्क्स का या गाँधी का विरोधी हूँ। उनके विचार से जो मार्क्स के विचारों का बेहतर पक्ष है उसे स्वीकार करना चाहिये। जैसे वह यह मानते थे कि पूँजीवाद का विकास भ्रम और उसके शोषण से होता है, जो कि मार्क्स के सिद्धान्ति का मूल्य था। परन्तु इसके आगे उनके विषयों पर उन्होंने मार्क्स से असहमति व्यक्त की और जो सही भी है। जैसे मार्क्सवादी लोग जानते थे कि पूँजीवाद का चरम सम्राज्यवाद है। परन्तु लोहिया ने इसका खण्डन करते हुये कहा कि पूँजीवाद और साम्राज्यवाद दोनों साथ चलते हैं और एक दूसरे के पोषक है। ब्रिटिश पूँजीवाद एशिया के देशों में साम्राज्यवाद की लूट से पोषित हुआ था। मार्क्स के सिद्धान्त और समाजवाद के फर्क को भी उन्होंने रेखांकित किया। 19वीं सदी के लगभग मध्य तक भारत के समाजवादी अपने आपको मार्क्सवादी मानते थे और कहते थे कि साम्यवाद - हिंसा त्र समाजवाद, याने अगर मार्क्सवाद से हिंसा को निकाल दिया जाए तो वह समाजवाद हो जाता है परन्तु इस धारणा का शक्तिशाली खण्डन लोहिया ने किया। उन्होंने निम्न प्रश्न उठाये जिनका मार्क्सवाद की ओर से कोई उत्तर न तब मिल सका और बाद में भी नहीं मिल सका। मार्क्स ने कहा था साम्यवादी क्रान्ति सबसे पहले औद्योगिक देशों में आयेगी। क्योंकि वहाँ मजदूरों की संख्या व शक्ति बड़े उद्योगों की वजह से ज्यादा हो गई। परन्तु लोहिया ने सवाल पूँछा कि भारी औद्योगिक देश जर्मनी था, ब्रिटेन था, अमेरिका था, परन्तु साम्यवादी परिवर्तन सर्वप्रथम 1917 में रूस में हुआ जो औद्योगिकरण में बहुत पीछे था। दूसरा साम्यवादी परिवर्तन 1949 में चीन में हुआ और चीन भी औद्योगिक दृष्टि से बहुत पीछे था। याने कहीं न कहीं मार्क्स के सिद्धान्त की स्थापना व निर्णय में त्रुटि रही। इसका उत्तर ट्रोट्स्की ने दिया कि साम्यवादी क्रान्ति वहाँ, जहाँ पूँजीवाद की कड़ी कमजोर थी, याने ट्रोट्स्की का उत्तर एक अर्थ में मार्क्सवाद का खण्डन था। लेनिन ने कहा था कि क्रान्ति वहाँ पहले होगी जहाँ साम्यवादी पार्टी मजबूत होगी। याने यह भी एक प्रकार से मार्क्स के विश्लेषण का खण्डन ही था। मार्क्स ने पूँजी के निर्माण का जो विश्लेषण किया उसे सरप्लस वेल्यू का सिद्धान्त कहा जाता है याने एक श्रमिक जो उत्पादन करता है उसका एक हिस्सा पारिश्रमिक के रूप में श्रमिक के पास चला जाता है परन्तु दूसरा बड़ा हिस्सा पूँजीपति रख लेता है और यह श्रम का अतिरिक्ति मूल्य होता है। इस अतिरिक्त मूल्य के संचय से पूँजी व पूँजीवाद का निर्माण होता है। यह विश्लेषण आंशिक रूप से सही है। परन्तु डॉ. लोहिया ने एक महत्वपूर्ण बात उठाई कि सरप्लस वेल्यू का निर्माण दो स्तर पर होता है एक देश के भीतर और दूसरा दो देशों के अंदर। जब यूरोप के देश के श्रमिक का उत्पादन दूसरे गरीब देशों में जाता है और पूँजीपति उससे जो मुनाफा कमाते हैं वह भी एक प्रकार की सरप्लस वेल्यू है परन्तु मार्क्स इसे नहीं देख पाये, शायद इसलिये कि मार्क्स यूरोप के थे। और इसलिये डॉ. लोहिया यह भी कहते थे कि, मार्क्सवाद एशिया के खिलाफ यूरोप का हथियार है। इस अंतर देशीय अतिरिक्त मूल्य का यह भी प्रभाव होता है कि औद्योगिक देशों के मजदूर सर्वहारा से बढ़कर मध्यवर्ग, और मध्यवर्ग से उच्च मध्यवर्ग बन जाते है तथा उन्हें क्रान्ति आवश्यक नहीं होती बल्कि वह साम्राज्यवादी पूँजीवाद के सहयोगी बन जाते हैं। डॉ. लोहिया ने मार्क्स के इस कथन को कि दुनिया में दो ही जातियां है एक गरीब व दूसरी धनी। भारत देश के संदर्भ में इसे अव्यवहारिक बताया। क्योंकि भारत में जो जातिवाद है वह इतना प्रबल है कि अमीर व गरीब अगर एक ही जाति के हो तो वह एक दूसरे के सहयोगी हो जाते हैं। डॉ. लोहिया ने कहा कि जब तक भारत जैसे देश में जातिवाद है तब तक वर्ग नहीं बन सकता और वर्ग संघर्ष नहीं हो सकता। इसलिये आर्थिक क्रान्ति के साथ-साथ बल्कि उसके पहले सामाजिक क्रान्ति अनिवार्य है, ताकि जाति को मिटाकर वर्ग बनाया जा सके। चूंकि मार्क्सवाद का सिद्धान्त क्रमशः भारी उद्योगों के निर्माण पर निर्भर करता है अतः पूँजीवाद के उत्पादन के साधन और साम्यवाद के उत्पादन के साधन एक जैसे होते है। पूँजीवाद और मार्क्सवाद दोनों के विकास का आधार क्रमशः बढ़ते भारी उद्योग है और इसलिये एक स्तर पर जाकर मार्क्सवाद व पूँजीवाद एकजुट जैसे लगते हैं। जब डब्लू.टी.ओ. के माध्यम से वैश्वीकरण का दौर शुरू हुआ तो दुनिया के अनेक मार्क्सवादी बुद्धिजीवियों ने इसे मार्क्सवाद के सिद्धान्तकी का हिस्सा मानकर समर्थन किया और कहा कि यह क्रम दुनिया को मार्क्सवाद की ओर ले जायेगा परन्तु वैश्वीकरण के परिणाम शोषण और उत्पादन की मालिक शक्तियों के पक्ष में गये। डॉ. लोहिया ने महात्मा गाँधी के ग्राम स्वराज्य और हस्त उद्योग के सिद्धान्त को समयानुकूल बनाते हुये छोटी मशीन के सिद्धान्त का काम किया। उन्होंने कहा कि अगर पूँजीवाद और साम्यवाद के उत्पादन के साधन समान रहेंगे तो समवितरण संभव नहीं है। न देश के अंदर न बाहर। लघु इकाई तकनीक ही उत्पादन के साधनों को बदलती है। और जन उत्पादन तथा समवितरण का माध्यम बन सकती है। डॉ. लोहिया ने समाजवाद को एक नये स्वरूप में और ठोस आधार पर प्रस्तुत किया। उन्होंने जिस भारतीय समाजवाद की कल्पना की वह अपने राष्ट्र की सीमाओं और जरूरतों के अनुकूल था। वह कहते थे कि वामपंथी आर्थिक मामलों में क्रान्तिकारी हैं और बदलाव चाहते हैं। परन्तु राष्ट्रीयता व राज्य की सीमाओं के मामले में वह दक्षिणपंथी हैं। और दक्षिणपंथी राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय सीमाओं के सवाल पर ज्यादा मुखर हैं। याने वामपंथी भी है परन्तु आर्थिक और सामाजिक बदलाव पर दक्षिणपंथी। डॉ. लोहिया ने अपने समाजवादी आँदोलन के दायरे में भारतीय भाषा, भूसा व भवन तीनों में भारतीयता को महत्व दिया और इन्हें अपने संघर्ष व जीवनशैली का आधार बनाया। डॉ. लोहिया ने यह भी प्रश्न उठाया कि क्या साम्यवादी क्रान्ति के बाद सर्वहारा की तानाशाही कभी भी राज्यविहीन समाज का निर्माण कर सकती है। राज्यविहीन समाज और दुनिया की कल्पना मार्क्स ने भी की और गाँधी ने भी की। परन्तु गाँधी ने कभी भी तानाशाही के रास्ते से मनुष्य की या समाज की आजादी न खोजी और न उसकी कोई संभावना देखी। गाँधी तो व्यक्ति को ही इतना उन्नत व आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे कि उसे किसी राज्य की या बाह्य सत्ता की आवश्यकता न पड़े। परन्तु मार्क्स ने साम्यवादी क्रान्ति के बाद एक संक्रमण काल के तौर पर प्रतिक्रान्ति को रोकने के लिये सर्वहारा को तानाशाही का रास्ता बताया। यहाँ गाँधी, लोहिया व भारतीय समाजवाद ज्यादा सही नज़र आते हैं। क्योंकि जहाँ-जहाँ समाजवादी क्रान्तियां हुई वहाँ-वहाँ लोकतंत्र समाप्त हो गया। रूस या चीन इसके सबसे बड़े उदाहरण है। रूस में आज बोल्शेविक क्रान्ति के 105 वर्ष बाद कुरूर व्यक्ति तानाशाही है और चीन में भी लगभग 73 साल के बाद वही स्थिति है। साम्यवाद का प्रश्न था कि रोटी चाहिये या आजादी परन्तु लोहिया ने भारतीय समाजवाद की कल्पना से उत्तर दिया कि हमें रोटी व आजादी दोनों साथ चाहिये और यह दोनों एक साथ हासिल हो सकती है।

विदेशी पर्यटक कैसे आएं भारत

आर.के. सिन्हा

कोरोना का असर कम होते ही देश भर के एयरपोर्ट तथा रेलवे स्टेशनों पर पर्यटकों की भीड़ रहने लगी है। दो-ढाई सालों से घरों में दुबके हुए हिन्दुस्तानी अब बाहर निकल रहे हैं। वे फिर से पहली वाली जिंदगी को जीना चाहते हैं। बेशक, कोरोना ने आम इंसान की सोच को भी बदला है। अब बहुत से लोगों को लगने लगा है कि जीवन तो क्षणभंगुर है। इसलिए जितना जीवन है उसका उतना आनंद तो ले ही लिया जाए। निश्चित रूप से इस सोच के चलते लोग पर्यटन स्थलों पर जा रहे हैं। इससे कोरोना के कारण तबाह हो गया पर्यटन क्षेत्र फिर से खड़ा होने लगा है। इस उद्योग से जुड़े लाखों लोगों की फिर से कमाई चालू हो गई है। पर अब भी भारत में विदेशी पर्यटकों की आवक कायदे से चालू तो नहीं हुई है। कहना न होगा कि कोरोना के कारण विदेशी पर्यटकों ने भी भारत आना बंद ही कर दिया था। इंडिया टुरिज्म स्टटिस्टिक्स की तरफ से हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार, कोरोना के असर से ठीक एक साल पहले साल 2019 में भारत में 1.93 करोड़ विदेशी पर्यटक आए थे। उसके बाद से भारत में विदेशी पर्यटकों के आने का सिलसिला 75 फीसद तक गिरा। उसकी वजह तो समझ आती है। कोरोना की चेन को तोड़ने के लिए सरकार ने बहुत सारे कदम उठाए थे। पर यह भी सच है कि कोरोना के असर के कारण भारत आने वाले पर्यटक बहुत कम हो गए। चूंकि अब हालत सामान्य हो चुके है, इसलिए सरकार और पर्यटन सेक्टर से जुड़े हरेक स्टेक होल्डर को हरचंद कोशिश करनी होगी ताकि भारत में विदेशी पर्यटकों की आवक बढ़े। देखिए, यह तो कहना ही होगा कि हमारे यहां पर जितने महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं, उस लिहाज से हमारे यहां पर्यटक नहीं आते। भारत में ताजमहल, गुलाबी नगरी जयपुर, पहाड़ों की रानी दार्जिलिंग, असीमित जल का क्षेत्र कन्याकुमारी, पृथ्वी का स्वर्ग कश्मीर समेत अनगिनत अहम पर्यटन स्थल हैं। इनके अलावा भारत में भगवान बुद्ध से जुड़े अनेक अति महत्वपूर्ण स्थल हैं। भारत में बुद्ध के जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण स्थलों के साथ एक समृद्ध प्राचीन बौद्ध विरासत भी है। हमें यह सोचना होगा आखिर हम बौद्ध की भूमि होने के बावजूद दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों को आकर्षित करने में अबतक हम क्यों असफल रहे। भारतीय बौद्ध विरासत दुनिया भर में बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत रुचिकर है। कुशीनगर बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। भगवान बौद्ध ने कुशीनगर में महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था। इतना सब कुछ होने के बावजूद हमारे यहां विदेशी पर्यटकों का आंकड़ा सालाना दो करोड़ भी नहीं पहुंचता। बेशक, यह एक गंभीर विचारणीय बिन्दु है। इस पर सबको सोचना ही होगा। कुछ कमी तो हमारी भी है। हमें उन बिन्दुओं पर ठंडे दिमाग से सोचना होगा जिसके चलते हमारे यहां अन्य देशों के पर्यटक भारी मात्रा में कभी नहीं आए। आप गूगल सर्च करके देखेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि हमारे यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों के साथ स्थानीय लोग लूट-खसोट करने से लेकर मारपीट करने तक से पीछे नहीं रहते। यह शर्मनाक है। इस तरह के तत्वों पर संगीन धाराएं लगाकर मुकदमा दर्ज होना चाहिए और कठोरतम दंड की व्यवस्था होनी चाहिये। कुछ साल पहले की बात है जब मुझे मिस्र की राजधानी काहिरा में जाने का अवसर मिला था। मैं वहां पर विश्व प्रसिद्द पिरामिड भी देखने गया था। वे तो खैर अपने आप में अजुबा है ही। सबसे बड़ी बात, जिसने मेरा ध्यान आकृष्ट किया था, वह था वहां पर आए हुए हजारों विदेशी पर्यटक। पिरामिड स्थल के करीब की पार्किंग के पास दर्जनों बसें आ रही थीं। उनमें विदेशी पर्यटक थे। दो बसों में आए पर्यटकों की वेशभूषा को देखकर समझ आ रहा था कि वे भारतीय हैं। मैंने एक बुजुर्ग महिला से पूछा, 'क्या आप भारत से है?' उसने उत्तर दिया, 'हम भारतीय हैं। पर हम केन्या में बसे हुए हैं।' मैंने कभी किसी भी भारतीय पर्यटन स्थल पर इतने विदेश पर्यटक नहीं देखे थे। आप भारत में आगरा से लेकर गोवा और किसी बुद्ध सर्किट की खास जगह पर चल जाइये। आपको विदेशियों की तादाद ही बहुत कम मिलेगी। ये संख्या बढ़ानी होगी। अफसोस होता है कि थाईलैंड और सिंगापुर जैसे छोटे देशों में भारत से ज्यादा विदेशी पर्यटक सैर-सपाटा के लिए पहुंचते हैं। लेकिन, बुद्ध की धरती भारत में थाईलैंड, जापान, साउथ कोरिया, थाईलैंड जैसे देशों के बहुत कम पर्यटक आते हैं। भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों को गोवा जैसा बनना होगा। गोवा सच में एक इस तरह का स्थान है जो सारी दुनिया से पर्यटकों को अपनी तरफ खींच सकता है। वहां पर यूरोपीय भी आते हैं। गोवा हर लिहाज से श्रेष्ठ है। गोवा के समुद्री 'बीच' गजब के हैं। गोवा एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही गोवा वासियों के सुसंस्कृत व्यवहार से लेकर सड़कों पर व्यवस्थित ट्रैफिक को देखकर समझ आ जाता है कि गोवा कुछ हटकर है। आखिर बाकी पर्यटन स्थल गोवा जैसे कब होंगे। इस बीच, अभी अमृतसर में और अधिक विदेशी पर्यटकों को लाया जा सकता है। अमृतसर में ही जलियांवाला बाग भी है। विदेशी पर्यटकों को भारत में लाना इसलिए भी जरूरी है कि इससे हमें विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होगी। फिलहाल स्थिति यह है कि भारत के हर साल हजारों-लाखों नौजवान शिक्षा ग्रहण करने के लिए अन्य देशों में जा रहे हैं। ये मेडिकल से लेकर अन्य विषयों में स्नातक की डिग्री लेने के लिए ही अन्य देशों का रुख करते हैं। स्नातकोत्तर की डिग्री लेने के लिए बाहर जाने वाले अपेक्षाकृत कम ही होते हैं।

हर साल इन विद्यार्थियों के अन्य देशों में जाने के कारण देश की अमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती चली जाती है। इन लाखों विद्यार्थियों के लिए देश को अरबों रुपया अन्य देशों को देना पड़ता है विदेशी मुद्रा में। भारतीय विद्यार्थी अमेरिका, कनाडा आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया, यूक्रेन और चीन तक में भी चले जा रहे हैं।

क्यों उड़ी चीन में तख्तापलट की अफवाह

हाल में चीन में तख्तापलट को लेकर कई अफवाहें सामने आईं। इन अफवाहों में यह था कि चीन के राष्ट्रपति शी चिन फिंग जब समरकंद में हुई एससीओ समिट से लौटे तो उनको बंदी बना लिया गया। उस बीच काफी सारे ट्वीट ऐसे भी आए, जिनमें विडियो के जरिए दिखाया जा रहा था कि चीन की राजधानी में सेना का भारी मूवमेंट हो रहा है, सड़कों पर टैंकों के साथ सैनिक चल रहे हैं। सोशल मीडिया पर चल रही रही इन अफवाहों को लेकर चीन ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसके चलते ऐसा भ्रम पैदा हुआ कि चीन में वाकई तख्तापलट हो चुका है। यह मामला और भी उलझा क्योंकि इसमें एक और बात यह थी कि खुद शी चिन फिंग न तो कोई पब्लिक मीटिंग में जा रहे थे और न कहीं दिख रहे थे।

इन अफवाहों को चीन में होने वाले राजनीतिक डिवेलपमेंट्स से भी हवा मिली। हमें देखना होगा कि पिछले कुछ दिनों में चीन की राजनीति में क्या हुआ और आने वाले कुछ दिनों में क्या होने जा रहा है:

महीने भर बाद चीन में कम्युनिस्ट पार्टी का अधिवेशन (नैशनल पार्टी कांग्रेस) होने जा रहा है। इसे ऐसे समझें कि लोकतांत्रिक देशों में चुनाव होते हैं और जो भी लीडरशिप सत्ता में होती है, उसकी जगह नई लीडरशिप आती है। मगर चीन में तो चुनाव होते नहीं। इसी नैशनल पार्टी कांग्रेस में वहां नया नेता चुना जाता है और फिर उसे दस साल का टर्म मिलता है। इस टर्म के बाद वह अपनी पूरी कैबिनेट, जिसे पोलित ब्यूरो कहते हैं, उसके साथ रिटायर होते हैं और एक नया शासक आ जाता है। यह नैशनल पार्टी कांग्रेस 16 अक्टूबर से शुरू हो रही है।

तख्तापलट की अफवाह से पहले वहां कायदे-कानून और सुरक्षा मामलों से जुड़े छह वरिष्ठ अधिकारियों को सजा सुनाई गई थी। इसमें सार्वजनिक सुरक्षा के पूर्व उप-मंत्री सुन लिजुन भी शामिल थे, जिन्हें मौत की सजा मिली है। पूर्व न्याय मंत्री फू झेंगहुआ और वांग लाइक जिआंगसु में राजनीतिक और कानूनी मामले देखते थे, उन्हें भी सस्पेंडेड डेथ की सजा मिली है।

चीनी मीडिया रिपोर्टें बताती हैं कि सुन लिजुन ने लगभग दो दशकों में भ्रष्ट सौदों के जरिए 9.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर जमा किए, जबकि फू और वांग ने 1.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर और 6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत ली। अब शंघाई, चोंगकिंग और शांक्सी प्रांत के पूर्व पुलिस प्रमुख- गोंग डाओआन, डेंग हुइलिन और लियू जिन्युन भी भ्रष्टाचार और सुन लिजुन से अपने संबंधों के लिए एक दशक से अधिक समय जेल में बिताएंगे।

मगर उनको यह सजा भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि राजनीतिक क्रियाकलापों को लेकर सुनाई गई है। सुन लिजुन पर आरोप है कि वह पार्टी के सीनियर लोगों और पोलित ब्यूरो के मेंबरों की निगरानी करते थे। सुन ली का लिंक चीन की बड़ी टेक कंपनी टेनसेंट से भी रहा है।

देश की सामर्थ्य के लिए चाहिए भाषाओं का पोषण

गिरीश्वर मिश्र

भाषा मनुष्य जीवन की अनिवार्यता है और वह न केवल सत्य को प्रस्तुत करती है बल्कि उसे रचती भी है। वह इतनी सघनता के साथ जीवन में घुलमिल गई है कि हमारा देखना-सुनना, समझना और विभिन्न कार्यों में प्रवृत्त होना यानी जीवन का बरतना उसी की बदौलत होता है। जल और वायु की तरह आधारभूत यह मानवीय रचना सामर्थ्य और संभावना में अद्भुत है। भारत एक भाग्यशाली देश है जहां संस्कृत, तमिल, मराठी, हिंदी, गुजराती, मलयालम, पंजाबी आदि जैसी अनेक भाषाएँ कई सदियों से भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन संघर्षों को आत्मसात करते हुये अपनी भाषिक यात्रा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। भाषाओं की विविधता देश की अनोखी और अकूत संपदा है जिसकी शक्ति कदाचित तरह-तरह के कोलाहल में उपेक्षित ही रहती है। इन सबके बीच व्यापक क्षेत्र में संवाद की भूमिका निभाने वाली हिंदी का जन्म एक लोक-भाषा के रूप में हुआ था। वह असंदिग्ध रूप से एक समृद्ध लोक भाषा थी जिसमें न केवल आम जन बोलते थे बल्कि खुसरो, सूर, कबीर, विद्यापति, तुलसी, जायसी, मीरा, रैदास, रहीम, रसखान और जाने कितने ही महान कवियों ने ऐसा अमर साहित्य रचा जो समय बीतने के साथ भी अर्थवत्ता में निरंतर ताजा बना रहा। 'भाखा' वाला उनका काव्य एक साथ ग्रामीण आम जन से लेकर निपुण साहित्यकार तक सबके लिए अजस्र रस का स्रोत बना रहा और उसको सबने अपनाया।

वह सुर-सरि 'गंगा' की भांति सबको रसार्द्र करने वाला बन गया। परन्तु भाषा स्वभाव से ही समय-सन्दर्भ में परिचालित होती है। वह विभिन्न प्रभावों को आत्मसात करते हुए रूप बदलती रहती है। समय बदला और अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मैथिली आदि विविध छवियों वाला समृद्ध 'लोक' खिसक कर अनौपचारिक परिधि पर चला गया और ठेठ खड़ी बोली औपचारिक केंद्र में आकर व्यवहार और साहित्य में काबिज हुई। 'भाषा' का युग आया और 'भाखा' बोली हो गई पर इनके बीच कोई दुराव और वैमनस्य नहीं था। हिन्दी देश के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुई और जन-संवाद के सभी रूपों में भारत और भारतीयता को सुदृढ़ करती रही भाषा को संवैधानिक दर्जा मिला और उसके प्रयोग क्षेत्र का विस्तार होता रहा। तथापि सत्ता की भाषा अँग्रेजी के आगे उसे ठिठकना पड़ा। अंग्रेजों के जाने के बाद भी औपनिवेशिक मानसिकता टिकी रही क्योंकि नौकरशाही को उसका अभ्यास हो चुका था और निहित हित के चलते उसकी श्रेष्ठता की पैरवी भी कई-कई कोनों से होती रही। स्वराज का स्वाभिमान, दायित्व और गौरव 'इन्डिपेन्डेन्स' के अर्थ में जो स्वच्छंदता का रूप लेने लगा प्रतिफलित होने लगा। परिणाम यह हुआ कि हिंदी, जो एक व्यापक जन समुदाय कि भाषा थी, सारे देश को जोड़ने वाली थी अपनी सामर्थ्य , सम्मान और प्रसार को नहीं पा सकी और उसके साथ ही हिंदी भाषी जन भी उपेक्षा के शिकार हुए। भाषा के प्रति कामचलाऊ नजरिये ने लगातार समाज को देश की पहचान करने, उसके साथ जुड़ने और संस्कृति के प्रवाह में शामिल होने, भारत भाव को अपनाने की दृष्टि से कमजोर किया। भाषा को लेकर भेदभाव का विषय उलझता गया और राजनीति के स्वार्थ के बीच भारतीय भाषाएँ अँग्रेजी की तुलना में न केवल अधिकारहीन होती गईं बल्कि आपस में भी उलझ गईं। शिक्षा के माध्यम के सवाल को मुल्तबी रखा गया और अंग्रेजी के वर्चस्व को अक्षुण्ण रखा गया। ज्ञान, विज्ञान, नीति आदि के क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं में विचार दृष्टि से की क्षमता बढ़ाने की कोशिशें सतही बनी रहीं। इन सब चुनौतियों के बावजूद हिंदी की चेतना विस्तृत होती रही। आज हिंदी की भूमिका ज्ञान, कला-कौशल और सामाजिक जीवन के संयोजन आदि में कितनी प्रभावी है यह सुविदित है। उसे रेखांकित करने के लिए भारत और विदेश में अनेक स्तरों पर प्रयास चलते रहे। अनेक प्रकार के उपक्रम राष्ट्रीय स्तर पर होते रहे। हिंदी के व्यापक परिदृश्य को आकार देते हुए विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन एक केंद्रीय घटना के रूप में उभरा। इसकी जीवन यात्रा वर्ष 1975 में नागपुर, भारत में आरंभ हुई थी जब श्री अनंत गोपाल शेवड़े की संकल्पना सफल हुई। तब इस आयोजन में मॉरिशस के यशस्वी जननायक सर शिवसागर राम गुलाम और भारत की प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी भी ने भी शिरकत की थी।

11वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन मॉरिशस की धरती पर आयोजित हुआ था। इस बीच की अवधि वैश्विक स्तर पर अनेक परिवर्तनों की साक्षी रही है। आर्थिक-राजनैतिक मोर्चों पर नए समीकरण उभरे हैं और सहयोग के नए आयाम भी उद्घाटित हुए हैं।

देवी मां के लिए व्रत-उपवास या पूजा नहीं कर पा रहे हैं तो छोटी कन्याओं को पढ़ाई से जुड़ी चीजें दान करें

छोटी कन्याएं होती हैं देवी मां का स्वरूप

श्रीमद्देवीभागवत महापुराण के तृतीय स्कंध में लिखा है कि दो वर्ष की कन्या कुमारी, तीन साल की कन्या त्रिमूर्ति, चार साल की कन्या कल्याणी, पांच साल की कन्या रोहिणी, छः साल की कन्या कालिका, सात साल की कन्या चंडिका, आठ साल की कन्या शांभवी और नौ साल की कन्या दुर्गा का रूप होती है।

दस साल की कन्या को सुभद्रा कहते हैं। देवी का स्वरूप होने से छोटी कन्याओं की पूजा की जाती है और उन्हें भोजन कराया जाता है। भोजन के बाद कन्याओं को दान-दक्षिणा भी दी जाती है।

जो लोग नवरात्रि में देवी पूजा नहीं कर पा रहे हैं, वे लोग जरूरतमंद कन्याओं को पढ़ाई की चीजें दान करें। कन्याओं को जूते-चप्पल, कपड़े, अनाज और धन का दान भी करें। कन्याओं के लिए किए गए इन धर्म-कर्मों से भी देवी पूजा के समान ही पुण्य मिल सकता है।

नवरात्रि में ये बातें भी ध्यान रखें

घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। घर की पवित्रता बनाए रखना चाहिए।

इन दिनों में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

आलस का त्याग करें। सुबह जल्दी उठें।

सभी प्रकार के नशे से दूर रहें। मांसाहार न करें। संतुलित आहार लें। माता-बहन के साथ ही अन्य महिलाओं का सम्मान करने का संकल्प लें।

नवरात्रि में घर पर कर लें ये खास उपाय

हमेशा प्रसन्न रहेंगी मां दुर्गा और देवी लक्ष्मी

हिंदू पंचांग के अनुसार 26 सितंबर से शारदीय नवरात्रि प्रारंभ होने जा रही है। नवरात्रि का पर्व नौ दिनों तक मनाया जाता है। इस बार नवरात्रि का समाप्ति 5 अक्टूबर को होगी। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस दौरान भक्त नौ दिनों तक व्रत रखते हैं। माना जाता है कि नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। वहीं कुछ उपाय ऐसे हैं जिन्हें करने से मां दुर्गा और मां लक्ष्मी हमेशा प्रसन्न रहती हैं और भक्तों पर अपना आशीर्वाद बनाए रखती हैं। आइए जानते हैं कि वे उपाय कौन-कौन से हैं।

- नवरात्रि के दौरान मां लक्ष्मी और मां दुर्गा के मंदिर में जाकर दर्शन जरूर करने चाहिए। साथ ही एक लाल कपड़े में थोड़ा-सा केसर, हल्दी और चावल को बांधकर मां को अर्पित करना चाहिए। इसमें से एक चावल घर लेकर आएं और धन रखने वाली जगह पर छिड़क दें।
- नवरात्रि शुरू होने से पहले ही घर के मुख्य द्वार पर आम या अशोक के पत्तों का बंदनवार लगाएं। ये काम पूजा करने से पहले जरूर करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन पत्तों का बंदनवार लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- नवरात्रि के दौरान पूरे नौ दिन एक तांबे के लोटे में जल भरकर उसमें गुलाब की पत्तियां और इत्र डालकर घर के मुख्य द्वार पर रखें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और घर की आर्थिक तंगी भी दूर होती है। साथ ही मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं।
- वैसे तो घर के दरवाजे पर स्वास्तिक चिन्ह बनाना शुभ माना जाता है लेकिन नवरात्रि शुरू होने से पहले विशेष तौर पर घर के मुख्य दरवाजे पर स्वास्तिक का चिन्ह जरूर बनाना चाहिए। चिन्ह बनाने के बाद इस पर हल्दी मिला हुआ जल अर्पित करें।
- नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के कदमों के चिन्ह बनाएं। मां के पैरों के निशान बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि ये घर के अंदर की तरफ जाते हुए होना चाहिए। आजकल मां के पैरों के निशान वाले स्टीकर भी बाजार में मिल जाते हैं।

नवरात्रि में चेतना पर चिंतन जरूरी

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर

हम यह जानते हैं कि देवी ने किस प्रकार से भैंसे (महिषासुर) का नाश किया था। यहां पर भैंसा धूम्रलोचन है (महिषासुर के समान आलसी,जिसकी आंखों पर छोटी मानसिकता के बादल छाए हुए हैं) ।केवल देवी ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश की सामूहिक ऊर्जा के साथ इस भैंसे का नाश कर सकती हैं।जिस प्रकार से एक बच्चा जन्म लेने के लिए नौ महीने का समय लगाता है,उसी प्रकार से देवी नौ दिन का विश्राम देती हैं और दसवें दिन विशुद्ध प्रेम और भक्ति का जन्म होता है,जिसके द्वारा देवी आलस्य और सुस्ती के भैंसे पर विजय प्राप्त करती हैं।नवरात्रि आत्म मंथन एवममन को स्रोत में वापस लाने का समय है।देवी मां के ६४ संवेग हैं,जिनका सूक्ष्म जगत पर आधिपत्य है।जो सभी प्रकार के भौतिक एवम् आध्यात्मिक लाभ प्रदान करती हैं।ये संवेग जागृत चेतना का अंश हैं।इन नौ रात्रि में उन दिव्य संवेगों को फिर से जगाने और अपने जीवन की अंतर्तम गहराई का उत्सव मनाया जाता है।

आप अपने स्रोत में किस प्रकार से वापस जाते हैं?उपवास,प्रार्थना,मौन और ध्यान के द्वारा एक साधक अपने स्रोत में वापस आता है। उपवास शरीर का शुद्धिकरण एवम् निर्विषीकरण करता है और आपके पाचन अंगों को थोड़ा विश्राम प्रदान करता है।मौन से भाषा की शुद्धि होती है और लगातार बड़बड़ाने वाले मन को विश्राम मिलता है और ध्यान व्यक्ति को अपने अस्तित्व की गहराई में ले जाता है।

इन नौ दिनों में हम तीन मौलिक गुणों का भी अनुभव करते हैं,जिससे मिलकर यह ब्रह्माण्ड बना है।ये तीन गुण हमारे जीवन को शासित करते हैं।हम इन गुणों को पहचान करकर उन पर मंथन करते हैं।नवरात्रि के पहले तीन दिन तमोगुण,अगले तीन दिन रजोगुण और अगले तीन दिन सतोगुण को दर्शाते हैं।हमारी चेतना तमोगुण और रजोगुण में रहती है और फिर अंतिम तीन दिनों में सतोगुण में खिल जाती है।जब जीवन में सत्व प्रभावी होता है,तो विजय प्राप्त होती है।विजयादशमी के दसवें दिन इस ज्ञान के सार को सम्मान देते हुए उत्सव मनाया जाता है। धार्मिक संस्कारों का आरंभ गणेश जी,शुभ मंगल दाता की आराधना के द्वारा किया जाता है।फिर हम नवग्रह होम करते हैं ,जो नौ ग्रहों को तुष्टि प्रदान करता है।ये नौ ग्रह जीवन के नौ आयामों को प्रभावित करते हैं।यह होम ग्रहों के नकारात्मक प्रभावों को नष्ट करता है।सुदर्शन होम के द्वारा अज्ञान का नाश होता है और ज्ञान से परिपूर्ण नए जीवन का आरंभ होता है।इसका सार यह है कि जब भक्त कष्ट में होता है,तब भगवान सुदर्शन अपने भयंकर रूप में प्रकट होते हैं और भक्त की रक्षा करते हैं।

अष्टमी का दिन नवरात्रि में हुए सभी होम की चरम सीमा को दर्शाता है। चंडी होम आंतरिक जगत एवम् भौतिक संसार में विकसित होने में आने वाले अवरोधों को दूर करता है।देवी दुर्गा का महिमागान करते हुए ७०० श्लोकों का उच्चारण किया जाता है।देवी की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक श्लोक का उच्चारण करते समय यज्ञ कुंड में १०८ बार अर्पण किया जाता है।चंडी होम समस्त सृष्टि में दिव्यता को पहचानना है।

नवरात्रि के नौवें दिन होने वाले ऋषि होम में भूतकाल,वर्तमान और भविष्य में आने वाले ऋषि मुनियों का सम्मान किया जाता है। हमारे ऋषि मुनियों ने स्थूल संसार को सूक्ष्म संसार से जोड़ने के लिए इस सारी प्रक्रिया एवम् ज्ञान तंत्र की पहचान की,जिसमें जीवन का प्रत्येक पहलू अंतर्निहित एवम् सम्मानित है।इसे यज्ञ कहा जाता है।

इन नौ दिनों के दौरान कई यज्ञों का आयोजन किया जाता है।हमें इन होने वाली सभी पूजाओं और अनुष्ठानों का अर्थ समझने की आवश्यकता नहीं है।हमें केवल अपने हृदय और मन को खोलकर रखना है और वातावरण में उत्पन्न होने वाली तरंगों का अनुभव करना है।मंत्रोच्चारण के साथ साथ होने वाले धार्मिक संस्कारों और प्रथाओं के द्वारा हमारी चेतना का शुद्धिकरण एवम् उत्थान होता है।समस्त सृष्टि सजीव हो जाती है और हम हर एक चीज में मौजूद जीवन को पहचानने लगते हैं,जैसे कि बच्चे हर एक चीज को सजीव समझते हैं।

नवरात्रि के इन नौ दिनों में आपका मन दिव्य चेतना में डूब जाना चाहिए।जिस प्रकार से जन्म से पहले बच्चा नौ महीने तक मां के गर्भ में रहता है,उसी प्रकार से इन नौ दिन और नौ रातों में एक साधक को अपने भीतर जाना चाहिए और अपने स्रोत का स्मरण करना चाहिए।अपने आप से यह प्रश्न पूछें, मेरा जन्म कैसे हुआ? मेरा स्रोत क्या है? आपको अपनी चेतना पर चिंतन करना चाहिए।इन नौ दिनों के उत्सव का अर्थ एक व्यक्ति को अपने भीतर ले जाना और उसका उत्थान करना है।

पहली फसल देवी को अर्पित करने के भाव से बोए जाते हैं जौ, लक्ष्मी और शक्ति का रूप होता है ये धान

अन्न के सम्मान का संदेश

नवरात्रि में जौ बोने की इस परंपरा के पीछे तर्क यह है कि सृष्टि के शुरुआत में जौ ही सबसे पहली फसल थी। जौ बोने की ये प्रथा हमें सीख देती है कि हम हमेशा अपने अन्न और अनाज का सम्मान करें। इस फसल को हम देवी को अर्पित करते हैं। इस जौ (जवारे) को उगाया जाता है। पूजा घर में जमीन पर जौ को बोते समय मिट्टी में गोबर मिलाकर मां दुर्गा का ध्यान करते हुए जौ बोए जाते हैं।

जवारों से जुड़ीं 3 खास बातें

1. दुर्गा पूजा में जौ तेजी से बढ़ते हैं तो ये घर में सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत होता है।
2. इसे हवन के समय देवी-देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। इनका मुरझाना और ठीक से न बढ़ना अशुभ माना जाता है।
3. नवरात्रि के दौरान होने वाली कलश स्थापना के समय उसके नीचे मिट्टी रखकर जल एक लोटा चढ़ाने का महत्व है।
4. जौ बोने के पीछे पौराणिक वजह या धार्मिक मान्यता ये भी है कि अन्न ब्रम्हा है। इसलिए अन्न का सम्मान करना चाहिए।
5. पूजा घर में जमीन पर जौ को बोते समय मिट्टी में गोबर मिलाकर मां दुर्गा का ध्यान करते हुए जौ बोए जाते हैं।

कात्यायनी

देवी का छठा स्वरूप

कात्यायन ऋषि ने देवी को प्रसन्न करने के लिए तप किया और देवी से वर मांगा कि वे उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लें। बाद में देवी ने ऋषि के यहां जन्म लिया। कात्यायन ऋषि की पुत्री होने से देवी को कात्यायनी कहते हैं।

भोग *- देवी कात्यायिनी को शहद का भोग लगाना चाहिए।*

संदेश *- देवी कात्यायनी सेहत का महत्व बताती हैं। हमें अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए, तभी जीवन का आनंद ले पाते हैं।*

भभुआ के मुंडेश्वरी माता मंदिर में अनोखी बलि

बिहार के मुंडेश्वरी माता मंदिर में खासी भीड़ है। जिनकी मन्नतें पूरी हुई हैं वो लोग अपने साथ बलि के लिए बकरे भी लाए हैं। नवरात्रि में यहां मन्नतें उतारने के लिए बलि दी जाती हैं। श्रद्धालु माता के जयकारे के साथ गर्भगृह में पहुंचे। एक ने अपने साथ लाए बकरे को बलि के लिए पंडित को दिया।

अब बलि होनी है। पंडित ने बकरे को उठाया, लेकिन वो छटपटा रहा है। पंडित जी ने जोर लगाकर उसे उठाया और बलि के लिए माता के सामने रखा। कुछ मंत्र बुदबुदाए, जोर से माता का जयकारा लगाया, सारे श्रद्धालुओं ने भी जयकारा लगाया। बकरे को माता के चरणों में लिटाया गया। पंडितजी लगातार मंत्र पढ़ रहे हैं। कुछ सेकेंड्स ही गुजरे और बकरा बेहोश हो गया।

कुछ मिनट ऐसे ही पड़ा रहा जैसे एकदम गहरी नींद में हो। फिर पंडित जी ने माता का जयकारा लगाया। मूर्ति को छूकर एक हार लिया, मंत्र पढ़ा और बकरे पर जोर से फेंका। बेहोश पड़ा बकरा जाग गया। पंडितजी ने उसे उठाया और उस श्रद्धालु को लौटा दिया, जो उसे लेकर आया था। हो गई बलि। ना बकरे की गर्दन काटी गई, ना कोई खून की धार चली।

ये अनोखी बलि है बिहार के भभुआ के मुंडेश्वरी माता मंदिर की। ये पटना से 200 किमी दूर है। ये मंदिर इसलिए भी खास है क्योंकि ये स्ट्रक्चर के लिहाज से देश में माता का सबसे पुराना मंदिर है। इसे 5वीं शताब्दी के आसपास का माना जाता है। यहां बकरे की जान नहीं ली जाती। बस मंत्रों से कुछ देर के लिए बेहोश कर दिया जाता है। मुंडेश्वरी माता मंदिर काफी टूटा-फूटा है। मुगल काल में इस मंदिर पर कई बार हमले हुए थे।

600 फीट की ऊंचाई पर है मां मुंडेश्वरी का मंदिर

कैमूर जिले के भभुआ मुख्यालय से करीब 14 किलोमीटर की दूरी पर भगवानपुर ब्लॉक स्थित रामपुर पंचायत में पंवरा पहाड़ी पर है। ये पहाड़ी 600 फीट की ऊंची है। नीचे से मंदिर जाने के दो रास्ते हैं। पहला सीढ़ियों से, दूसरा घुमावदार सड़क, जो 524 फीट की उंचाई तक जाती है।

दो साल के कोरोना काल के बाद इस नवरात्रि पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ रही है। नवरात्रि में बड़ी संख्या में यहां श्रद्धालु बलि के लिए बकरे लेकर आते हैं। घंटों इंतजार करते हैं। तब बलि हो पाती है।

चरणों में लिटाते ही मूर्छित हो जाता है बकरा

मंदिर आने वाले श्रद्धालु मन्नत रखते हैं। जब उनकी मुराद पूरी हो जाती है तो बकरे की बलि देने आते हैं। मंदिर के पुजारी पिंटू तिवारी के अनुसार, सबसे पहले हवन कुंड पर मन्नत पूरी होने वाले श्रद्धालु का संकल्प कराया जाता है। वहां पर परिवार के लोगों के साथ ही बकरा भी होता है।

कई भक्त ऐसे होते हैं जो बलि देने के बाद बकरे को छोड़ देते हैं। जबकि, कुछ घर ले जाकर उसकी बलि देते हैं फिर प्रसाद के रूप में उसे खाते हैं। यह बलि प्रथा कब से शुरू हुई, इसकी कोई जानकारी यहां किसी को नहीं है।

सदियों से चली आ रही है रक्तहीन बलि की प्रथा

पुजारी पिंटू तिवारी बताते हैं कि इस मंदिर का इतिहास ऐसा है कि इसके बारे में कोई सही सही जानकारी नहीं दे पाएगा। अभी सिर्फ पहाड़ी पर मंदिर का गर्भगृह है। जबकि पहले कभी यहां चारों तरफ मंदिर बने थे। बड़ा स्ट्रक्चर था। इसे मुगल शासकों ने तोड़ा था। इसके अवशेष आज भी यहीं पड़े हैं।

मंदिर को लेकर लोगों में आस्था का आलम ये है कि कई लोग अपनी मन्नतें पूरी होने पर दंडवत करते हुए आते हैं। कई लोग पूरी पहाड़ी पर ऐसे ही चढ़ाई करते हैं।

देवी ने पहाड़ी पर किया था असुर का वध

मान्यता के अनुसार, यहां चंड और मुंड नाम के दो असुर रहा करते थे। ये लोगों को प्रताड़ित करते थे, जिनकी पुकार सुन मां धरती पर आया और दोनों असुरों का वध किया। माता ने सबसे पहले चंड का वध किया। यह देख मुंड मां से युद्ध करते हुए इसी पहाड़ी पर छिप गया। पर देवी मां ने इस पहाड़ी पर पहुंच कर मुंड का भी वध किया। इसी के बाद से यह जगह माता मुंडेश्वरी देवी के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

नागा शैली में बनी है मंदिर

मां मुंडेश्वरी मंदिर न्यास समिति के कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण बताते हैं कि 635 ईसा पूर्व जब इलाके के चरवाहे पहाड़ियों पर आते थे, उसी दरम्यान यह मंदिर देखा गया। मंदिर को जिस डिजाइन में बनाया गया, वो नागा शैली में है। ये शैली सदियों पुरानी है। उस वक्त किसका शासनकाल था, इस बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं।

9 साल बाद जिया मर्डर केस पर सूरज पंचोली ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस जिया खान की मौत को 9 साल बीत चुके हैं लेकिन अब तक एक्ट्रेस की मौत को लोग भूला नहीं पाए हैं। जिया मर्डर केस में उनके बॉयफ्रेंड और एक्टर सूरज पंचोली का नाम सामने आया था। एक्ट्रेस की मां राबिया ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा था कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की थी उनकी बेटी की हत्या की गई थी, लेकिन पुलिस इसे आत्महत्या बता रही है, उनकी इस याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इतने सालों बाद आखिरकार अभिनेता सूरज पंचोली ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों पर चुप्पी तोड़ दी है।

बता दें कि राबिया खान की दोबार जांच याचिका को खारिज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा कि राबिया जिया की मौत को हत्या बताकर केस को खींचने की कोशिश कर रही हैं। राबिया हमेशा से ही अपनी बेटी की मौत का जिम्मेदार दिग्गज एक्टर आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली को ही मानती है।

दरअसल, हाल ही में सूरज पंचोली एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि जिया की मां राबिया खान उनपर झूठा आरोप लगा रही थी। उन्होंने कहा, 'केवल मुझे पता है कि मैं इन सभी सालों में क्या कर रहा हूं। मेरे मन में बहुत सम्मान है और मैंने हमेशा जिया के परिवार के प्रति अपनी गरिमा बनाए रखी है। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार और मैं दोनों की निष्पक्ष सुनवाई हो और मैं प्रार्थना करता हूं कि यह जल्द ही ये सब खत्म हो।'

बता दें कि जिया खान ने महज 25 साल की उम्र में 3 जून 2013 को उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। हालांकि, एक्ट्रेस की मौत आज भी एक रहस्य बनी हुई है जो सुलझ नहीं पाई। एक्ट्रेस जिया खान की खुदकुशी के बाद उनकी मां राबिया ने उनके ब्वॉयफ्रेंड और एक्टर सूरज पंचोली पर हत्या का मामला दर्ज कराया था। इस आरोप के चलते सूरज को जेल जाना पड़ा था।

तापसी पन्नू को चैट शो में नहीं बुलाने के पीछे ये है बड़ी वजह : करण जौहर

बॉलीवुड के फेमस फिल्म मेकर करण जौहर का चैट शो कॉफी विद करण सीजन 7 किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में छाया हुआ है। बॉलीवुड से लेकर टॉलीवुड स्टार्स तक करण के चैट शो में अपनी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ के बारे में कई खुलासे करते नजर आए है। हर हफ्ते नए सितारे बतौर गेस्ट शो में आते है। वहीं अब इस सीजन के आखिरी एपिसोड में करण अपने शो तापसी पन्नू को नहीं बुलाने पर जवाब देते नजर आए हैं।

दरअसल, कॉफी विद करण सीजन 7 के आखिरी एपिसोड में मीडिया इन्फ्लूएंसर दानिश सैत, तन्मय भट्ट, निहारिका एनएम और कुशा कपिला ज्यूरी की भूमिका निभाते हुए नजर आए। वहीं इस दौरान इन सभी ने करण जौहर से भी कई मजेदार और तीखे सवाल पूछे। इस लास्ट एपिसोड में करण खुद के ही शो में आलिया भट्ट से लेकर तापसी पन्नू से जुड़े कई सवालों के जवाब देते दिखे। फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर कुशा कपिला ने करण से पूछा, 'पिछले दो सालों में अहम सफलता हासिल करने वाले कई एक्टर्स को अभी तक कॉफी विद करण में नहीं बुलाया गया है। इन्हीं में से एक हैं तापसी पन्नू। क्या शो में बुलाने के लिए कोई जांच प्रक्रिया है?' कुशा के इस सवाल पर करण ने कहा, 'यह 12 एपिसोड का शो था, जिसमें आपको कॉम्बिनेशन चाहिए होता है। इसी के साथ करण ने आगे कहा, "मैं तापसी से बस इतना ही कहना चाहता हूं कि हम एक कॉम्बिनेशन पर काम करेंगे और जब मैं उन्हें शो के लिए बुलाऊंगा और उन्होंने मुझे मना कर दिया, तो मुझे दुख होगा" बता दें कि कुछ वक्त पहले एक्ट्रेस से जब काफी विद करण में न बुलाने को लेकर पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा था कि उनकी सेक्स लाइफ इतनी एक्साइटेड नहीं थी कि उन्हें शो में बुलाया जाए। अपनी फिल्म दोबारा के प्रमोशन के दौरान तापसी पन्नू ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण में ना बुलाने पर जवाब देते हुए कहा था कि मेरे पास एक उबाऊ जीवन है, आप मुझसे क्या पूछेंगे? कौन से लिंकअप, कौन से रिश्ते? मेरे जीवन के सभी रोमांचक हिस्से खुले हैं। लेकिन यह बात करने के लिए पर्याप्त रोमांचक नहीं है उस तरह के शो पर।

'बाहुबली' फेम प्रभास की फिल्म में संजय दत्त ले सकते है एंट्री?

संजय दत्त बॉलीवुड इंडस्ट्री के अनुभवी और कमाल के एक्टर्स में से एक है। संजय दत्त ने अपनी हर एक फिल्म में एक से बढ़कर एक रोल निभाए और दर्शकों से खूब वाहवाही बटोरी। संजय दत्त ने कई अलग अलग तरह के रोल पर्दे पर निभाए है फिर चाहे वो किसी फिल्म में हीरो का किरदार हो या फिर विलेन का। अपने हर एक रोल को निभाने के लिए संजय दत्त अपनी पूरी जान झोंक देते है। संजय दत्त की अपकमिंग फिल्म की बात करें, तो माना जा रहा है कि जल्द ही संजय दत्त विलेन के रोल में अपनी दमदार अदाकारी दिखा सकते है।

ऐसा पहली बार नहीं होगा जब संजय दत्त को किसी फिल्म में विलेन के रोल में देखा जाएगा। साल 2022 में रिलीज हुई साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म 'केजीएफ 2' ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शुमार है। संजय दत्त ने यश के अपोजिट इस फिल्म में विलेन का रोल निभाकर सबको चौंका दिया था। इसके साथ ही कुछ समय पहले रिलीज हुई रणबीर कपूर की फिल्म 'शमशेरा' में भी संजय दत्त ने विलेन का रोल प्ले किया। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कुछ कमाल नहीं कर पाई , लेकिन इसमें संजय दत्त के काम की काफी तारीफ हुई।

लेटेस्ट मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, जल्द ही संजय दत्त साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म में विलेन के रोल में नजर आ सकते है। संजय दत्त की बात इस फिल्म के मेकर्स के साथ चल रही है। बता दें कि प्रभास फिल्म 'सालार' और फिल्म 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग खत्म होने के बाद डायरेक्टर मूर्ति की इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। अगर सब ठीक रहा तो हो सकता है कि प्रभास कि इस फिल्म में संजय दत्त को विलेन के तौर पर देखा जाए।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, ये एक हॉरर कॉमेडी फिल्म होने वाली है जिसका टाइटल 'राजा डीलक्स' हो सकता है। हालांकि इसमें संजय दत्त के रोल के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है, लेकिन इतना तो तय है कि अब धीरे धीरे संजय दत्त साउथ इंडस्ट्री के डायरेक्टर के लिए उनकी फिल्मों में विलेन के रोल के लिए पहली पसंद बनते जा रहे है। अब संजय दत्त और प्रभास दोनों के ही फैंस इन दोनों को इस फिल्म में एक दूसरे के आमने सामने देखने की काफी उम्मीद कर रहे है। संजय दत्त इस फिल्म का हिस्सा होते है या नहीं या फिर उनका इस फिल्म में क्या रोल होता है, ये तो वक्त आने पर ही पता चलेगा, लेकिन बात करें संजय दत्त के वर्कफ्रंट की, तो संजय दत्त जल्द ही फिल्म 'द गुड महराजा' और 'घुड़चढ़ी' में नजर आने वाले है।

इतनी बदल गई 'मोहब्बतें' गर्ल प्रीति

22 साल बाद एक्ट्रेस का बदला लुक देख पहचानना हुआ मुश्किल

बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री हैं जो आपको रातों-रात स्टार भी बना सकती हैं। और रातों-रात आपको इस ग्लैमर की दुनिया से गायब भी कर सकती हैं। दरअसल ऐसी बातें हम इसलिए कर रहे हैं क्यों की आज की इस स्टोरी हम ऐसी ही एक अभिनेत्री के बारे में बात करने जा रहे हैं जो एक टाइम पर बॉलीवुड के कई सुपरस्टार के साथ काम कर चुकी हैं लेकिन अब ना जाने कही गायब सी ही हो गयी हैं। दरअसल यहां हम किसी और की नहीं बल्कि 'मोहब्बतें' गर्ल प्रीति झंगियानी यानी किरण की बात कर रहे हैं।किरण का करैक्टर तो याद ही होगा आपको। हां वही बेहद सिंपल हुए सीधी-साधी सी किरण। लेकिन अब वो प्रीति वैसी नहीं रही। बल्कि एक्ट्रेस में काफी बदलाव आ गए हैं। जिसे देखकर आप भी शौक हो जाएंगे।

22 साल बाद मुंबई के के इवेंट में स्पॉट हुई प्रीती पहले से पूरी तरह बदल गयी हैं। वही अब एक्ट्रेस को पहचानना भी मुश्किल सा हो रहा हैं। शिमरी व्हाइट स्ट्रैपी थाई हाई स्लिट ड्रेस,हैवी मेकअप के साथ व्हाइट पर्स, डायमंड रिंग्स के साथ प्रीती झंगियानी पूरी बदली हुई लुक में दिख रही हैं। प्रीति हाल ही माँ बनी हैं और उस दौरान प्रीती काफी मोटी भी हो गयी थी।लेकिन अब एक्ट्रेस ने खुद को पूरी तरह से फिट कर लिया हैं।

वही प्रीती सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के लिए फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। प्रीति झंगियानी और उनके पति प्रवीण दबास एक स्पोर्ट्स लीग सक्सेसफुली रन कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों से प्रीति झंगियानी स्क्रीन से दूर नजर आ रही हैं।

'विवाह' की सीधी-साधी एक्ट्रेस ने बिना ब्लाउज़ पहने की पसीने छुड़ा देने वाली फोटो शेयर, लोग बोले- इतनी नुमाइश न करो

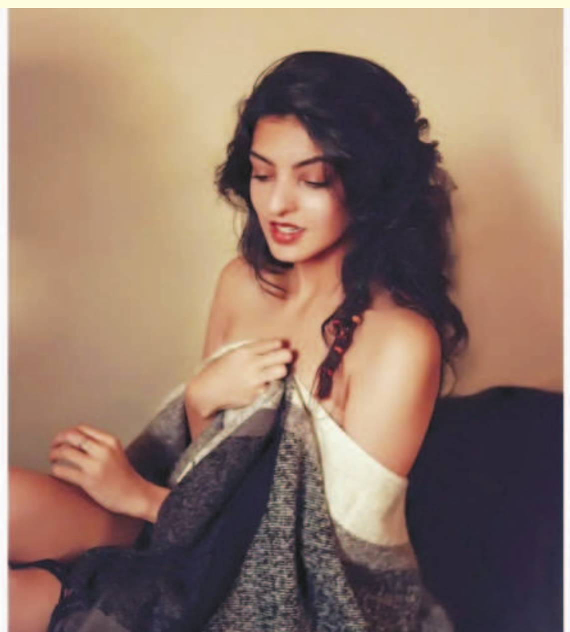

फिल्म 'विवाह' बॉलीवुड की बेहतरीन फिल्मों में से एक मानी जाती है. इस फिल्म में शादी को बहुत ही खूबसूरती से दिखाया गया है. इस फिल्म में अमृता राव और शाहिद कपूर की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था. लेकिन इस फिल्म में अमृत राव के अलावा एक और एक्ट्रेस हैं जिन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी थीं, वह हैं अमृता प्रकाश. उन्होंने अमृता राव की बहन की भूमिका निभाई. लेकिन आज वही अमृता प्रकाश बहुत बड़ी हो गई हैं और बोल्ड भी। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें उनकी खूबसूरती का जादू साफ नजर आ रहा है. एक्ट्रेस अमृता प्रकाश सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह आए दिन सोशल मीडिया पर कोई न कोई बेहतरीन पोस्ट करती रहती हैं. जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं. इसी बीच उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें एक्ट्रेस ने अपने बोल्ड लुक से सभी को घायल कर दिया है. बैकलेस ड्रेस में एक्ट्रेस के इस पोस्ट ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं.

इंडियन आइडल में सलेक्शन के लिए करना होता है ये सब!

इंडियन टेलीविजन पर इन दिनों रियलिटी शो का क्रज खुब छा रहा है, डांस,गाने कई तरह के शो आए दिन टीवी पर आते रहते हैं और लोग इन्हें देखना भी खुब पसंद करते हैं. हालांकि आए दिन इन शो पर सवाल भी उठते रहते हैं, ऐसे में अब टीवी के सबसे पुराने और सबसे चहेते शो में से एक इंडियन आइडल 13 पर भी कई सारे सवाल खड़े हो रहे हैं. इसके पीछे की वजह हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के एक कंटेस्टेंट रीतो रीबा को नहीं लेना रहा है. रीतो रीबा ने इंडियन आइडल 13 के ऑडिशन में खुद का कंपोज किया हुआ गाना, जिसे शो के दर्शकों ने खूब पसंद किया था. खुद इंडियन आइडल 13 के जजेस ने भी गाने को पसंद किया था, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने रीतो रीबा को अपने शो में जगह हासिल नहीं हुई और इसके बाद लागातर इस शो को फेक बताया जा रहा है.

दरअसल इंस्टाग्राम पर जेम्स लिवांग नाम के एक शख्स ने इंडियन आइडल रियलिटी शो के खिलाफ एक फनी वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में जेम्स शो में सिंगिंग ऑडिशन देते नजर आ रहे हैं, पहले वो रीतो-रीबा की आवाज में गाना गाकर परफॉर्म करते हैं तो शो के जजेस उन्हें सलेक्ट नहीं करते फिर, वीडियो में मौजूद शख्स उस कंटेस्टेंट की एक्टिंग करता है, जो अपनी गरीबी और मजबूरी दिखाकर इंडियन आइडल में जगह बनाते हैं.

इमोशनल कहानी सुनाकर जजेस को रुला देते हैं और एक वाहियात गाना गाने पर भी शो के जज उनके लिए खड़े होकर तालियां बजाते नजर आ रहे हैं. सोशल मीडिया पर यह मजेदार वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. ये वीडियो देखकर आपको साफ पता चल रहा है कि इंडियन आइडल शो में कंटेस्टेंट्स को उनके टैलेंट के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी पर्सनल इमोशनल स्टोरी के आधार पर सिलेक्ट किया जाता है. यूजर ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा 'रियलिटी शो की रियलिटी'. शो के दर्शक वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं. साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

मोनालिसा ने ब्रालेट में फ्लॉन्ट किया अपना कातिलाना हुस्न

भोजपुरी इंडस्ट्री की सुपरहॉट अभिनेत्री मोनालिसा भोजपुरी फिल्म और गाना समेत हिंदी सीरियल्स में भी अपनी एक्टिंग का जादू चला चुकीं हैं. सोशल मीडिया पर इन दिनों मोनालिसा काफी ज्यादा एक्टिव हैं. एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी उनका जलवा कायम है, वो हमेशा ही इंटरनेट पर अपने लुक को लेकर छाई रहती हैं और अब इसी कड़ी में मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह अपनी अदाओं के जलवे बिखेर रही हैं. इसमें मोनालिसा का बोल्ड अवतार देख फैंस के होश उड़े हुए हैं. वैसे ये पहली बार नहीं है जब उन्होंने अपनी अदाओं से हर किसी को घायल किया है.

इंस्टाग्राम पर साझा की गई इन तस्वीरों में एक बार फिर अभिनेत्री मोनालिसा का हॉट अवतार देखने को मिला है. इन लेटेस्ट फोटोज में मोनालिसा फैंस का दिल लूटती नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस को पिंक कलर की फ्रंट ओपन शर्ट के साथ ब्रालेट में कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते देखा जा सकता है, साथ ही उन्होंने पर्पल कलर का मिनी स्कर्ट टीमअप किया है. इसमें आप देख सकते हैं कि मोनालिसा ने पिंक शर्ट के साथ डार्क पर्पल शॉर्ट स्कर्ट पहनी .

मोनालिसा ने इन तस्वीरों में अपने शर्ट के बटन ओपन हैं और वो अपनी ब्लैक कलर की ब्रालेट फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। इस दौरान मोनालिसा के बाल खुले बाल उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रहा है. मोनालिसा को पिछली बार टीवी शो 'स्मार्ट जोड़ी' में देखा गया था. इस शो में वह पति विक्रांत सिंह राजपूत के साथ कंटेस्टेंट के तौर पर दिखी थीं. इसके बाद अब फैंस उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं. फिलहाल एक्ट्रेस ने अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है।

राजनीति में कदम रखने वाली हैं कंगना रणौत! महाराष्ट्र के सीएम से करने वाली हैं मुलाकात

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत जल्द ही महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात करने वाली हैं। बीते कुछ दिनों से सामने आ रही रिपोट्र्स में यह दावा किया जा रहा था कि कंगना रणौत राजनीति में कदम रखने वाली है। हालांकि, मुख्यमंत्री से मुलाकात की इन खबरों ने अफवाहों का बाजार गर्म कर दिया है। रिपोट्र्स की माने तो अभिनेत्री एक अक्टूबर यानी कल शाम एकनाथ शिंदे से वर्षा बंगले पर मुलाकात कर सकती हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में हुई सत्ता परिवर्तन के बाद सीएम एकनाथ शिंदे से यह कंगना रणौत की पहली मुलाकात है। बता दें कि सत्ता में हुए बदलाव से पहले शिवसेना और कंगना की बीच विवाद छिड़ गया था, जिसका नतीजा यह हुआ था कि कंगना के खार स्थित कार्यालय पर बीएमसी ने हथौड़े चलवा दिया था।

यही वजह थी कि सत्ता परिवर्तन से कंगना रणौत बेहद खुश थीं। इतना ही नहीं उन्होंने शिवसेना पर तंज कस्ते हुए एकनाथ शिंदे को बधाई भी दी थी। उन्होंने, सोशल मीडिया पर एकनाथ शिंदे की तस्वीर साझा करते हुए लिखा था- सफलता की कहानी कितनी प्रेरणादायक है... जीविका चलाने के लिए ऑटो रिक्शा चलाने से लेकर देश के सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली लोगों में से एक बनने तक... बधाई हो सर।

यही, वजह है कि कंगना रणौत और एकनाथ शिंदे की इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। हर किसी की निगाहें इस मीटिंग पर ही टिकी हुई हैं। दोनों के बीच क्या बात होगी? किन मुद्दों पर चर्चा होगी? इन सब सवालों का जवाब शनिवार को मुलाकात के बाद ही मिल पाएगा।

वर्कफ्रंट की बात करें तो कंगना रणौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

बता दें कि अभिनेत्री इस फिल्म में अभिनय करने के साथ-साथ इसका निर्देशन भी कर रही हैं। इस फिल्म से अनुपम खेर, सतीश कौशिक जैसे कई सेलेब्स के फर्स्ट लुक भी सामने आ चुके हैं।

सवालों में मॉडलिंग की दुनिया, एक और मॉडल ने लगाई फांसी

मायानगरी मुंबई अपनी चकाचौंध के लिए जानी जाती है, जहां पर रोजाना लाखों लोग सिर्फ अपने सपने पूरे करने आते हैं और इनमें ज्यादातर लोग वो होते हैं, जो किसी न किसी तरह मनोरंजन जगत से जुड़े होते हैं। वहीं, अब इसी इंडस्ट्री से एक शॉकिंग खबर सामने आई है। मुंबई में 40 साल की एक मॉडल ने अपनी जान ले ली। इस मॉडल ने अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपनी आत्महत्या की वजह बताई है।

जानकारी के मुताबिक, मॉडल का नाम आकांक्षा बताया जा रहा है और वह मुंबई के अंधेरी इलाके के चार बंगला स्थित एक होटल के कमरे में किराए पर रहने आई थीं लेकिन यहां पर आकर आकांक्षा ने कमरे के पंखे से लटकर अपनी जा दे दी। यह पूरा मामला वर्सोवा पुलिस ने ADR के तहत दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया है कि मॉडल आकांक्षा लोखंडवाला की यमुना नगर सोसायटी की रहने वाली हैं और उन्होंने बुधवार करीबन दोपहर 1 बजे होटल में चेकइन किया था।

इसके बाद आकांक्षा ने रात का खाना भी मंगवाया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मौत से पहले मॉडल ने एक सुसाइड नोट लिखा था, जो जांच में मिल गया है। उन्होंने अपनी मौत का जिम्मेदार किसी को नहीं ठहराया है। मॉडल ने नोट लिखा है, मैं माफी चाहती हूं, इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। बस मैं खुश नहीं हूं और अब मुझे शांति चाहिए। हालांकि, पुलिस ने इस मामले को संदिग्ध मानते हुए अपनी जांच शुरू कर दी है।

बुमराह की चोट के बाद ट्रेंड हुआ लखनऊ का यह गेंदबाज, फैंस बोले- विश्व कप टीम में शामिल करो

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल होकर विश्व कप से बाहर हो गए हैं। बुमराह को कोई सर्जरी नहीं करानी होगी, लेकिन वह कई हफ्तों तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। बुमराह के टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद कई खिलाड़ियों का नाम उनकी जगह टीम इंडिया में शामिल करने के लिए सुझाया जा रहा है। इस बीच फैंस ने मोहसिन खान को टीम इंडिया में शामिल करने की बात कही है।

मोहसिन के अलावा उमरान मलिक का नाम भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा है और बुमराह की जगह उन्हें भारतीय टीम में मौका देने की बात हो रही है।

मोहसिन ने आईपीएल में किया था कमाल

मोहसिन खान ने आईपीएल 2022 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने लखनऊ सुपरजाएंट्स के लिए खेलते हुए शानदार गेंदबाजी की थी। खासकर पुरानी गेंद के साथ उनका प्रदर्शन लाजवाब था। डेथ ओवरों में उनका इकोनॉमी रेट बेहतरीन था।

लखनऊ की टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में मोहसिन ने अहम रोल निभाया था। इसी वजह से उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने की बात हो रही है।

उमरान मलिक आईपीएल 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के लिए खेले थे। उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन वह लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। एक मैच में उन्होंने पांच विकेट झटके थे, लेकिन कई मैचों में महंगे भी साबित हुए थे। ऐसे में मोहसिन को उमरान मलिक पर तरजीह दी जा सकती है।

रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हासिल की बड़ी उपलब्धि, महेंद्र सिंह धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा

भारत ने तीन टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हरा दिया। तिरुवनन्तपुरम में खेले गए इस मुकाबले को अपने नाम कर टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। कप्तान रोहित शर्मा का इस मैच में बल्ला नहीं चला। वह शून्य पर आउट हो गए, लेकिन रोहित ने ने एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ा।

रोहित एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 2022 में 16 टी20 मैच अपनी कप्तानी में जीते हैं। धोनी ने 2016 में 15 मुकाबलों में जीत हासिल की थी। भारत ने इस साल अब तक 21 टी20 खेले हैं। रोहित ने फरवरी में वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ आठ मैच जीतकर साल की शुरुआत की थी। इसके बाद वह इंग्लैंड के खिलाफ दो, वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन, ऑस्ट्रेलिया के

खिलाफ दो और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक मैच जीतने में सफल रहे।

राहुल के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

केएल राहुल की बात करें तो इस मैच में उन्होंने 56 गेंद खेलकर 51 रन बनाए। उनकी इस पारी में चार छक्के और दो चौके शामिल थे। हालांकि, इस मैच में उन्होंने एक अनाचाहा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

लोकेश राहुल ने इस मैच में टेस्ट खेलने वाले देशों के बल्लेबाजों में टी20 का सबसे धीमा अर्धशतक लगाया। वह भारत के लिए सबसे धीमी 50 से ज्यादा रन की पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए। टीम इंडिया के इतिहास में यह सिर्फ दूसरा मौका था, जब किसी बल्लेबाज ने 50 से ज्यादा रन बनाए, लेकिन उसका स्ट्राइक रेट 100 से कम था। लोकेश राहुल ने इस मैच में 91.07 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इससे पहले गौतम गंभीर ने 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 56 रन बनाए थे। इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट 93.3 का था। इससे पहले भी भारत के लिए टी20 में सबसे धीमा अर्धशतक गौतम गंभीर ने ही लगाया था। उन्होंने 2009 में बांग्लादेश के लिए 50 रन बनाए थे। इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट 108.7 का था। 2014 में रोहित शर्मा ने 112 और विराट कोहली ने 114 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली थी।

हार के बाद बढ़ी दक्षिण अफ्रीका की चिंता

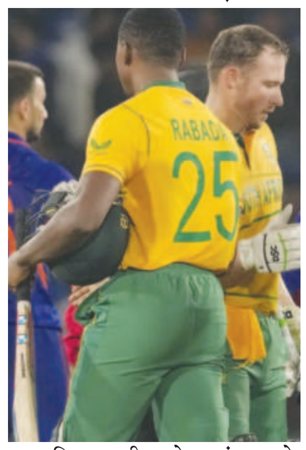

दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज का मानना है कि उनकी टीम को नई गेंद से निपटने का तरीका ढूंढना होगा क्योंकि भारत के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में स्विंग लेती गेंदों के सामने उसका शीर्ष क्रम बिखर गया था।

भारतीय गेंदबाजों अर्शदीप सिंह (3/32) और दीपक चाहर (2/24) ने गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराकर दक्षिण अफ्रीका का शीर्ष क्रम लड़खड़ा दिया था जिससे भारत ने बुधवार को यहां आठ विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। महाराज ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह ऐसा विषय है जिस पर हमें बहुत अधिक चर्चा करने की जरूरत है। हालांकि इस पर बात करनी होगी कि हमें कैसी शुरुआत करनी चाहिए।'

उन्होंने कहा, ' हमारे शुरुआती ओवरों के प्रदर्शन को देखते हुए हमें स्विंग से निपटने के तरीके ढूंढने होंगे। पहले कुछ ओवरों में गेंद बहुत अधिक स्विंग कर रही थी।' महाराज ने 35 गेंदों पर 41 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। उनके अलावा एडेन मार्कराम ने 25 और वायने पर्नेल ने 24 रन का योगदान दिया।

महाराज का मानना है की मानसिकता में बदलाव से उनके बल्लेबाजों को स्विंग का सामना करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा, ' कुछ अवसरों पर हमें नई गेंद से निपटने की तरीके ढूंढने होते हैं। गेंद काफी स्विंग कर रही थी, इसलिए अपनी रणनीति और मानसिकता में बदलाव करने की जरूरत थी।'

महाराज ने कहा, 'हमें उम्मीद नहीं थी कि गेंद इतनी अधिक स्विंग करेगी। यह बल्लेबाजी के लिए आसान विकेट नहीं था। कुछ गेंदे अचानक उठ रही थी। मुझे नहीं लगता कि हमें इस पर बहुत अधिक सोचना चाहिए लेकिन आगामी मैचों से पहले हम इस पर काम कर सकते हैं और उम्मीद है कि हम इसमें सुधार करेंगे।'

भारतीय बल्लेबाजों का मेरे सामने टिकना आसान नहीं होगा : पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ

पाकिस्तान टीम के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने टी20 वर्ल्ड कप में होने वाले मैच को लेकर भारतीय टीम को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाज मेरे सामने खेलने में समर्थ नहीं होंगे। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि मुकाबला मेलबर्न में होगा और यह अच्छी बात है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच से पहले हारिस रऊफ ने कहा कि अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देता हूं, तो वे मुझे आसानी से नहीं खेल पाएंगे। आगामी वर्ल्ड कप मैच के लिए मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर है। गौरतलब है कि हारिस रऊफ बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलते हैं।आगे उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच हमेशा एक उच्च दबाव वाला गेम होता है। पिछले साल वर्ल्ड कप में मैं काफी दबाव महसूस कर रहा था। लेकिन एशिया कप में पिछले दो मैचों में मुझे इसका ज्यादा अहसास नहीं हुआ क्योंकि मुझे पता था कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ इस समय बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में टीम की करीबी जीत में अपना अहम योगदान दिया। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में 3 रनों से करीबी जीत दर्ज की थी। रऊफ ने दो पुछल्ले क्रम के दो बल्लेबाजों को आउट करते हुए पाकिस्तान की गेम में वापसी कराई थी।

भारतीय टीम ने पिछली बार पाकिस्तान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में खेला था। उस मुकाबले में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद हाल ही में दोनों टीमों के बीच एशिया कप में मुकाबला हुआ था। दो मैचों में दोनों टीमों को एक-एक जीत हासिल करने का मौका मिला। टीम इंडिया इस टूर्नामेंट के फाइनल से पहले ही बाहर हो गई थी।

भारत के वह तीन खिलाड़ी जिन्होंने 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं

वेस्टइंडीज के विव रिचर्ड्स से लेकर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव वॉ तथा श्रीलंका के अर्जुना रणतुंगा सहित विश्व क्रिकेट में कई अन्य महत्वपूर्ण ऐसे खिलाड़ी हुए हैं, जिन्होंने कई सालों तक अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है1 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई खिलाड़ियों का करियर तो 400 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैचों से अधिक का रहा है 1 कुछ विश्वस्तरीय खिलाड़ियों ने तो अपने बेहतरीन लम्बे करियर अवधि में 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं 1 श्रीलंका की तरफ से इस लिस्ट में सनत जयसूर्या, महेला जयवर्द्धने तथा कुमार संगकारा शामिल है 1 पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पॉन्टिंग एवं दक्षिण अफ्रीका के महान ऑल राउंडर जैक कैलिस ने भी इस सूची में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है 1 अभी तक भारतीय क्रिकेट इतिहास में मात्र तीन ही ऐसे खिलाड़ी हुए हैं, जिन्होंने 500 से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं।

सचिन तेंदुलकर

विश्व क्रिकेट में लगभग हर जगह अपनी छाप छोड़ने वाले सचिन तेंदुलकर के ही नाम पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड है 1 सिर्फ एक टी20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले सचिन तेंदुलकर ने वन डे और टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया है 1 क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में सचिन तेंदुलकर ही एक मात्र ऐसे क्रिकेट प्लेयर हैं जिन्होंने 200 टेस्ट मैच खेले हैं 1 इसके अलावा 24 वर्ष के अपने चमकदार करियर में सचिन विश्व क्रिकेट में 450 से अधिक वन डे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले अकेले खिलाड़ी हैं 1 दो दशकों से अधिक के अंतर्राष्ट्रीय करियर में 650 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच सचिन तेंदुलकर को विश्व क्रिकेट का महानतम खिलाड़ी बनाता है 1

महेंद्र सिंह धोनी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी निर्विवाद रूप से विश्व स्तर पर बनाए जाने वाले सर्वश्रेष्ठ कप्तानों की सूची में शामिल रहेंगे 1 वनडे क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ फिनिशरों में एक महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी कप्तानी में भारत को वनडे और टी20 इंटरनेशनल वर्ल्ड कप ट्रॉफी जिताने में कामयाब रहे हैं 1 90 टेस्ट मैच खेलने वाले महेंद्र सिंह धोनी ने 98 टी20 इंटरनेशनल तथा 350 अन्तर्राष्ट्रीय वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

राहुल द्रविड़

भारत की तरफ से 500 से ज्यादा अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेलने की सूची में अभी तक का तीसरा नाम राहुल द्रविड़ का है 1 राहुल द्रविड़ विश्व क्रिकेट के उन गिने-चुने खिलाड़ियों में शुमार हैं, जिन्होंने टेस्ट तथा वन डे इंटरनेशनल में 10000 से अधिक रन बनाए हैं 1 सचिन तेंदुलकर की तरह सिर्फ एक टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले द्रविड़ ने 164 टेस्ट और 344 वन डे इंटरनेशनल मैच खेले हैं ।

इन 4 दिग्गज खिलाड़ियों को मिलनी चाहिए टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह : दिलीप वेंगसरकर

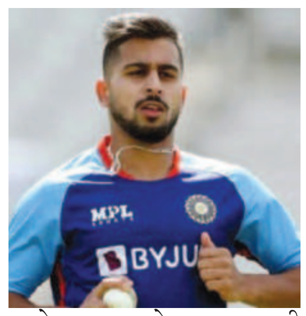

भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर ने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने चार ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होना चाहिए। दिलीप वेंगसरकर के मुताबिक मोहम्मद शमी को टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा जरूर होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल को भी टीम में शामिल किए जाने की मांग की है। वेंगसरकर ने ये भी कहा है कि युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक को भी भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इसमें कोई अलग सोच नहीं हैं। मैं उमरान मलिक को उनकी स्पीड की वजह से सेलेक्ट करता। वो एक ऐसे तेज गेंदबाज हैं जो 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। आपको उन्हें सेलेक्ट करना ही चाहिए। जब उनकी स्पीड 130 किलोमीटर प्रति घंटे की हो जाएगी तब उन्हें सेलेक्ट करने का क्या मतलब रहेगा। इसके अलावा श्रेयस अय्यर भी काफी बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्हें टीम से बाहर नहीं किया जा सकता है। मोहम्मद शमी और शुभमन गिल भी टीम का हिस्सा होने चाहिए। मुझे गिल ने काफी ज्यादा प्रभावित किया है।उमरान मलिक आईपीएल से सुर्खियों में आए थे।आईपीएल 2022 में सनराइज़र्स हैदराबाद के लिए 14 मैचों में 22 विकेट चटकाने वाले उमरान मलिक के स्पीड की काफी चर्चा हुई थी और उन्हें भारत की टी20 टीम में चुना गया था। हालांकि, आयरलैंड दौरे पर खेले गए दो टी20 और इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टी20 में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और टीम से उनकी छुट्टी हो गई।

आपको बता दें कि भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम से जसप्रीत बुमराह बाहर हो गए हैं और ऐसे में देखने वाली बात होगी कि उनकी जगह किस गेंदबाज को सेलेक्ट किया जाता है। मोहम्मद सिराज को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के बचे हुए दो मैचों के लिए टीम में जगह दी गई है।

वनडे में सबसे ज्यादा बार 300 रन बनाने वाली टीमों में अव्वल भारत

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 300 का स्कोर अब काफी आम बात हो गई है और जिस तरह पहले इस स्कोर को जीत का पैमाना माना जाता था, आजकल कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। मार्च 2006 तक किसी टीम ने एक बार भी 400 का स्कोर नहीं बनाया था, लेकिन उसके बाद से अभी तक 20 बार 400 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार 400 का स्कोर बनाया था और उसी मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भी 400 का स्कोर बनाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज़ की थी। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 300 का स्कोर सबसे पहली बार इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 1975 के विश्व कप में बनाया था।

भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ हुई दिसम्बर, 2017 में हुई एकदिवसीय सीरीज में 100वीं बार 300 का स्कोर पार किया और ऐसा करने वाली पहली टीम बनी थी। सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड इंग्लैंड (498/4 vs नीदरलैंड्स, एम्स्टलवीन 2022) के नाम दर्ज़ है।

भारत (122)

भारतीय टीम ने अभी तक सबसे ज्यादा बार 300 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया है। इन मौकों में भारत ने 5 बार 400 का स्कोर भी पार किया है। भारतीय टीम ने पहली बार 15 अप्रैल, 1996 को शारजाह में पाकिस्तान के खिलाफ 300 का आंकड़ा पार किया था। भारत ने उस मैच में 305/5 का स्कोर बनाया था और पाकिस्तान को 28 रनों से मात दी थी। भारत ने 400 का स्कोर पहली बार 2007 विश्व कप में बरमूडा के खिलाफ 19 मार्च को पोर्ट ऑफ़ स्पेन में बनाया था। उस मैच में भारत का स्कोर 413/5 था और 257 रनों से जीत मिली थी। एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड 418/5 है, जो 8 दिसम्बर 2011 को वेस्टइंडीज के खिलाफ बना था।

ऑस्ट्रेलिया (113)

ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार 300 का स्कोर 11 जून 1975 को श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। उस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 328/5 का स्कोर बनाया था और श्रीलंका को 52 रनों से हराया था। एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड 434/4 है, जो उन्होंने 12 मार्च 2006 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जोहान्सबर्ग में बनाया था। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक दो बार 400 से ज्यादा का स्कोर बनाया है।

दक्षिण अफ्रीका (87)

दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार 300 का स्कोर 11 दिसम्बर 1994 को न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने 314/7 का स्कोर बनाया था और न्यूजीलैंड को 81

रनों से हराया था। एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड 439/2 है, जो उन्होंने 18 जनवरी 2015 को वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक रिकॉर्ड 6 बार 400 का स्कोर पार किया है।

पाकिस्तान (87)

पाकिस्तान ने पहली बार 300 का स्कोर 14 जून 1975 को श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। पाकिस्तान (330/6) ने उस मैच में श्रीलंका को 192 रनों के बड़े अंतर से हराया था। एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड 399/1 है, जो पाकिस्तान ने 20 जुलाई 2018 को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में बनाया था।

इंग्लैंड (84)

इंग्लैंड ने पहली बार 300 का स्कोर 7 जून 1975 को भारत के खिलाफ बनाया था। इंग्लैंड (334/4) ने उस मैच में भारत को 202 रनों के बड़े अंतर से हराया था। एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड 498/4 है, जो इंग्लैंड ने 17 जून 2022 को नीदरलैंड्स के खिलाफ बनाया। यह स्कोर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के सबसे बड़े स्कोर का विश्व रिकॉर्ड भी है। इंग्लैंड ने अभी तक पांच बार 400 का स्कोर बनाया है।

श्रीलंका (77)

श्रीलंका ने पहली बार 300 का स्कोर 23 फरवरी 1992 को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ बनाया था। श्रीलंका (313/7) ने उस मैच में ज़िम्बाब्वे को तीन विकेट से हराया था। एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड 443/9 है, जो उन्होंने 4 जुलाई 2006 को नीदरलैंड्स के खिलाफ बनाया था। श्रीलंका ने अभी तक दो बार 400 का स्कोर पार किया है।

न्यूजीलैंड (67)

न्यूजीलैंड ने पहली बार 300 का स्कोर 7 जून 1975 को ईस्ट अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। न्यूजीलैंड (309/5) ने उस मैच में ईस्ट अफ्रीका को 181 रनों के बड़े अंतर से हराया था। एक पारी में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड 402/2 है, जो 1 जुलाई 2008 को उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ बनाया था। न्यूजीलैंड ने अभी तक एक बार 400 का स्कोर बनाया है।

वेस्टइंडीज (55)

वेस्टइंडीज ने पहली बार 300 का स्कोर 22 फरवरी 1978 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था। वेस्टइंडीज (313/9) ने उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 44 रनों से हराया था।

ज़िम्बाब्वे (30)

ज़िम्बाब्वे ने पहली बार 300 का स्कोर 23 फरवरी 1992 को श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। श्रीलंका (313/7) ने उस मैच में ज़िम्बाब्वे (312/4) को तीन विकेट से हराया था।

बांग्लादेश (23)

बांग्लादेश ने पहली बार 300 का स्कोर 17 मार्च 2006 को केन्या के खिलाफ बनाया था। बांग्लादेश (301/7) ने उस मैच में केन्या 131 रनों से हराया था।

इसके अलावा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में आयरलैंड ने 16 बार, स्कॉटलैंड ने 12 बार, नीदरलैंड्स और अफ़ग़ानिस्तान ने चार-चार बार, केन्या, एशिया XI एवं यूएई ने तीन-तीन बार, अफ्रीका XI, नामीबिया एवं यूएसए ने दो-दो बार और आईसीसी वर्ल्ड XI, ओमान ने एक-एक बार 300 का स्कोर बनाया है। *30 सितम्बर, 2022 तक कुल मिलाकर 798 बार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 300 या उससे ज्यादा का स्कोर बन चुका है।

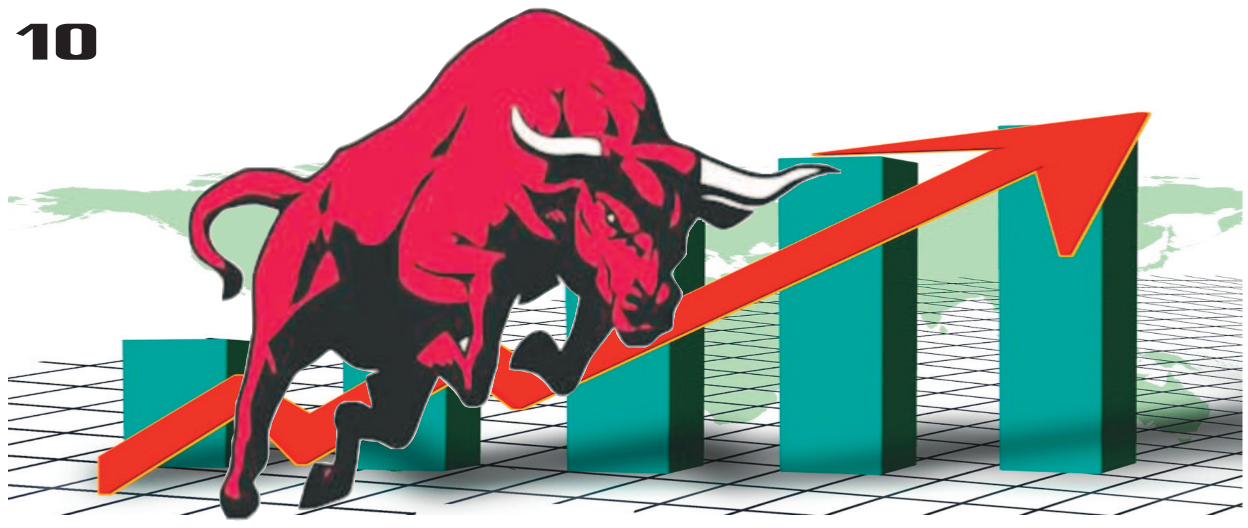

रेपो रेट में वृद्धि से बाजार 'गुलजार', सेंसेक्स 1000 अंक चढ़ा, निफ्टी 17100 के करीब

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी की घोषणा के बाद शेयर बाजार में चौतरफा तेजी आई है। आरबीआई की ओर से रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 1017 अंक उछलकर 57,427 अंकों पर बंद हुआ है। वहीं, निफ्टी में भी 276 अंकों की तेजी आई है यह 17,094 अंकों के लेवल पर क्लोज हुआ।

बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, ऑटो व रियल्टी सेक्टर के शेयरों में तेजी

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक के बाद रेपो रेट में 0.50% वृद्धि का एलान किया है। रेपो रेट अब 5.4% से बढ़कर 5.90% हो गया है। रेपों में वृद्धि की घोषणा के बाद शुक्रवार को शेयर बाजार में मजबूती दिखने लगी। आरबीआई के फैसले के बाद बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, ऑटो और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में तेजी दिखी। शुक्रवार के कारोबारी सेशन में सेंसेक्स में 1300 से अधिक अंकों का उछाल आया। लार्ज कैप शेयरों के साथ मिडकैप और स्मालकैप शेयरों में भी खरीदारी दिखी।

दीपावली से पहले बड़ा झटका

लोन दरें बढ़ीं, जीडीपी वृद्धि के अनुमान में क्यों हुई कटौती?

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने एक बार फिर ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। इससे रेपो रेट बढ़कर रिकॉर्ड 5.90 फीसदी तक पहुंच गया है। इसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ेगा। रेपो रेट में बढ़ोतरी के कारण ऑटो लोन, होम लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई के रूप में आपको ज्यादा पैसा चुकाना पड़ेगा। इस बीच ग्राहकों के लिए यह राहत भरी खबर हो सकती है कि इस वित्त वर्ष में महंगाई दर छह फीसदी के करीब रह सकती है। रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी

में वृद्धि दर का अनुमान 7.2 फीसदी से घटाकर 7.0 फीसदी कर दिया है। इसका कारण ग्लोबल महंगाई के कारण निर्यात में कुछ कमी आने की आशंका और रेपो रेट में बढ़ोतरी के कारण कुछ घरेलू सेक्टर में मांग में कमी आने की आशंका हो सकती है। हालांकि, इस वर्ष पूरे देश में पहले बारिश की कमी और बाद में ज्यादा बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान के कारण भी ऐसा हुआ हो सकता है। तेज महंगाई से जूझ रही दुनिया भर की सरकारों ने महंगाई में कमी लाने के लिए रेपो रेट बढ़ाने के आजमाए नुस्खे को आजमाया है। इसके पहले अमेरिकी और यूरोपीय देशों की सरकारों ने अपने यहां रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी। अमेरिका ने हाल ही में रेपो रेट में 75 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की थी। इससे भारतीय रूपये पर दबाव बढ़ रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा रेपो रेट में वृद्धि का एक कारण यह भी माना जा रहा है। हालांकि, आर्थिक जानकारों का मानना है कि देश में घरेलू महंगाई की दर में कमी आ रही थी, लिहाजा त्योहारों का सीजन देखते हुए मांग को बनाए रखने के लिए इस बढ़ोतरी को एक महीने के करीब टाला जा सकता था।

रेपो रेट में बढ़ोतरी के कारण ऑटो और होम लोन महंगे हो जाएंगे। इससे वे लोग इन क्षेत्रों में निवेश करने से पीछे हट सकते हैं जो कोई मिड रेंज की गाड़ी खरीदना चाहते थे, या नये भवन की खरीद की योजना बना रहे थे। इससे इन सेक्टरों में मांग में कमी आ सकती है। इससे कुछ क्षेत्रों में उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। आर्थिक मामलों के जानकार भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सईद जफर इस्लाम ने अमर उजाला से कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से महंगाई को कम करने की दिशा में लगातार सफलता मिल रही है। आरबीआई के द्वारा रेपो रेट में की गई बढ़ोतरी भी महंगाई को कम कर जनता को राहत पहुंचाने की एक सफल कोशिश है। उन्होंने कहा कि पहले तिमाही में यह देखा गया था कि वस्तुओं की खपत ज्यादा बढ़ रही थी, जिससे महंगाई में बढ़ोतरी हो रही थी, इसे एक सीमा में रखने के लिए आरबीआई के पास यही विकल्प उपलब्ध था।

केंद्र का बड़ा फैसला- सामान्य वर्ग में चुने गए मेधावी दिव्यांगों का आरक्षित श्रेणी में समायोजन नहीं

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सामान्य श्रेणी में चुने गए मेधावी दिव्यांग अब आरक्षित श्रेणी में समायोजित नहीं होंगे। मेधावी दिव्यांगों के लिए आरक्षित कोटा अब मेरिट सूची में सामान्य श्रेणी के सबसे कम अंक पाने वाले अभ्यर्थी से नीचे रहे दिव्यांगों (आरक्षित श्रेणी) से भरा जाएगा। इसके लिए शर्त यही रखी गई है कि ये दिव्यांग चयन के लिए योग्य हों। इसके लिए अनारक्षित की तरह मेडिकल फिटनेस या उनके बराबर समय जैसे मानक भी आड़े नहीं आएंगे। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने इस संबंध में महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है।

केंद्रीय राज्य मंत्री बोले- 2025-26 तक 120 अरब डॉलर होगा भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व प्राद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को दावा किया है भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात वर्ष 2025-26 तक बढ़कर 120 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा और यह राज्य सरकारों की केंद्र के साथ साझेदारी से भी संभव हो सकेगा।

राजीव चंद्रशेखर ने चेन्नई के महिंद्रा वर्ल्ड सिटी में नई और अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई पेगाट्रन टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही। उन्होंने बताया कि देश में लगभग 70 से 75 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स का विनिर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025-26 तक देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण बढ़ाकर 300 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा है कि भारत 2014 तक मोबाइल फोन का आयात करता था पर अब हम मोबाइल फोन की अपनी 97 फीसदी जरूरत को खुद ही पूरा कर रहे हैं।

'अमेरिकी तूफान' में उड़ गई एलन मस्क की एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की दौलत, जेफ बेजोस ने गंवाए 3.22 अरब डॉलर

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी शेयर बाजारों में एक बार फिर गुरुवार को बिकवाली का तूफान आया, जिसमें टेस्ला, गूगल (अल्फाबेट इंक), फेसबुक (मेटा) और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयर औंधेमुंह गिर गए। इस अमेरिकी तूफान में दुनिया के पहले नंबर के अमीर एलन मस्क की कुल दौलत में से 13.3 डॉलर ((करीब 1,08,587 करोड़ रुपये) उड़ गए। वहीं, जेफ बेजोस को 3.22 अरब डॉलर का झटका लगा। बता दें गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार का प्रमुख संवेदी सूचकांक डाऊ जोंस 1.54 फीसद यानी 458 अंकों का गोता लगाकर 29225 के स्तर पर बंद

हुआ। वहीं, नैस्डैक में 2.84 फीसद की गिरावट रही और यह 10737 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि, एस एंड पी 500 में 2.11 फीसद की गिरावट रही। इसका असर यह हुआ कि एलन मस्क की टेस्ला के शेयर 6.81 फीसद टूटे। इससे उन्हें एक ही दिन में 13.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। वहीं, जेफ बेजोस के अमेजन के शेयर 2.72 फीसद टूटे। इस वजह से उनकी कुल दौलत में 3.22 अरब डॉलर की सेंध लग गई। फेसबुक यानी मेटा प्लैटफार्म के शेयर भी 3.67 फीसद टूटे। इस वजह से मार्क जुकरबर्ग की दौलत 1.82 अरब डॉलर घट गई। इस साल अब तक 30.3 अरब डॉलर की दौलत गंवा चुके एलन मस्क की कुल संपत्ति अब 240 अरब डॉलर रह गई है। इसके बावजूद मस्क ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में दुनिया सबसे बड़े अमीर बने हुए हैं। टॉप 10 अमीरों में इस साल सबसे अधिक संपत्ति करीब 55 अरब डॉलर गंवाने वाले जेफ बेजोस 138 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अब तक कुल 48 अरब डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले बर्नार्ड अर्नाल्ट 129 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। गुरुवार को गौतम अडानी ने 3.51 अरब डॉलर की संपत्ति गंवाई।

इसके बावजूद वह इस साल अब तक सबसे अधिक कमाई करने वाले शख्स हैं, जिन्होंने अपनी संपत्ति में 51.1 अरब डॉलर का इजाफा किया है। वह अब 128 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं।

महंगाई ने बिगाड़ा घर का बजट

जरूरत का सामान भी कम खरीद रहे लोग, खरीदी में पांच फीसद गिरावट

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। देश में बढ़ती महंगाई ने आम आदमी का घरेलू बजट बिगाड़ कर रख दिया है। आलम यह है कि ग्रामीण भारत में रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सामान की खरीदारी में भी कटौती की जा रही है। बाजारों में खाने का तेल, कपड़े धोने के उत्पाद, बिस्कुट और चॉकलेट समेत कई जरूरी वस्तुओं की बिक्री में 5% की गिरावट आई है।

इसके अलावा पर्सनल हाइजीन प्रॉडक्ट्स जैसे कि टॉयलेट साबुन की बिक्री भी कम हुई है। हाल ही में रिसर्च फर्म कंतार एंड ग्रुपएम की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरावट दिसंबर 2021 और जुलाई 2022 के बीच दर्ज की गई थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ता घरेलू बजट बनाए रखने के लिए ब्रांड के छोटे पैक खरीद रहे हैं। इस स्टडी में गांवों के 4,000 से अधिक उपभोक्ताओं को शामिल किया गया, जिनकी उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच थी। बड़ी मात्रा में 70% प्रतिभागियों ने महंगाई और फाइनेंशियली को इसके पीछे बड़ी वजह बताया है। जिन लोगों ने अपनी फाइनेंशियल स्थिति खराब होने की बात स्वीकार की है, ऐसे में लोगों ज्यादा मजदूर, दुकानदार और छोटे व्यवसायी दुकानदार थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि कृषि में लगे लोग अपनी फाइनेंशियल स्थिति को लेकर कम चिंतित थे, लेकिन ऐसे लोगों ने वे देश के आर्थिक हालत पर चिंता जरूर दिखाई।इससे पहले नीलसन आईक्यू की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) उत्पादों की मांग जून तिमाही में शहरी भारत की तुलना में कम थी। इसमें 2।4% की गिरावट आई थी। सितंबर की शुरुआत में एक इंटरव्यू के दौरान कांतार ने कहा कि ग्रामीण उपभोक्ता खर्च में कटौती करने के लिए छोटे पैक खरीदने के लिए मजबूर हो रहे हैं।संतूर साबुन बनाने वाली एफएमसीजी फर्म विप्रो कंज्यूमर केयर ने हाल ही में माना था कि शहरी बाजारों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे पैक की मांग ज्यादा थी।

अक्तूबर में बैंकों में छुट्टियों की भरमार

21 दिन ब्रांच बंद, ऑनलाइन सेवाओं से चलाना होगा काम

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। माता दुर्गा की कलश स्थापना के साथ देश में त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है। वहीं दूसरी ओर अक्तूबर महीना शुरू होने में अब कुछ ही देश शेष हैं। ऐसे में यह जान लेना बहुत जरूरी है कि इस त्योहारों के महीने अक्तूबर में आखिर बैंक शाखाओं में कितने दिन की छुट्टियां रहेंगी? बता दें कि अलग-अलग राज्यों में स्थानीय कारकों के अनुसार बैंक की छुट्टियां तय होती हैं। अक्तूबर महीने में देश भर में बैंक की छुट्टियों की लिस्ट पर गौर करें तो देश में कुल 21 दिन इस महीने बैंक बंद रहेंगे। इनमें कुछ छुट्टियां पूरे देश में लागू होंगी जबकि कुछ छुट्टियां किसी राज्य विशेष में ही लागू होंगी। आइए जानते हैं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार अक्तूबर महीन में कौन-कौन से दिन बैंक शाखाएं बंद रहेंगी? बैंक शाखाओं के बंद रहने के दौरान त्योहारी सीजन में ग्राहकों का काम कैसे होगा? त्योहारों की छुट्टियों की साथ-साथ इन अक्तूबर महीने की इन छुट्टियों में बैंक के सार्वजनिक अवकाश भी शामिल हैं। आरबीआई की अक्तूबर महीने की बैंक छुट्टियों की लिस्ट के अनुसार इस महीने दुर्गा पूजा, दशहरा, दिवाली, ईद और गांधी

जयंती की छुट्टी रहेगी। इसके अलावे दूसरे और चौथे शनिवार व रविवार की साप्ताहिक छुट्टियां भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अक्तूबर महीने में बैंक छुट्टियों की संख्या अधिक है ऐसे में ग्राहकों को बैंकिंग के लिए विभिन्न बैंकों की ऑनलाइन सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ेगा। इनमें यूपीआई , मोबाइल फोन एप और इंटरनेट बैंकिंग की सेवाएं शामिल हैं, जो छुट्टियों के दौरान भी सामान्य दिनों की भांति काम करते रहेंगे। त्योहारी दिनों में ये सेवाओं विभिन्न बैंकों के ग्राहकों के बहुत काम आने वाली हैं। त्योहारी सीजन में बैंक भले ही बंद हों पर ऑनलाइन सेवाओं का प्रयोग कर उपभोक्ता बैंकिंग से जुड़ने अपने जरूरी काम निपटा सकेंगे। त्योहारों के सीजन में बैंक शाखाओं में छुट्टियां रहने से बैंकों के कामकाज तो प्रभावित जरूर होंगे पर ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक अपनी ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से सेवाएं उपलब्ध कराते रहेंगे। इससे ग्राहकों की बैंकिंग जरूरतें बहुत हद तक पूरी होती रहेंगी।

पीएम मोदी आज लॉन्च करेंगे 5जी सेवा

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अक्टूबर, 2022 को भारत में बहुप्रतीक्षित 5जी सेवाओं की शुरुआत करेंगे। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री चुनिंदा शहरों में 5जी सेवाओं की शुरुआत करेंगे और अगले कुछ वर्षों में पूरे देश में इसका विस्तार किया जाएगा। भारत पर 5जी का कुल आर्थिक प्रभाव 2035 तक 450 अरब अमेरिकी डॉलर तक होने का अनुमान है।

भारत पर 5जी का कुल आर्थिक प्रभाव 2035 तक 450 अरब अमेरिकी डॉलर तक होने का अनुमान है

नयी दिल्ली, 30 सितंबर (भाषा) देश में लोगों को 5जी का काफी इंतजार है। बाजार में 5जी मोबाइल भी खूब बिक रहे हैं। अब 5जी का इंतजार कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अक्टूबर, 2022 को भारत में बहुप्रतीक्षित 5जी सेवाओं की शुरुआत करेंगे। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। इस बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री चुनिंदा शहरों में 5जी सेवाओं की शुरुआत करेंगे। इसके बाद अगले कुछ वर्षों में पूरे देश में 5जी सेवा का विस्तार किया जाएगा। भारत पर 5जी का कुल आर्थिक प्रभाव 2035 तक 450 अरब अमेरिकी डॉलर तक होने का अनुमान है। बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अक्टूबर, 2022 को भारत में 5जी सेवाओं की शुरुआत करेंगे, और वह 1-4 अक्टूबर

2022 तक नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित होने वाले इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 के छठे संस्करण का भी उद्घाटन करेंगे।'' गौरतलब है कि 4जी की तुलना में 5जी नेटवर्क कई गुना तेज गति देता है और बाधा रहित संपर्क मुहैया कराता है और अरबों जुड़े डिवाइसों को वास्तविक समय में डेटा साझा करने में सक्षम बनाता है।

आधिकारिक बयान में कहा गया, ''5जी से नये आर्थिक अवसर और सामाजिक लाभ मिल सकते हैं, जिसके कारण यह भारतीय समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति होने की क्षमता रखता है। यह देश की वृद्धि के लिए पारंपरिक बाधाओं को दूर करने में मदद करेगा, स्टार्टअप और व्यावसायिक उद्यमों द्वारा नवाचारों के साथ ही 'डिजिटल इंडिया' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।'' देश की अबतक की सबसे बड़ी दूरसंचार स्पेक्ट्रम की नीलामी में रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुई थीं। इसमें उद्योगपति मुकेश अंबानी की जियो ने 87,946.93 करोड़ रुपये की बोली के साथ बेचे गए सभी स्पेक्ट्रम का लगभग आधा हिस्सा हासिल किया है। भारत के सबसे धनी व्यक्ति गौतम अडाणी के समूह ने 400 मेगाहर्ट्ज के लिए 211.86 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी।

इसका इस्तेमाल हालांकि, सार्वजनिक टेलीफोन सेवाओं के लिए नहीं किया जाता है। वहीं, दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल ने 43,039.63 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाई, जबकि वोडाफोन-आइडिया ने 18,786.25 करोड़ रुपये में स्पेक्ट्रम खरीदा है। दूरसंचार कंपनियों के जल्द से जल्द 5जी सेवा चालू करने की तैयारियों में जुटने से भारत आने वाले वक्त में बेहतर डेटा स्पीड और रुकावट मुक्त वीडियो के लिए तैयार हो रहा है। इन सेवाओं के आने के बाद लोगों को स्मार्ट एंबुलेंस से लेकर क्लाउड गेमिंग तक सब कुछ मिलेगा। यहां तक कि खरीदारी के दौरान ग्राहकों को एकदम नए तरह के अनुभव भी हो सकते हैं। पांचवीं पीढ़ी यानी 5जी दूरसंचार सेवाओं के जरिये कुछ ही सेकंड में मोबाइल और अन्य उपकरणों पर उच्च-गुणवत्ता वाले लंबी अवधि के वीडियो या फिल्म को डाउनलोड किया जा सकता है।

दिवाली से पहले सोने-चांदी की बढ़ी चमक

जीएसटी और मुनाफा जोड़ने के बाद सोना 57000 के पार

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी की चमक पिछले दो दिन से लगातार बढ़ रही है। सोने-चांदी के भाव में आज भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सोने के हाजिर भाव में आज 359 रुपये और चांदी में 381 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5892 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 19969 रुपये सस्ती है। चांदी बुधवार के बंद भाव की तुलना में महंगी होकर 56039 रुपये पर खुली। 24 कैरेट सोना आज 50352 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला।

जबकि 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 50160 रुपये पर है। वहीं, 22 कैरेट 46132, जबकि 18 कैरेट 37772 और 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 29462 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है। सोना-चांदी जिस रेट पर खुलते हैं, उससे कहीं अधिक दाम आपको देना पड़ता है। मसलन इसमें जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज तो जुड़ता ही है, साथ में ज्वेलर का मुनाफा भी ऐड होता है। ऐसे में आज आइए आपको बताते हैं कि जीएसटी औल ज्वेलर का एक अनुमानित मुनाफा जोड़ने के बाद आपको आईबीजेए द्वारा जारी रेट से कितना अधिक चुकाना पड़ता है...आज 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी यानी 1510 रुपये जोड़ने के बाद इसका रेट 51872 रुपये हो जा रहा है। वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 57060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 57720 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 63492 रुपये में देगा। 23 कैरेट गोल्ड पर भी 3 फीसद जीएसटी और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 56831 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। जबकि, 22 कैरेट सोने का भाव तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 47515 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 52267 रुपये का पड़ेगा। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 3 फीसद जीएसटी के साथ 38905 रुपये प्रति 10 ग्राम होगी। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 42795 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव जीएसटी के साथ यह 30345 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 33380 रुपये का पड़ेगा।

त्योहारी मौसम में आफत रेलवे ने दूना कर दिया प्लेटफार्म टिकट का दाम

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। त्योहारी मौसम के दौरान रेलवे स्टेशनों पर भीड़ कम करने का रेलवे ने अनूठा तरीका निकाला है। यह तरीका है प्लेटफार्म टिकटों के दाम बढ़ाना। दक्षिण रेलवे ने ऐसा ही किया है। वहां के कुछ स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट का दाम दूना कर दिया गया है। दक्षिण रेलवे की तरफ से जारी एक आदेश के मुताबिक 1 अक्टूबर यानी कल से वहां के कुछ बड़े स्टेशनों पर लोगों को प्लेटफॉर्म टिकट के लिए 10 रुपये के बजाय 20 रुपये चुकाने होंगे। दक्षिण रेलवे ने कहा है कि त्योहारों के समय रेलवे स्टेशनों पर होने वाली भीड़भाड़ से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

त्योहारी सीजन में सब्जियों के दाम पहुंचे आसमान पर

नोएडा/एनसीआर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। नवरात्र शुरू होते ही त्योहारों का सीजन शुरू हो जाता है और इसके साथ साथ जनता की परेशानियां भी बढ़ने लगती है। लोगो का बजट बिगड़ने लगता है। क्योंकि इस दौरान चाहे फल हो या सब्जियां सब के दाम आसमान पर होते हैं और कुछ ऐसा ही हो रहा है दिल्ली एनसीआर में भी।

दिल्ली से सटे नोएडा की बात करें तो यहां पर सब्जी और फलों के रेट में सफल स्टोर और फुटकर रेड़ी विक्रेता की सब्जी के रेट में जमीन आसमान का अंतर देखने को मिल रहा है। साथ ही साथ सब्जी विक्रेता यह बताते हैं कि उनको पीछे से ही सब्जी महंगी मिल रही है और रही सही कसर बीते दिनों हुई लगातार बारिश ने पूरी कर दी। खेतों में पड़ी हुई सब्जियां सड़ गई जो मंडी तक और आम जनता तक नहीं पहुंच पाई, इसीलिए उनकी कीमत इतनी बढ़ चुकी है। दिल्ली एनसीआर में बने सफल स्टोर्स की अगर बात करें तो यहां पर रेट को पूरी तरीके से कंट्रोल में रखा जाता है। फिर भी यहां पर सब्जियों और फलों के दाम आसमान छूते दिखाई दे रहे

हैं तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि खुदरा विक्रेता की सब्जियां कितनी महंगी होंगी। फुटकर विक्रेता सब्जी के बढ़े दामों के लिए बीते दिनों खराब मौसम को मानते हैं। सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक लगातार हुई बारिश के चलते खेत में पड़ी सब्जियां सड़ गई। जो आम जनता तक नहीं पहुंच पाई। उन्हीं की शॉर्टेज के चलते मार्केट का यह हाल हुआ है। सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि साहिबाबाद में सबसे ज्यादा सब्जियों की खेती होती है और उसी से दिल्ली एनसीआर में ज्यादातर सब्जियां सप्लाई की जाती हैं।

काबुल में फिर से आत्मघाती हमला, शिया इलाके में विस्फोट में 19 की मौत

काबुल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में एक बार फिर से आत्मघाती हमला हुआ है। इस बार राजधानी काबुल को निशाना बनाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काबुल के शिया इलाके को निशाना बनाकर हमला किया गया है। काबुल पुलिस प्रमुख के तालिबानी प्रवक्ता ने बताया, इस आत्मघाती विस्फोट में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हुए हैं। तालिबान के एक अधिकारी ने बताया, राजधानी काबुल के शिया बहुल इलाके में शुक्रवार सुबह हमला किया गया। यहां दशती बारची इलाके में एक शिक्षा संस्थान के अंदर विस्फोट हुआ। प्रवक्ता अब्दुल नफी टकोर ने बताया, जानकारी बाद सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर रवाना किया गया है। अभी तक हमले की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है।

तेजस के बाद सुर्खियों में भारत का पिनाका

इस मिसाइल पर आया आर्मेनिया का दिल

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मलेशिया में तेजस युद्धक विमान की धूम के बाद भारत की पिनाका मिसाइल पर आर्मेनिया का दिल आ गया है। आर्मेनिया ने भारत की पनिाका मिसाइल प्रणाली लेने की इच्छा जताई है। भारत अपनी इस रक्षा प्रणाली को आर्मेनिया को निर्यात करने के लिए तैयार है। भारत ने स्वदेशी पिनाका मल्टी बैरल राकेट लान्चर सहित मिसाइल, राकेट और गोला बारूद निर्यात करने का फैसला किया है। पिनाका प्रणाली फरवरी, 2021 में भारत की निर्यात सूची में शामिल है। पिछले पांच वर्षों में देश के रक्षा निर्यात में बड़ा इजाफा हुआ है।

1 एक रक्षा सौदे के तहत दोनों दोनों देशों के बीच इस महीने की शुरुआत में आर्मेनिया को हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने के समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। हालांकि, इस रक्षा सौदे के मूल्य का खुलासा नहीं किया गया है, रिपोर्ट का दावा है कि अगले कुछ महीनों में 250 मिलियन डालर के हथियार बेचे जाएंगे। अजरबैजान के साथ सघर्ष के दौरान आर्मेनिया को शस्त्रों की बड़ी तादाद में जरूरत है। बता दें कि 13 सितंबर को नागोर्नो-कराबाख क्षेत्र में दोनों देशों के बीच जंग छिड़ी हुई है।

2- तुर्की और इजरायल दोनों अजरबैजान के पारंपरकि सहयोगी राष्ट्र हैं। 2020 में अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच झड़प के बाद तुर्की और इजरायल ने भारी तादाद में शस्त्रों की आपूर्ति की है। इजरायल ने कामिकेज ड्रोनों की बड़ी खेप अजरबैजान को दी है। उधर, आर्मेनिया को रूस ने भारी मात्रा में अस्त्र-शस्त्र की आपूर्ति की है। रूस यूक्रेन जंग के बाद रूस के समर्थन में कमी आई है। यूक्रेन जंग में रूस की व्यस्तता के कारण आर्मेनिया ने भारत की ओर रुख किया है। भारत और आर्मेनिया के बीच यह रक्षा सौदा एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

3- रक्षा मामलों के जानकार डा अभिषेक सिंह का कहना है कि रक्षा निर्यात में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्यात पर खास फोकस किया गया है। मेक इन इंडिया के तहत इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले पांच वर्षों में देश के रक्षा निर्यात में बड़ा इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि भारत ने 2025 तक रक्षा निर्यात के लिए 1.75 लाख करोड़ हथियारों का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है। पिनाका को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया है और स्वदेशी निजी क्षेत्र की फर्मों द्वारा निर्मित किया गया है।

राकेट लांचर पिनाका की खूबियां

1- भगवान शिव के धनुष के नाम पर रखे गए राकेट लांचर पिनाका 70 किलोमीटर दूर तक दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर सकता है। यह लांचर बेहद खराब मौसम में भी फायर करने में सक्षम है। पिनाका मल्टी बैरल राकेट लांचर सिस्टम को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने तैयार किया है। एक दशक पहले ही भारतीय सेना में शामिल पिनाका मिसाइल का अब उन्नत संस्करण तैयार किया गया है।

2- यह लांचर 44 सेकेंड में 72 राकेट दाग सकता है। इसको आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इसकी खास बात यह है कि हर मौसम और परिस्थिति में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसको लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश से चलाना जितना आसान है उतना ही पाकिस्तान से सटे भारतीय सीमा से भी।

3- पिनाका शिव की धनुष की तरह ही विध्वंसक और अचूक है। इसी क्षमता के कारण इसका नाम पिनाका रखा गया। अडवांस्ड तकनीक से लैस यह लांचर अपने दुश्मनों को संभलने का तनिक भी मौका नहीं देता है। यह लांचर 44 सेकेंड में 72 राकेट दाग कर दुश्मनों के ठिकानों को ध्वस्त कर सकता है। यह दुश्मनों को संभलने का मौका नहीं देता है। इसका राजस्थान के पोखरण रेंज में कई सफल टेस्ट और किए गए हैं।

कारगिल युद्ध में किया था बेहतर प्रदर्शन

वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने पिनाका मार्क-1 संस्करण का इस्तेमाल किया गया था। इसने पहाड़ पर तैनात पाकिस्तानी चौकियों को सटीकता के साथ निशाना बनाया था और युद्ध में दुश्मन को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया था। भारत-चीन सीमा विवाद और हिंसक झड़प के बाद भारत अपनी सैन्य क्षमता में लगातार इजाफा कर रहा है। भारत अपने सैन्य उपकरणों को अत्याधुनिक बना रहा है। भारतीय सेना चीन की किसी भी हरकत से निपटने के लिए अब हर मोर्चे पर बड़ी तैयारी कर रही है।

भूकंप के झटकों से हिली म्यांमार की धरती

रिक्टर स्केल पर 6.1 मापी गई तीव्रता

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। म्यांमार की धरती शुक्रवार सुबह भूकंप के झटकों से हिल गई. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई है. जानकारी के मुताबिक भूकंप का सेंटर बर्मा से 162 किलोमीटर दूर स्थित था. इस भूकंप की गहराई धरती से करीब 140 किलोमीटर नीचे थी. फिलहाल किसी तरह के जानमाल के नुकसान की अभी तक कोई सूचना नहीं है. जानकारी के मुताबिक भूकंप के ये झटके म्यांमार के बर्मा में सुबह 3:52 बजे महसूस किए गए. जैसे ही भूकंप के झटके आए लोगों के बीच डर का माहौल बन गया.

म्यांमार में भूकंप से सहमे लोग

म्यांमार में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके आने के बाद लोग सहम गए. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की गहराई जमीन से 140 किमी नीचे थी. म्यामांर में भूकंप के बाद ये झटके मणिपुर, नागालैंड और दक्षिणी असम सहित भारत के पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए. हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है.

24 सितंबर को इंडोनेशिया में आया था भूकंप

इससे पहले 24 सितंबर को इंडोनेशिया के उत्तरी प्रांत एकेह में भी भूकंप के झटकों से धरती हिल गई थी. इस दौरान भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे. हालांकि, इस दौरान भी किसी नुकसान की खबर सामने नहीं आई थी. 24 सितंबर को अंडमान निकोबार में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. इस दौरान भी भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 मापी गई थी. ये भूकंप 24 सितंबर यानी शनिवार को देर रात 2.30 बजे आया था. इस इलाके में इससे पहले 5 जुलाई को भी 5.0 तीव्रता के भूकंप के झटके आए थे.

प्रयुश चान-ओचा बने रहेंगे थाईलैंड के प्रधानमंत्री, कोर्ट का फैसला-वैध समय सीमा को नहीं किया पार

बैंकॉक, 30 सितंबर (एजेंसियां)। थाईलैंड की सर्वोच्च अदालत ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रयुथ चान-ओचा ने पद पर बने रहने की आठ साल की वैध समय सीमा को पार नहीं किया है, इसलिए वह पद पर बने रह सकते हैं। तत्कालीन सेना जनरल प्रयुथ ने मई 2014 में एक निर्वाचित सरकार का सैन्य तख्तापलट कर दिया था। जिसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली थी। उनके आलोचकों का कहना है कि 24 अगस्त को उनके आठ साल कार्यकाल समाप्त हो गया है।

एयर होस्टेस विमान में जरूर पहनें अंडरगारमेंट्स

पाकिस्तानी एयरलाइन का तुगलकी फरमान

इस्लामाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने एक अजीबगरीब आदेश में अपने केबिन क्रू को ठीक ढंग से और जरूरी तौर पर अंडरगारमेंट्स पहनने के लिए कहा है। पीआईए ने क्रू से कहा है कि फ्लाइट में अंडरगारमेंट्स पहनना जरूरी है। पीआईए का कहना है कि केबिन क्रू की पोशाक के साथ एयरलाइन की एक नकारात्मक छवि को प्रदर्शित किया जा रहा है, जो यात्रियों पर खराब प्रभाव छोड़ रहा है। एयरलाइंस ने अपने नए आदेश के लिए पाकिस्तान सरकार की नई अधिसूचना का सहारा लिया है और इसे

सख्ती से पालन करने के लिए कहा है। पीआईए के महाप्रबंधक आमिर बशीर द्वारा भेजा गया एक निर्देश में कहा गया है, यह बहुत चिंता की बात है कि कुछ केबिन क्रू यात्रा करते समय होटलों में रहने और विभिन्न प्रकार के दौरे के दौरान कैजुअल कपड़े पहनते हैं। इस तरह की ड्रेसिंग यात्रियों पर एक खराब प्रभाव छोड़ती है। यह व्यक्ति की नकारात्मक छवि को चित्रित करती है।"

बशीर ने केबिन क्रू को उचित अंडरगारमेंट्स के ऊपर अनिवार्य रूस से सादे ड्रेस में खुद को ठीक से तैयार करने के लिए कहा है। दिशानिर्देशों में कहा गया है, पुरुषों और महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले कपड़े हमारी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय नैतिकता के अनुसार होने चाहिए। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रूमिंग अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे हर समय केबिन क्रू की निगरानी करें और अगर नियमों का पालन नहीं होता है तो रिपोर्ट करें। पीआईए ने हाल ही में उस समय सुर्खियां बटोरीं जब एक पाकिस्तानी यात्री ने विमान की खिड़की को तोड़ने की कोशिश की।

ब्रिटेन में वित्त मंत्री को हटाने की उठी मांग

कई सांसद बोले- नहीं हटाया तो बगावत होगी

सुनक की आशंकाएं जो अब सही साबित हो रही हैं

टैक्स में कटौती और सेंट्रल बैंक से लोन लेने की ट्रस नीति यानी ट्रसोनोमिक्स परी कथा के समान है।

नतीजा: मिनी बजट में ट्रस सरकार ने टैक्स कटौती की, लेकिन मिडिल क्लास को 19% जबकि अमीरों को 45% तक की छूट दे दी गई।

महंगाई से राहत के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। सरकार को अपने विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने होंगे।

नतीजा: ऐसा हुआ नहीं, अब ब्रिटिश पाउंड डॉलर के मुकाबले 50 साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंचा। सेंट्रल बैंक को देनदारियां चुकानी पड़ रहीं।

ब्रिटेन में सियासत तेज, अब आगे क्या हो सकता है

ट्रस के खिलाफ कंजरवेटिव पार्टी के ही सांसद अविश्वास प्रस्ताव पेश कर सकते हैं।

लंदन, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री लिज ट्रस पद संभालने के तीन हफ्ते बाद ही आर्थिक मोर्चे पर पस्त नजर आ रही हैं। ट्रस सरकार का मिनी बजट महंगाई पर काबू पाने में विफल साबित हो रहा है। ट्रस को अपनी ही पार्टी के सांसदों का विरोध झेलना पड़ रहा है। कई सांसदों ने अल्टीमेटम दिया है कि वित्त मंत्री क्वासी क्वारटेंग को हटाया नहीं गया तो पीएम को बगावत झेलनी पड़ेगी।

ऋषि सुनक कम बैक की चली मुहिम

ब्रिटिश संसद का सत्र 11 अक्टूबर से होगा। बेकाबू महंगाई के चलते सोशल मीडिया पर लोग पूर्व वित्त मंत्री और भारतवंशी सांसद ऋषि सुनक कम बैक के वीडियो शेयर कर रहे हैं। लोगों में सबसे ज्यादा इस बात का गुस्सा है कि पीएम रेस की डिबेट में सुनक ने ट्रस की आर्थिक नीतियों को लेकर जो आशंकाएं जताई थीं, वो सही साबित हो रही हैं।

ऋषि नीति: वेट एंड वॉच, पार्टी की बैठक से किनारा

पीएम पद के चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी के मेंबरों की वोटिंग में हारने वाले ऋषि सुनक फिलहाल वेट एंड वॉच की नीति अपनाए हुए हैं। सुनक ने अक्टूबर में होने पार्टी कंजरवेटिव पार्टी की सालाना बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है। सुनक ने सार्वजनिक बयानों से किनारा कर दिया है। सुनक ने आखिरी ट्वीट 8 सितंबर को किया था। माना जा रहा है कि सुनक समर्थकों के साथ रणनीति में जुटे हैं। क्योंकि, सुनक के पास ट्रस से ज्यादा सांसदों का समर्थन है। सांसदों की फाइनल वोटिंग में सुनक को कंजरवेटिव पार्टी के 137 जबकि ट्रस को 113 सांसदों के वोट मिले थे।

कुवैत में संसदीय चुनाव की तैयारियां पूरी

कुवैत, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कुवैत देश के पांच निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 305 उम्मीदवारों में से नेशनल असेंबली के 50 सदस्यों का चुनाव करने के लिए संसदीय चुनावों की ओर अग्रसर है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने राज्य समाचार एजेंसी कुना के हवाले से बताया कि कुवैती चुनाव में करीब 800,000 नागरिक मतदान के योग्य हैं और 305 उम्मीदवारों में से 22 महिलाएं हैं।

आंतरिक मंत्रालय ने 123 स्कूलों को मतदान केंद्रों के रूप में चुना है। यह पहली बार है कि कुवैती चुनावों में राष्ट्रीय पहचान पर आधारित मतदान प्रणाली को अपनाया गया है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक मतदाता केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्र में जा सकता है। कुवैत ने आधिकारिक तौर पर 2 अगस्त को एक शाही फरमान में संसद को भंग कर दिया और कहा कि विघटन सद्भाव और सहयोग की कमी.. और व्यवहार जो राष्ट्रीय एकता को खतरा है के परिणामस्वरूप हुआ। चार वर्षो के जनादेश के साथ, एकसदनीय कुवैती संसद को अंतिम बार 2016 में भंग कर दिया गया था और दिसंबर 2020 में स्थापित किया गया था। वर्षों से, कुवैत की कैबिनेट और संसद के बीच तनाव के परिणामस्वरूप अक्सर कैबिनेट में फेरबदल और संसद को भंग कर दिया गया है।

पाक में बंदूकधारी ने चीनी नागरिकों पर किया हमला

एक की मौत, डेंटिस्ट और उनकी पत्नी की हालत नाजुक

कराची, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी में दक्षिणी बंदरगाह शहर के व्यस्त व्यावसायिक इलाके में एक चीनी मूल के दंत चिकित्सक दंपती और उनके सहायक पर सिंधी विद्रोही द्वारा हमला करने की घटना सामने आई है। कराची पुलिस ने प्रतिबंधित सिंधूदेश पीपुल्स आर्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। संगठन ने सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी भी ली है। जानकारी के मुताबिक, दांतों के इलाज के बहाने बुधवार को एक बंदूकधारी सदर इलाके में डेंटिस्ट रिचर्ड हू ली के दंत अस्पताल में घुसा था। जांच के लिए केबिन में बुलाए जाने पर बंदूकधारी ने रिचर्ड हू ली, उनकी पत्नी मार्गरेट फेन टेयिन और सहायक रोनाल्ड चाउ पर गोलियां चला दीं। पुलिस ने बताया कि चिकित्सालय के सहायक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 76 वर्षीय हू और उनकी 72 वर्षीय पत्नी मार्गरेट घायल हो गई। गोली मारने के बाद हमलावर फरार हो गया। बताया गया है कि हमलावर के साथ दूसरा आरोपी भी वहां आया था। घटना को अंजाम देने के बाद अस्पताल के बाहर बाइक पर खड़े दूसरे के साथ आरोपी भाग गया। वरिष्ठ अधीक्षक असद रजा ने कहा कि पीड़ितों के पास कनाडा और पाकिस्तान दोनों की नागरिकता थी। सिंध काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट के राजा उमर खत्ताब ने कहा कि हमला एक उचित टोही के बाद किया गया था क्योंकि चीनी मूल के दंत चिकित्सक पिछले 50 वर्षों से देश में रह रहे हैं और वे अब पाकिस्तानी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हमले का उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के बीच संबंधों को खराब करना था और यह देश में उत्थान परियोजनाओं के खिलाफ एक साजिश है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि हमले में मारा गया व्यक्ति उसका नागरिक नहीं था। उन्होंने पाकिस्तान में चीनी नागरिकों को टारगेट करने की खबरों का भी खंडन किया है।

अमेरिका ने भारत सहित अन्य देशों पर लगाया पेट्रोलियम उत्पादों को लेकर बैन

ईरान, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान ने कुछ दिन पहले ही भारत को 30 प्रतिशत हिस्सेदारी देने की पेशकश की थी. इसको लेकर भारतीय कंपनियों ने भी रुचि दिखाई थी और ईरान के साथ सझेदारी भी करना चहता था, लेकिन अमेरिका ने ईरान के साथ ऑयल ट्रेड के आरोप में भारतीय कंपनियों सहित चीन, हांगकांग और संयुक्त अरब अमीरात स्थित कई कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगा दिए हैं. अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से ईरान की ऑयल इकनॉमी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है और बाकि देशों पर भी इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है.

क्या है बैन की मुख्य वजह?

अमेरिका ने ईरानी कंपनियों के पेट्रोलियम और पेट्रो-केमिकल प्रोडक्टों की ढुलाई और उनके वित्तीय लेन-देन को आसान बनाने के लिए भारत, चीन, हांगकांग और संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं. अमेरिका ने विशेष रूप से चीन के दो कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए है. अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रो-रसायन उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों पर काबू के लिए अमेरिका कार्रवाई कर रहा है. उन्होंने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय विशेष रूप से चीन में मौजूद दो कंपनियों- झोंगगू स्टोरेज एंड ट्रांसपोर्टेशन कंपनी लिमिटेड और डब्ल्यूएस शिपिंग कंपनी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगा रहा है.

कितनी कंपनियां बैन में हैं शामिल?

एंटोनी ब्लिंकन ने एक बयान में कहा कि वित्त विभाग ईरान के साथ पेट्रो-रसायन व्यापार करने के लिए आठ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगा रहा है. जो हांगकांग, ईरान, भारत और संयुक्त अरब अमीरात में मौजूद हैं. बयान के अनुसार, भारत की पेट्रो-रसायन कंपनी 'तिबालाजी पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड' पर प्रतिबंध लगाया गया है.

विलय के पहले रूस ने यूक्रेन के जैपोरिझ्झिया में मानवीय काफिले पर की बमबारी, 23 की मौत

कीव, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रूसी द्वारा यूक्रेन के चार हिस्सों को आज अपने देश में मिलाने के औपचारिक एलान के पूर्व जैपोरिझ्झिया शहर में मानवीय काफिले पर बमबारी किए जाने की खबर आई है। रूसी हमले में कम से कम 23 लोग मारे गए और 28 घायल हो गए हैं। जैपोरिझ्झिया समेत यूक्रेन के चार इलाकों को रूस में शामिल किए जाने को लेकर जनमत संग्रह हो चुका है। आज इनका औपचारिक रूप से रूस में विलय किया जाएगा। ताजा बमबारी क्यों की गई, यह पता नहीं चला है। रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी से जंग जारी है। इसमें अब तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं। जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। रूस ने अब तक उत्तर से कीव-खारकीव की ओर से, पूर्व में

डोनबास (डोनेत्स्क और लुहांस्क) क्षेत्र से और दक्षिण में खेरसन, जैपोरिझ्झिया और माइकोलेव की तरफ से, पूर्व और दक्षिण में रूस ने यूक्रेन की अच्छी-खासी जमीन पर कब्जा कर लिया है। फिलहाल जिन चार क्षेत्रों को रूस में शामिल कराने के लिए जनमत संग्रह कराया जा रहा है, उनमें डोनेत्स्क, लुहांस्क (पूर्वी यूक्रेन) और खेरसन, जैपोरिझ्झिया (दक्षिण यूक्रेन) शामिल हैं। यह चार क्षेत्र यूक्रेन का करीब 15 फीसदी जमीनी हिस्सा हैं। रूसी संसद के मुख्यालय 'क्रेमलिन' ने कहा है कि यूक्रेन के जिन चार क्षेत्रों को रूस में शामिल किए जाने को लेकर जनमत संग्रह कराया गया है उन्हें शुक्रवार को देश में जोड़ लिया जाएगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा कि यूक्रेन के चार क्षेत्रों - लुहांस्क, दोनेत्सक, खेरसान और जापोरिझ्झिया को क्रेमलिन में एक समारोह के दौरान रूस में शामिल कर लिया जाएगा। पेसकोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन क्रेमलिन के इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी कार्यक्रम के दौरान जनमत संग्रह कराए गए चारों क्षेत्रों को आधिकारिक तौर पर रूस में शामिल करने की घोषणा की जाएगी। पेसकोव ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा कि चार क्षेत्रों के प्रमुख क्रेमलिन के सेंट जॉर्ज हॉल में शुक्रवार को एक समारोह के दौरान रूस में शामिल होने के लिए संधियों पर हस्ताक्षर करेंगे। उधर, अमेरिका और पश्चिमी देशों ने कहा है कि यह जनमत संग्रह झूठा और अवैध है। इसे किसी भी सूरत में मान्यता नहीं दी जाएगी। इसे लेकर रूस और पश्चिमी देशों में नया टकराव पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने इस जनमत संग्रह की निंदा की है। नाटो देशों ने कहा है कि वह रूस के खिलाफ जल्द ही प्रतिक्रियात्मक कदम उठाएगा।

दुनिया में 25% मुसलमान, टीवी शो में सिर्फ 1 प्रतिशत ही भूमिका

मलाला यूसुफजई ने की हॉलीवुड की आलोचना

इस्लामाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता और नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मलाला यूसुफजई ने हाल के दिनों में हॉलीवुड में प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि दुनिया में 25 प्रतिशत आबादी मुस्लिमों की है, लेकिन प्रमुख टीवी शो में मुस्लिम अभिनेताओं की प्रमुख भूमिकाएं केवल एक प्रतिशत हैं। मलाला ने वैरायटीज पावर ऑफ विमेन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही है।

उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि मेरे जैसे एशियाई लोग हॉलीवुड फिल्मों में 4 प्रतिशत से भी कम हैं। मुसलमान आबादी के 25 प्रतिशत हैं, लेकिन लोकप्रिय टीवी शो में इनकी मौजूदगी केवल एक प्रतिशत है। मलाला ने आगे कहा, मैं हॉलीवुड से इसे बदलने की उम्मीद नहीं करती हूं, क्योंकि यह करना सही नहीं है। मैं चाहती हूं कि आप ऐसा करें क्योंकि आप कलाकार हैं और आप जानते हैं कि कला हर किसी की होती है।" उन्होंने आगे कहा, "यदि आप ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने अपनी कहानी सुनी है या आपको यह बताया गया है कि आप बहुत छोटे हैं या फिर आपके पास सही पृष्ठभूमि नहीं है तो आइए, मेरी मेज पर बैठें और साथ में काम करें।

अध्यक्ष चुनाव में खड़गे की वाइल्ड कार्ड एंट्री

मोदी लहर में भी नहीं हारे, तभी से बढ़ने लगा कद, कई बार कांग्रेस के संकटमोचक बने

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में नामांकन के आखिरी दिन गांधी परिवार के भरोसेमंद मल्लिकार्जुन खड़गे ने वाइल्ड कार्ड एंट्री मारी है। गुरुवार देर रात तक सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के बीच नए अध्यक्ष को लेकर मीटिंग हुई, जिसके बाद शुक्रवार सुबह खड़गे को 10 जनपथ पर बुलाया गया था।

गांधी परिवार के बैकडोर सपोर्ट की वजह से खड़गे का कांग्रेस अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। सब कुछ सही रहा तो मजदूर आंदोलन से करियर की शुरुआत करने वाले खड़गे देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की कमान संभाल सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो खड़गे बाबू जगजीवन राम के बाद दूसरे दलित अध्यक्ष बनेंगे। जगजीवन राम 1970-71 में कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

1970 में जगजीवन राम आजादी के बाद कांग्रेस के पहले दलित अध्यक्ष बने थे।

मोदी लहर में जीत के बाद कद बढ़ा

2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 44 सीटों पर ही सिमट गई। मोदी लहर में पार्टी के कई दिग्गज नेता चुनाव हार गए। ऐसे में कर्नाटक के गुलबर्गा से आने वाले खड़गे ने अपनी सीट बचा ली, जिसका उन्हें फायदा मिला। कांग्रेस ने लोकसभा में उन्हें पार्टी का नेता बनाया।

दक्षिण भारत से होने के बावजूद खड़गे सदन में हिंदी में ही अपनी बातें रखते रहे। राहुल गांधी के उठाए गए राफेल से लेकर नोटबंदी के मुद्दे को खड़गे ने लोकसभा में बखूबी उठाया, जिससे वे टीम राहुल में भी शामिल हो गए। हालांकि, 2019 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन जल्द ही राज्यसभा के जरिए खड़गे ने सदन में एंट्री कर ली। बाद में पार्टी ने गुलाम नबी को हटाकर खड़गे को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया था।

गांधी परिवार का नया संकटमोचक

2019 में महाराष्ट्र में जब धुर-विरोधी उद्धव के साथ सरकार बनाने की बात आई, तो पार्टी ने खड़गे को ही प्रभारी बनाकर वहां भेजा। खड़गे सोनिया के इस मिशन को वहां कामयाब करने में सफल रहे। इतना ही नहीं, जुलाई महीने जब ईडी ने सोनिया-राहुल को पूछताछ के लिए दफ्तर बुलाया था, उस वक्त संसद में विरोध का मोर्चा खड़गे ने ही संभाला था।

सीएम की कुर्सी नहीं मिली तो कैबिनेट में प्रमोशन हुआ

2013 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद खड़गे मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे थे, लेकिन उन्हें केंद्र की पॉलिटिक्स में ही रहने के लिए कहा गया और उनकी जगह के सिद्धरमैया को सीएम बनाया गया। खड़गे उस वक्त मनमोहन कैबिनेट में श्रम विभाग के मंत्री थे, जिसके बाद उन्हें रेल मंत्रालय का जिम्मा दिया गया।

9 बार विधायक और 2 बार सांसद रह चुके हैं

50 साल से ज्यादा समय से पॉलिटिक्स में सक्रिय खड़गे को 1969 में कर्नाटक के गुलबर्गा शहर अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली थी। खड़गे ने एक इंटरव्यू में बताया कि शुरुआत में वे पार्टी के प्रचार के लिए खुद पर्चा बांटते थे और स्लोगन दीवारों पर लिखते थे।

खड़गे साल 1972 में वह पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे 2008 तक लगातार विधायक चुने जाते रहे। साल 2009 में पार्टी ने उन्हें गुलबर्गा लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया। इसके बाद वह लोकसभा पहुंचे। वह लगातार दो बार 2009 और 2014 में सांसद बने। खड़गे अपने राजनीतिक करियर में नौ बार विधायक रह चुके हैं।

जब विवादों में खड़गे का नाम आया

राजनीतिक करियर में खड़गे का नाम 2 बड़े विवादों में आ चुका है। साल 2000 में कन्नड़ सुपरस्टार डॉ. राजकुमार का चंदन तस्कर वीरप्पन ने अपहरण कर लिया था। उस वक्त खड़गे प्रदेश के गृह मंत्री थे, जिसके बाद विपक्ष ने उनकी भूमिका पर सवाल उठाया।

वहीं इसी साल नेशनल हेराल्ड केस में ईडी ने उनसे पूछताछ की थी। हेराल्ड केस में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। हालांकि, अब तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अब अंत में उनके परिवार के बारे में जानिए

खड़गे के परिवार में पत्नी राधाबाई के अलावा तीन बेटियां और दो बेटे हैं। उनका एक बेटा कर्नाटक के बेंगलुरु में स्पर्श हॉस्पिटल का मालिक है, जबकि दूसरा बेटा प्रियांक विधायक है। 2019 चुनाव के दौरान खड़गे ने अपनी संपत्ति करीब 10 करोड़ के आसपास बताई थी।

साबूदाना फल है या बीज

कभी सोचा है आपने ये बनता कैसे है? कहीं नकली साबूदाना तो नहीं खा रहे, 3 ट्रिक से चेक करें

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। साबूदाना जैसे ही कोई व्रत-उपवास आता है, सबके खाने में यह शामिल हो जाता है। साबूदाने की टिक्की, खिचड़ी, खीर उपवास में यह हमारे एक वक्त के खाने में होता ही होता है। कभी सोचा है कि जो साबूदाना आप हर व्रत-त्योहार में खा रहे हैं, वो बनता किस चीज से है।

दिखता तो बीज की तरह है। क्या वाकई यह कोई बीज है? कुछ ने कहा नहीं यह फल है, तभी तो फलहारी कहा जाता है इसे, एक ने तर्क दिया नहीं, नहीं मैंने तो सुना है इसे फैक्टरी में बनाया जाता है। अब इतनी सारी बातें सुन ली कि उपवास में मेरा सिर पूरी तरह घूम गया। किसी ने कहा- अरे फास्ट है इसलिए चक्कर आ गए होंगे। साबूदाने की खिचड़ी बनी है ऑफिस की कैंटीन में, ले आऊं तुम्हारे लिए मैंने जवाब दिया नहीं, अब तो तभी खाऊंगी, जब जान जाऊं कि ये है क्या। तो चलिए आज जरूरत की खबर में जानते हैं साबूदाना वाकई है क्या, यह असली है या नकली। इसकी पहचान कैसे करना चाहिए, इसको ज्यादा खाने से कोई नुकसान तो नहीं

सवाल: साबूदाना क्या है? यह कैसे बनता है?

जवाब: साबूदाना को इंग्लिश में सागो कहते हैं। यह एक तरह का स्टार्च है। यह ट्रॉपिकल पाम सागो की स्टेम से निकलता है। पाम सागो के तने के बीच से टैपिओका रूट को निकाला जाता है। इसे कसावा भी कहते हैं। कसावा एक तरह का कंद है, जो शकरकंद की तरह दिखता है। इसे काटकर बड़े बर्तन में रखा जाता है। इसमें रोजाना पानी डालते हैं। इस प्रोसेस को कई दिनों तक दोहराया जाता है। फिर इसके गूदे को मशीनों में डालकर साबूदाना तैयार किया जाता है। बनने के बाद इसे सुखाया जाता है। फिर इसे ग्लूकोज और स्टार्च से बने पाउडर से पॉलिश कर चमकाया जाता है।

सवाल: साबूदाना भारत में बनता है या किसी दूसरे देश से मंगवाया जाता है?

जवाब: कसावा के पौधे अमेरिका में पाए जाते थे। वहां से यह अफ्रीका पहुंचा। 19वीं सदी के बाद यह भारत आया। केरल, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में इसकी खेती होने लगी।

ऐसा नहीं कि इसके सिर्फ फायदे ही हैं, कोई भी चीज ज्यादा खाना हमेशा ही नुकसानदेह होता है। चलिए इसके नुकसान के बारे में अब जान लेते हैं

इसे अगर ठीक से पकाया नहीं गया, तो पेटदर्द हो सकता है।

इसमें फाइबर ज्यादा होता है। इसलिए ज्यादा खाने से गैस, पेट में सूजन की प्रॉब्लम होगी।

जिन लोगों को कब्ज की प्रॉब्लम है, उन्हें इसे खाने से बचना चाहिए, समस्या बढ़ जाएगी। साबूदाने में ग्लाइसिमिक इंडेक्स ज्यादा होता है, जो आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाता है। आजकल हर कुछ मिलावटी हो गया है। मार्केट में साबूदाना भी मिलावटी मिल रहा है। कभी आपने सोचा कि जो साबूदाना आप इन दिनों नवरात्रि के व्रत में खा रहे हैं, वो असली है या नकली। नकली साबूदाना बनाने में सोडियम हाइपोक्लोराइट, कैल्शियम हाइपोक्लोराइट, ब्लीचिंग एजेंट, फॉस्फोरिक एसिड और सल्फ्यूरिक एसिड जैसे केमिकल्स यूज होते हैं।

नल से पानी की जगह शराब

घर की छत पर छिपाई थी दारू की टंकी कमरे में बिछा रखी थी पाइप लाइन

रायगढ़, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले के अंजोरीपाली गांव में छत पर शराब की टंकी बनाकर नल से उसकी सप्लाई करने वाले आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिस तरीके से आरोपी मनोज जोल्हे (40 वर्ष) शराब बेचने का धंधा कर रहा था। उसे देखकर आबकारी विभाग की टीम भी हैरान रह गई। मामला खरसिया चौकी क्षेत्र का है।

आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त आशीष उप्पल ने बताया कि आरोपी मनोज जोल्हे ने अपनी छत पर एक छिपी हुई टंकी बनाकर रखी हुई थी। इसमें महुआ शराब भरी जाती थी। वहीं नीचे घर के एक कमरे में एल्यूमीनियम की गेट के सहारे छिपाकर एक पाइप लाइन बिछाई गई थी। उसमें आरोपी ने नल लगा दिया था। जब उसके पास ग्राहक आते थे, तब वो इसी नल से निकालकर शराब उन्हें देता था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने आरोपी के घर में दबिश दी। पहले तो आरोपी ना-नुकुर करता रहा, लेकिन एक-एक जगह की बारीकी से जांच करने पर पूरे मामले का खुलासा हो गया। आरोपी ने अपने पूरे गोरखधंधे का खुलासा टीम के सामने किया। आबकारी विभाग ने आरोपी के घर की टंकी की तलाशी ली, तो उसमें 30 लीटर महुआ शराब मिली।

शराब को जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) क 34 (2) एवं 59 (क) के तहत केस दर्ज किया गया। आबकारी विभाग की टीम ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

आईएएस वंदना दादेल को राहत, सीबीआई जांच पर कोर्ट ने लगाई रोक

रांची, 30 सितंबर (एजेंसियां)। आदित्यपुर औद्योगिक विकास प्राधिकार (आयडा) में नियमों का उल्लंघन कर जमीन आवंटन व कई संस्थानों की व्यावसायिक दर निर्धारित करने के खिलाफ सीबीआई जांच के एकलपीठ के आदेश पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने रोक लगा दी है। एकलपीठ ने इस मामले में आयडा की तत्कालीन अध्यक्ष और उद्योग सचिव वंदना दादेल को शामिल मानते हुए उनके खिलाफ भी सीबीआई जांच का आदेश दिया था। जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी। इस याचिका पर अब दुर्गा पूजा के बाद सुनवाई होगी। एकलपीठ के आदेश के खिलाफ सरकार और एक निजी कंपनी ने अपील याचिका दायर की है।

चीन से निपटने में माहिर हैं नए सीडीएस

म्यांमार में सर्जिकल स्ट्राइक कर उग्रवादियों का सफाया किया, बालाकोट एयर स्ट्राइक से भी जुड़े

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जनरल बिपिन रावत के निधन के 9 महीने बाद देश को नया सीडीएस मिल गया है। सरकार ने नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस के पद पर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान की नियुक्ति की है। 61 साल के लेफ्टिनेंट जनरल चौहान मई 2021 में ईस्टर्न कमांड चीफ के रूप में सेना से रिटायर हुए थे। उन्हें सेना में काम करने का 40 साल का अनुभव है।

बताएंगे कि सीडीएस के लिए जनरल अनिल चौहान ही क्यों बेस्ट हैं और उनके सामने प्रमुख चुनौतियां कौन सी हैं

1. 4 दशक का अनुभव : कश्मीर से लेकर नगालैंड में रहे तैनात

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान का जन्म 18 मई 1961 हुआ। 1981 में आर्मी के 11 गोरखा राइफल्स में शामिल हुए। वह नेशनल डिफेंस एकेडमी यानी एनडीए खड़कवासला और इंडियन मिलिट्री एकेडमी देहरादून के पूर्व छात्र हैं। मई 2021 में अपने रिटायरमेंट तक ईस्टर्न कमांड के चीफ रहे।

मेजर जनरल के रूप में उन्होंने नॉदर्न कमान में जम्मू-कश्मीर के बारामूला सेक्टर में एक इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाली थी। बाद में लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट कोर की कमान संभाली और फिर जनरल ऑफिसर बने।

सितंबर 2019 में ईस्टर्न कमान के चीफ बने और रिटायर होने तक इसी पद पर रहे। ईस्टर्न कमान चीन से लगे एलएसी के मामलों को देखती है। 2019 में बालाकोट स्ट्राइक के दौरान वे मिलिट्री ऑपरेशंस के डायरेक्टर जनरल यानी डीजीएमओ थे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र, यानी यूएन के अंगोला मिशन में भी अपनी सेवाएं दीं।

सेना में उनकी विशिष्ट और शानदार सेवा के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल, उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है।

2. आतंक के खिलाफ ऑपरेशन में माहिर : म्यांमार में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की

लेफ्टिनेंट जनरल चौहान को आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन का लंबा अनुभव है। बारामूला में एक इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभालने के दौरान उन्होंने कई आतंक विरोधी अभियानों का सफल नेतृत्व किया था। साथ ही पूर्वोत्तर में रहने के दौरान उग्रवाद का भी मुकाबला किया था।

भारत और म्यांमार की सेना के ऑपरेशन सनराइज के पीछे भी लेफ्टिनेंट जनरल चौहान का ही दिमाग था। मई 2019 भारतीय सेना ने म्यांमार की सीमा के अंदर जाकर उग्रवादियों का सफाया किया था। यह ऑपरेशन तीन हफ्ते तक चला था।

इस ऑपरेशन के दौरान उग्रवादी संगठनों जैसे कामतापुर लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन यानी केएलओ, एनएससीएन खापलांग, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (आई) और नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोरोलैंड यानी एनडीएफबी के 6 दर्जन के करीब उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा उग्रवादी संगठनों के कैंपों को भी ध्वस्त कर दिया गया था।

3. चीनी से निपटने में एक्सपर्ट : गलवान में संघर्ष को बढ़ने नहीं दिया

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान लंबे वक्त तक आर्मी की ईस्टर्न कमांड में भी रहे हैं। इसी के चलते उन्हें चीन मामलों का एक्सपर्ट भी माना जाता है। 2020 में चीन के साथ गलवान संघर्ष के दौरान चौहान कमांडर थे और उन्हें इन क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया था। दिसंबर 2020 में उन्होंने कहा था, 'भारत और चीन के बीच एक लंबा बॉर्डर है। बॉर्डर के किसी एक हिस्से पर हुए विवाद को पूरे बॉर्डर से जोड़कर देखना सही नहीं है। मैं यह कहना चाहता हूं कि लद्दाख में हुए संघर्ष के बाद से ईस्टर्न कमांड वाले इलाकों में कोई दूसरी घुसपैठ या बड़ा टकराव नहीं हुआ है।'

डिफेंस एक्सपर्ट पीके सहगल कहते हैं- 'लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान ने नॉर्थ ईस्ट में एक कोर की कमान भी संभाली थी। बाद में आर्मी कमांडर भी बने। नॉर्थ ईस्ट के बारे में इन्हें काफी जानकारी है। भारत को सबसे ज्यादा खतरा चिकन नेक एरिया के पास है जो सिलीगुड़ी में है। यह 33 कोर में आता है। वहीं दूसरा अरुणाचल प्रदेश है। चीन के खिलाफ किस तरह निपटना है? क्या हमारी इंफ्रास्ट्रक्चर खामियां हैं? क्या हमारी मॉर्डनाइजेशन की जरूरतें हैं? किस प्रकार के हथियार हमें चाहिए? किस प्रकार के मॉडर्न सिस्टम हमें चाहिए?

इन सब चीजों की उन्हें अच्छी जानकारी है। इसलिए चीन के साथ भारत के तनाव को सुलझाने में उनका अनुभव काफी काम आ सकता है।'

भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच मई 2020 में गलवान घाटी में झड़प हुई थी। झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। कई रिपोर्ट में चीन के 38 सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया था।

भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच मई 2020 में गलवान घाटी में झड़प हुई थी। झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। कई रिपोर्ट में चीन के 38 सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया था।

4. सैन्य रणनीतिकार : रिटायरमेंट के बाद सरकार को सैन्य सलाह देते रहे

रिटायरमेंट के बाद भी लेफ्टिनेंट जनरल चौहान एनएसए अजीत डोभाल की अध्यक्षता में नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेट्रिएट यानी एनएससीएस के सैन्य सलाहकार के रूप में देश की सेवा करते रहे। नेशनल सिक्योरिटी आर्किटेक्चर में एनएससीएस को टॉप बॉडी माना जाता है, जो नेशनल सिक्योरिटी के मामलों में सरकार और मंत्रालयों के बीच समन्वय का काम करती है।

पीके सहगल कहते हैं कि चीन इस समय टेक्नोलॉजी में हमसे काफी आगे है। हथियारों की संख्या और क्षमता के मामले में भी वो हमसे आगे हैं।

इन खामियों को जल्द से जल्द पूरा करना है। लेफ्टिनेंट जनरल चौहान डिफेंस मिनिस्टर के सिंगल पॉइंट एडवाइजर होंगे। ऐसे में चीन के मामलों में उनकी एक्सपर्टीज काम आएगी।

बंटवारे को लेकर झगड़ा : खत्म किया भाई का परिवार

पति-पत्नी और दो बच्चों की हत्या

दुर्ग, 30 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बुधवार देर रात भोलानाथ यादव (34) के परिवार के चार लोगों की हत्या मामले में आरोपियों तक पुलिस पहुंच गई है। पति-पत्नी और दो बच्चों की हत्या में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में भोलानाथ का भाई भी शामिल है। वहीं अन्य संदिग्ध भी रडार पर हैं। बताया जा रहा है कि बंटवारे को लेकर हुए झगड़े के बाद उसी ने अपने दोस्तों संग मिलकर वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस शाम करीब 4 बजे तक मामले का खुलासा कर सकती है।

दोस्तों के साथ मिलकर हत्या की गई

सूत्रों के मुताबिक, भोलानाथ सहित चार भाई थे। इनमें से एक अपने दोस्तों संग देर रात उसके घर पहुंचा था। वहां पर सभी ने साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद बंटवारे को लेकर झगड़ा हो गया। नशे और गुस्से में आरोपियों ने भोलानाथ और उसकी पत्नी नैना यादव (30) की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। शोर सुनकर बच्चे मुक्ता (7) और प्रमोद (12) बाहर निकले तो पहचाने जाने के डर से आरोपियों ने उनकी भी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों से लूट के रुपए भी बरामद किए हैं।

कल सुबह मिले थे चारों के शव

दरअसल, ओडिशा के बलांगीर में सिंधी कला निवासी भोलानाथ यादव अपने परिवार सहित दुर्ग के कुम्हारी में मुरमुंदा के पास अकोला गांव स्थित टंडन बाड़ी में किराये पर रहता था। उसके चार बच्चे थे। इनमें से दो बच्चे घर से करीब 100 मीटर दूर अपने दादा-दादी के साथ रहते हैं। भोला ने रेगहा पर 7 एकड़ खेत ले रखा था और उसी से परिवार की गुजर बसर कर रहा था। गुरुवार सुबह लोगों ने पति-पत्नी और चारों बच्चों के शव पड़े देखे तो पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद से ही पुलिस को भाई पर शक था।

वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी पुलिस ने कर ली थी बरामद

एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने गुरुवार को ही बताया था कि कुल्हाड़ी से वार की चारों की हत्या की गई है। वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी पुलिस ने बरामद कर ली थी। उस पर हत्यारों के फिंगर प्रिंट भी मिल गए थे। जांच में यह भी सामने आया कि पहचान के व्यक्ति ने ही वारदात को अंजाम दिया है। उसे पहले से पता था कि कुल्हाड़ी कहां पर है। घर के लॉकर में रखे करीब डेढ़ लाख रुपए और गहने भी गायब थे। पुलिस को शुरू से भाई पर शक था। उसके शरीर पर चोट के निशान भी मिले थे।

सगाई टूटने से दुखी बैंक मैनेजर ने की खुदकुशी

शिवनाथ नदी के पुल पर कार खड़ी कर तेज बहाव में लगा दी थी छलांग

दुर्ग, 30 सितंबर (एजेंसियां)। निजी बैंक के मैनेजर और राजनांदगांव के रहने वाले 28 वर्षीय पलाश अग्रवाल का शव दुर्ग के शिवनाथ नदी में मिला। एसडीआरएफ दुर्ग की टीम ने दो दिन रेस्क्यू करके 30 घंटे बाद शव को पानी के अंदर से निकाला। पुलगांव पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई करके शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलगांव पुलिस के मुताबिक स्थानीय गोताखोरों ने गुरुवार सुबह जानकारी दी कि एक कार सीजी-04 एमवाई 2686 पुराने पुल में संदिग्ध हालत में खड़ी थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा की कार में कोई नहीं था। कार के अंदर दो मोबाइल फोन पड़े हैं और रस्सी भी पड़ी हुई है।

खुदकुशी की आशंका के चलते एसडीआरएफ दुर्ग की टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ ने गुरुवार को काफी देर तक नदी में रेस्क्यू किया, लेकिन शव का पता नहीं चला।

एसडीआरएफ की टीम ने नदी से बाहर निकाला शव

इसी दौरान पलाश के पिता अनिल अग्रवाल अपनी पत्नी और बेटे के साथ वहां पहुंचे और कार को देख चींख पड़े। उन्होंने बताया कि ये कार उनके बेटे की थी। उसकी बुधवार को सगाई टूटी है। इससे वह काफी डिप्रेशन में था। इस बयान के बाद पुलिस को पुख्ता हो गया कि पलाश ने खुदकुशी की है। इसके बाद शुक्रवार सुबह से एसडीआरएफ दुर्ग की टीम नदी में उतरी।

कई घंटे की खोज के बाद शव को पानी से बाहर निकाला गया। शव को देखकर परिजनों की चीख पुकार शुरू हो गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई पूरी कर शव को पीएम के लिए भिजवाया।

पलाश रायपुर के किसी निजी बैंक में बैंक मैनेजर था। वह रायपुर देवेंद्र नगर में श्री नारायणा हॉस्पिटल के सामने रहता था। उसका परिवार राजनांदगांव जिले में स्टेशन पारा वार्ड नंबर 7 में रहता था।

एक महीने पहले रायपुर की लड़की से उसकी सगाई हुई थी। पलाश इस रिश्ते को लेकर काफी खुश था। बुधवार को अचानक लड़की के घर वालों ने रिश्ता करने से मना कर दिया। इससे पलाश डिप्रेशन में चला गया। उसके माता पिता उसे घर बुला रहे थे। उन्होंने उसे बुधवार देर रात 1 बजे तक फोन पर बेटे को समझाया कि वो उसका दूसरी जगह इससे अच्छा रिश्ता करेंगे।

कैबिनेट बैठक में 30 प्रस्तावों पर लगी मुहर

सीएम सोरेन ने रांची को दी सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात

रांची, 30 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने राज्यवासियों को सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में जहां रांची में दो समेत राज्य में तीन सड़कों के चौड़ीकरण के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई वहीं लोहरदगा, खूंटी और सरायकेला-खरसावां में 100-100 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट अस्पताल को हरी झंडी दी गई। इस बैठक में कैबिनेट ने कुल 30 प्रस्तावों को मंजूरी दी। बैठक में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग नियमावली 2021 में संशोधन को भी स्वीकृति दी गई। जानकारी के अनुसार रांची को पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाली रांची-पुरुलिया रोड में नामकुम आरओबी से अनगड़ा तक 17 किलोमीटर की सड़क को फोरलेन किया जाएगा। इसपर 181.73 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं रांची शहर के बीच बरियातू-बड़गाईं लेम बोड़ेया पथ का निर्माण व चौड़ीकरण किया जाएगा। इसपर 111.35 करोड़ खर्च होंगे। इस सड़क से बरियातू से बोड़ेया की दूरी घटेगी। यह रास्ता रिंग रोड तक पहुंचेगा। दुमका में बाइपास में 7.30 किमी सड़क फोरलेन बनेगी। इसके लिए 76.45 करोड़ की स्वीकृति मंत्रिपरिषद ने दी है। इसके अलावा केंद्र संपोषित आयुष्मान योजना के तहत लोहरदगा, खूंटी व सरायकेला खरसांवा जिला में 100-100 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट अस्पताल बनेगा। इसके साथ ही अस्पतालों, सिविल सर्जन के यहां बाह्य कोटे से वाहनों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। इसके लिए विभाग में 34 बोलेरो व दस बसों के परिचालन का प्रस्ताव है।

प्रिंसिपल टीचर से बोला- साड़ी में स्मार्ट लगती हो

छुट्टी होने पर रुक जाया करो, मैं भी रुकूंगा

भरतपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ' प्रिंसिपल महिला टीचर को बोलता है- आप तीन दिन से साड़ी पहनकर आ रही हो। आप बहुत अच्छी लग रही हो। साड़ी में आप स्मार्ट लगती हो। स्कूल की छुट्टी होने पर आप रुक जाया करो, मैं भी रुकूंगा। बस निकल जाए तो मुझसे कहना। ' ये आरोप भरतपुर के रूपवास की सरकारी स्कूल की टीचर ने प्रिंसिपल पर लगाए हैं।

40 साल की महिला टीचर ने शुक्रवार को 5 पेज का शिकायत पत्र SDM राजीव शर्मा को दिया है। टीचर ने आरोप लगाया कि 22 सितंबर को स्कूल पहुंचकर जब वह रजिस्टर में अटेंडेंस लगाने के लिए साइन कर रही थी, तब प्रिंसिपल ने बाकी टीचर्स के सामने कहा कि साड़ी में आप बहुत स्मार्ट लग रही हो। मैं अपने मोबाइल से आपकी फोटो क्लिक करता हूं, यह फोटो मैं आपको भेजूंगा। प्रिंसिपल की बात सुनकर मैं असहज हो गई।

दोबारा कहा- आप तीन दिन से साड़ी पहन कर आ रही हो, बहुत अच्छी लग रही हो। प्रिंसिपल की बात सुनकर चुप रही, लेकिन स्कूल की छुट्टी के समय मैंने प्रिंसिपल से कहा कि ये बात दायरे से बाहर है।

विरोध किया तो गुस्सा हो गया प्रिंसिपल

टीचर ने विरोध जताया तो प्रिंसिपल गुस्सा हो गया। वह महिला टीचर पर चिल्लाने लगा। कहा कि अभी बताता हूं स्कूल में कैसे काम होता है। आप जैसी को तो मैं अपने पास नहीं बैठने देता। महिला टीचर ने आरोप लगाया कि एक पुरुष टीचर ने भी प्रिंसिपल का ही सपोर्ट किया और कहा कि मैडम छोटी सी बात को आप तूल दे रही है। स्कूल की बात को स्कूल में ही रहने दें। माहौल खराब मत करो।

स्कूल की बाउंड्री कूदकर फोटो क्लिक किया

महिला टीचर का आरोप है कि घटना के दो दिन बाद ही 24 सितंबर को प्रिंसिपल स्कूल की बाउंड्री कूदकर स्कूल में घुसा और अपने मोबाइल से उसकी अनुमति के बिना वीडियो बना लिया। प्रिंसिपल ने वीडियो को स्कूल स्टाफ के ग्रुप पर शेयर भी कर दिया। टीचर का आरोप है कि प्रिंसिपल उस पर बुरी नजर रखता है। टीचर के मुताबिक अगस्त महीने में प्रिंसिपल ने कहा कि आपको शाम 5 बजे तक रुकना पड़ेगा। मैं आपके साथ रुकूंगा। बस निकल जाए तो मुझे कहना। टीचर ने कहा कि स्कूल से रिलेटेड एक फॉर्म भरने के लिए समय मांगा तो प्रिंसिपल ने सारे स्टाफ से कहा कि देखिए, मैडम हमसे पर्सनल टाइम मांग रही है। टीचर का आरोप है कि प्रिंसिपल की नजर गलत है। वह उसका विरोध करती है तो उसी पर आरोप लगा देता है। परेशान होकर एसडीएम से शिकायत की है। महिला टीचर ने 18 जून 2018 को स्कूल जॉइन किया था। पति मेडिकल के क्षेत्र से जुड़ा है। बेटा-बेटी पढ़ाई करते हैं।

एसडीएम ने 5 सदस्यीय कमेटी बनाकर मामले की जांच सौंपी है। कमेटी मेंबर स्कूल टीचर, स्टाफ, आरोपी व बच्चों से बात करेंगे। शिकायत सही पाई गई तो प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई होगी। (स्कूल की फाइल फोटो)

एसडीएम ने 5 सदस्यीय कमेटी बनाकर मामले की जांच सौंपी है। कमेटी मेंबर स्कूल टीचर, स्टाफ, आरोपी व बच्चों से बात करेंगे। शिकायत सही पाई गई तो प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई होगी।

गहलोत फिर बने कांग्रेस के संकटमोटक

दिग्विजय सिंह को चुनाव नहीं लड़ने के लिए किया तैयार

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत कांग्रेस के एक बार फिर संकट मोचक बने हैं। चर्चा है कि सीएम गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ने के लिए मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह तैयार किया है। गहलोत के कहने पर ही दिग्विजय सिंह ने ऐन वक्त पर चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर दी। इससे पहले दिग्विजय सिंह ने नामांकन दाखिल करने लिए फॉर्म भी ले लिया था। उनके चुनाव लड़ने की चर्चाएं जोरों से चल रही थी। लेकिन गहलोत के इंकार के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ने से इंकार कर चुके सीएम गहलोत ने मल्लिकार्जुन खड़गे के समर्थन में खुलकर किया है। गहलोत खड़गे के प्रस्तावक भी बने है। खड़गे से उनके घर पर मुलाकात के बाद गहलोत ने मीडिया को कहा कि खड़गे अनुभवी नेता हैं और लगातार चुनाव जीतते रहे हैं। आपको बता दें कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता खड़गे और थरूर के बीच मुकाबला होगा।

गहलोत बोले- खड़गे का चुनाव लड़ना सही

सीएम गहलोत ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खड़गे ने चुनाव लड़ने का जो फैसला लिया है वह सही है। हम इसका स्वागत करते हैं। हम सब सीनियर नेताओं ने मिलकर उनके समर्थन का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पद नहीं पार्टी महत्वपूर्ण है। गहलोत ने कहा कि हमारे वरिष्ठ नेताओं ने मिलकर खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन के संबंध में निर्णय लिया है। मैं उनके लिए प्रस्तावक बना हूं। हम कांग्रेस को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस तकलीफ में है, भागना जानता नहीं

इससे पहले मीडिया से बात करते हुए सीएम गहलोत ने दिल्ली में कहा कि कांग्रेस आलाकमान जो मुझे कहेगा वह मैं करूंगा। प्रमुख विपक्ष की भूमिका निभाने में कांग्रेस कामयाब हो, इसके लिए अनुभव का लाभ मिले, इसका प्रयास करेंगे। कांग्रेस कैसे मजबूत हो, इसके लिए मैं जान लगाना चाहता हूं। मेरा बस चले तो मैं कोई भी पद ना लूं। अभी पार्टी तकलीफ में है। तकलीफ में मैं भागना जानता नहीं। देश में मजबूत विपक्ष होना बहुत जरूरी है। कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने के लिए राहुल गांधी निकल पड़े हैं। कांग्रेस को मजबूत करने के अभियान में राहुल गांधी के साथ हूं। सोनिया गांधी का फैसला मेरे लिए सबसे पहले। 50 साल के राजनीति करियर में यही स्टैंड रहा है। गांधी परिवार के वफादार सिपाकी के तौर पर उनके सुख दुख में साथ खड़े रहना।

पायलट बोले- मैंने अपनी भावनाओं से अवगत कराया

सोनिया से मिलने के बाद कहा- राजस्थान के मामले में निर्णय पार्टी लेगी

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला एक-दो दिन में हो जाएगा। दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद गुरुवार शाम कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से कहा- एक बार फिर ऑब्जर्वर जयपुर जाएंगे। विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी। इसके बाद निर्णय लिया जाएगा कि गहलोत सीएम होंगे या नहीं।

इधर, गुरुवार रात करीब 8 बजे सचिन पायलट सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे। वेणुगोपाल भी वहां मौजूद रहे। करीब एक घंटे चली बैठक के बाद सचिन पायलट ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा- राजस्थान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष से विस्तार से चर्चा हुई। हमारा मकसद है कि हम अगली बार भी राजस्थान में सरकार बनाएं। सब कुछ ठीक कर लिया जाएगा। सोनिया गांधी ने बड़ी ही शांति से मेरी बात सुनी। जयपुर में जो कुछ हुआ, उस पर विस्तार से बात हुई। मैंने अपनी भावनाएं जाहिर कर दी हैं। जो भी निर्णय होगा, वह पार्टी लेगी। 30 साल से राजस्थान में सरकार बनाने का पांच-पांच साल की परिपाटी बनी है। 2023 में सरकार कैसे रिपीट हो, उस उद्देश्य से काम करना है। इस पर विस्तार से चर्चा की गई। फिर से राजस्थान में सरकार बनाना हमारी प्राथमिकता है। हमें साथ काम करना होगा। राजस्थान का सीएम कौन होगा, इस सवाल का जवाब पायलट ने नहीं दिया।

वहीं राजस्थान में बयानबाजी करने वाले नेताओं के लिए वेणुगोपाल ने एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में पार्टी नेताओं को बयानबाजी से बचने की नसीहत दी गई है। उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सोनिया गांधी से करीब डेढ़ घंटे की मुलाकात हुई। मीटिंग के बाद गहलोत ने साफ कर दिया कि वे कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के साथ बैठकर मैंने बात की है। मैंने हमेशा वफादार सिपाही के रूप में काम किया है। विधायक दल की बैठक के दिन हुई घटना ने सबको हिलाकर रख दिया। ऐसा लगा जैसे कि मैं मुख्यमंत्री बने रहना चाहता हूं, इसलिए मैंने उनसे माफी मांगी है।

गहलोत ने गुरुवार को सोनिया से मुलाकात के बाद मीडिया से कहा, 'हमारे यहां हमेशा से परंपरा रही है कि हम पार्टी अध्यक्ष के लिए एक लाइन का प्रस्ताव पास करते हैं। मुख्यमंत्री होने के बावजूद मैं यह एक लाइन का प्रस्ताव पास नहीं करवा पाया, इस बात का दुख रहेगा। इस घटना ने देश के अंदर कई तरह के मैसेज दे दिए।'

गहलोत जब सोनिया से मिलने जा रहे थे तो उनके हाथ में कुछ कागज थे।

डंपर की टक्कर से महिला समेत दो बच्चों की मौत

हाईवे किनारे पैदल चल रहे थे तीनों, हादसे के बाद ड्राइवर भागा

सवाई माधोपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। तेज रफ्तार डंपर ने पैदल जा रहे एक महिला और दो बच्चों को कुचल दिया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया और शव उठाने से ही मना कर दिया। हादसा सवाईमाधोपुर-बौंली के निर्माणाधीन एक्सप्रेस पर आज दोपहर 12 हुआ। फिलहाल पुलिस समझाने की कोशिश कर रही है। डंपर ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

दरअसल, झनूण का रहने वाला किसान रामनिवास अपने परिवार के साथ राजपुरिया में देवता के स्थान पर गया था। वापस लौटते समय तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। रामनिवास ने डिवाइड कूदकर जान बचा ली। लेकिन उसकी बेटी अनीता, पोती प्रिया और दोहिता शुभम कुचल गए। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद ड्राइवर डंपर छोड़कर भाग गया। वहीं किसान का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और शव लेकर सड़क पर ही बैठ गया।

प्रिया (16) के पिता मेघराज की मौत उसके जन्म होने के दिन ही एक्सीडेंट में हो गई थी। प्रिया 12th क्लास पढ़ती थी।

अनिता (40) का पति तीर्थराज जयपुर में एक एक्सपोर्ट कंपनी में काम करता है। अनिता का ससुराल सवाई माधोपुर में था। फिलहाल वह अपने पिता के घर आई हुई थी।

शुभम (8) पुत्र तीर्थराज 5th क्लास में पढ़ता था। शुभम तीन बहनों में इकलौता भाई था। वह अपनी मां के साथ नाना के घर आया हुआ था। हादसे की सूचना पर सीओ तेज कुमार पाठक, बौंली SHO कुसुमलता और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। हाईवे पर ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर जाम लगा दिया। पुलिस को शव भी नहीं उठाने दिया। इससे वाहनों की लंबी लाइन लग गई। पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता भी तैनात किया गया। प्रधान कृष्ण पोसवाल व सरपंच प्रतिनिधि हनुमान मीणा भी मौके पर पहुंचे है। परिवार को उचित मुआवजा और ड्राइवर को पकड़कर कड़ी सजा देने की मांग की है। फिलहाल पुलिस समझाइश की कोशिश कर रही है।

हनीट्रैप में फंसा अलवर का युवक

रेवाड़ी की महिला पर आरोप; अश्लील फोटो खींचकर ब्लैकमेल किया, कमरे पर बुलाकर बंधक बनाया

रेवाड़ी, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी में अलवर के एक युवक को हनीट्रैप में फंसाकर उसे किडनैप करने और उसके परिजनों से पैसे मांगने का मामला सामने आया है। युवक की मां की शिकायत पर अलवर जिला पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर कसौला थाना भेजी है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, अलवर जिले के राजपुरा सिख निवासी इंदू देवी ने दर्ज कराई शिकायत में बताया कि उसका बेटा प्रवेश योगी बीए प्रथम वर्ष का छात्र है। वह फेसबुक जरिए रेवाड़ी की प्रीति नाम की महिला के संपर्क में आया। प्रीति पहले से शादी शुदा है। आरोप है कि महिला ने उसकी आपत्तिजनक फोटो खींचकर उसे मिलने के लिए रेवाड़ी में अपने कमरे पर बुलाया।

इंदू देवी ने आरोप लगाया कि पहले उसके बेटे के साथ अवैध संबंध बनाए और फिर उसे अपने पास ही रख लिया। साथ ही धमकी दी उसे झूठे केस में फंसा देगी। यही नहीं उसे किसी केस में रेवाड़ी में ही फंसा भी दिया, लेकिन उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी। जब वह पुलिस के पास पहुंचे तो उन्होंने भी उनकी कोई मदद नहीं की। महिला अब उनसे सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर बेटे को जान से मारने की धमकियां दे रही है।

कुछ कॉल भी महिला की तरफ से कराई गई हैं, जिसमें पैसों की डिमांड करने के साथ ही उन्हें किसी केस में फंसाने की बात की गई। इंदू देवी ने कहा क इसकी शिकायत अलवर पुलिस को दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद में महिला ने अलवर कोर्ट में इस्तगासा दायर किया। कोर्ट के आदेश पर अलवर पुलिस ने महिला की शिकायत दर्ज करते हुए जीरो एफआईआर कर कसौला थाना भेजी है। कसौला थाना पुलिस ने भी आरोपी महिला के खिलाफ 384, 506, 365 के तहत केस दर्ज कर लिया है। कसौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि उन्हें जीरो एफआईआर मिली थी, जिसके बाद केस दर्ज किया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

प्रदेश की 8 यूनिवर्सिटी में कुलपति नियुक्त

5 एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को मिले वीसी, राज्यपाल ने जारी किए आदेश

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की 8 यूनिवर्सिटी में कुलपतियों की नियुक्तियां कर दी गई हैं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार को सर्च कमेटियों की सिफारिश पर राज्य सरकार के परामर्श से कुलपतियों की नियुक्तियों के आदेश जारी कर दिए। 5 एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में वीसी नियुक्त किए गए हैं। इनमें डॉ. अभय कुमार व्यास को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. बगदा राम चौधरी को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, डॉ. अरूण कुमार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, डॉ. अजीत कुमार को महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,उदयपुर, डॉ. बलराज सिंह को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का कुलपति नियुक्त किया गया है। संस्कृत,आयुर्वेद और ओपन यूनिवर्सिटी में भी वीसी नियुक्त राज्यपाल ने प्रो. रामसेवक दुबे को जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर का कुलपति बनाया गया है। प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्रो. कैलाश सोढाणी को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा का कुलपति नियुक्त किया है।

3 साल के लिए कुलपतियों की नियुक्तियां

राज्यपाल और चांसलर कलराज मिश्र ने इन सभी कुलपतियों की यह नियुक्ति 3 साल के लिए की है। कोई कुलपति अधिकतम 70 साल की उम्र तक ही इस पद पर बना रह सकता है।

थम नहीं रही खींचतान, अशोक गहलोत को कांग्रेस दफ्तर में देख पायलट समर्थकों ने खूब लगाए नारे

जयपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के भीतर सियासी खींचतान जारी है। इस बीच सचिन पायलट के समर्थक शुक्रवार को नई दिल्ली में स्थिति एआईसीसी ऑफिस के बाहर जमा हुए। उन्होंने मांग रखी कि पायलट को या तो पार्टी अध्यक्ष बनाया जाए, या फिर राजस्थान का मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाए। इसी दौरान जैसे ही राज्य के सीएम अशोक गहलोत पार्टी दफ्तर पहुंचे, सपोर्टर्स ने पायलट के पक्ष में नारेबाजी शुरू कर दी। समर्थकों का कहना है कि 'राहुल गांधी भी यंग हैं। भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है। जब तक किसी युवा को टॉप पोस्ट नहीं मिलेगी, तब तक कांग्रेस को पावर नहीं मिलेगी। पायलट को जमीनी स्तर की समस्याओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के हालात के बारे में जानकारी है। हम उन्हें पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने की मांग करते हैं।' गुरुवार को सचिन पायलट ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की और उन्हें राजस्थान के राजनीतिक संकट की जानकारी दी। पायलट ने इस मुलाकात के बाद बताया कि उन्होंने राजस्थान की राजनीति को लेकर सोनिया गांधी के सामने सारी स्थिति रखी है और अब उन्हीं को राजस्थान के मामले में अंतिम निर्णय लेना है। इससे पहले कल दिन में ही गहलोत ने भी सोनिया गांधी से मुलाकात की थी और जो कुछ स्थिति उनके समर्थकों के कारण राजस्थान में पैदा हुई उसके लिए माफी मांगी। इसके साथ ही उन्होने स्पष्ट करते हुए कहा कि अब वह कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे। राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने के संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि यह फैसला कांग्रेस आलाकमान को ही करना है।

वहीं, कांग्रेस ने राजस्थान के अपने नेताओं को पार्टी के दूसरे नेताओं के खिलाफ टिप्पणी न करने की सख्त हिदायत दी है। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में चेतावनी जारी की।

एंटीबायोटिक के ओवरडोज से 13 साल की लड़की की मौत

बाड़मेर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से एक 13 साल की मासूम की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गलत इंजेक्शन लगाने के दौरान अचानक बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और कुछ देर में मुंह में झाग निकलने लगे। इस पर परिजन झोलाछाप डॉक्टर के यहां से बाड़मेर इलाज के लिए रवाना हुए, लेकिन बीच रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार इसी झोलाछाप के कारण छह महीने पहले एक और बच्चे की मौत हुई थी।

मामला बाड़मेर जिले के धनाऊ थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम 7 बजे का है। जानकारी के अनुसार मीठे का तला निवासी लाधाराम ने चौहटन थाने में एक झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसकी पोती धुड़ी को तीन दिन से बुखार था। इस पर वे गांव में ही डॉक्टर हीराराम के यहां ले गए। फर्जी डॉक्टर ने बच्ची को ड्रिप लगाई और कई बार एंटीबायोटिक इंजेक्शन दिए।

अलवर में 8वीं क्लास की स्टूडेंट से गैंगरेप

अश्लील वीडियो बनाकर पैसे वसूले, ढाई लाख नहीं देने पर सोशल मीडिया पर किया वायरल

अलवर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर 16 साल की नाबालिग से दरिंदगी का मामला सामने आया है। 8वीं क्लास की स्टूडेंट से गैंगरेप कर उसके वीडियो बना लिए गए। आरोपियों ने स्टूडेंट से रुपए भी वसूल लिए थे। लेकिन, जब वह दोबारा रुपए नहीं दे पाई तो उसके अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिए। मामला अलवर जिले के भिवाड़ी के किशनगढ़बास थाना क्षेत्र का है। इधर, पिता ने गुरुवार को आरोपियों के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया है।

पुलिस रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि 9 महीने पहले 8 युवकों ने उसकी अश्लील फोटो होने का झांसा देकर बुलाया और फिर जबरन कपड़े उतरवा कर वीडियो बना लिए। फिर अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने की धमकी देकर गैंगरेप किया। आरोपी बाद में रुपए वसूलने लगे। पहले 50 हजार रुपए लिए और बाद में ढाई लाख रुपए और मांगे।

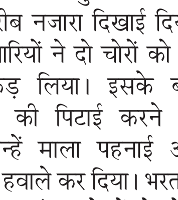

लड़की जब ढाई लाख रुपए नहीं दे पाई तो आरोपियों ने उसके वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिए। वीडियो जब पीड़िता के घरवालों तक पहुंचा तो वे सन्न रह गए। पीड़िता से जब पूछा तो उसने सारा घटनाक्रम बता दिया। इसके बाद पीड़िता के भाई ने किशनगढ़बास थाने में 8 युवकों के खिलाफ पॉक्सो और आईटी एक्ट में मामला दर्ज कराया है।

चोरों को रंगे हाथ पकड़ा, फिर माला पहनाकर 'स्वागत' किया

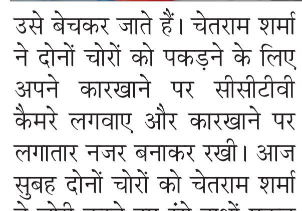

भरतपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। चोर रंगे हाथ पकड़ा जाए तो पकड़ने वाले उसकी पिटाई कर देते हैं। ये नजारा खूब देखा होगा, लेकिन भरतपुर के कामां में अजीबोगरीब नजारा दिखाई दिया। यहां व्यापारियों ने दो चोरों को रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद आरोपियों की पिटाई करने की बजाय उन्हें माला पहनाई और पुलिस के हवाले कर दिया। भरतपुर जिले के कामां कस्बे में ये दोनों चोर पिछले कई दिनों से एग्रीकल्चर मशीनों के कारखाने में चोरी कर रहे थे। जब यह पकड़ में नहीं आये तो कारखाने के मालिक ने सीसीटीवी लगाए और कारखाने पर नजर बनाकर रखी और शुक्रवार सुबह दोनों चोरों को पकड़ लिया गया। कामां कस्बे के अम्बेडकर सर्किल पर चेतराम शर्मा का एक एग्रीकल्चर मशीनों का कारखाना है। चेतराम शर्मा के कारखाने में पिछले कई दिनों से लोहे का कबाड़ चोरी हो रहा था। जब चेतराम शर्मा को इस बारे में पता लगा तो उसने कस्बे के कबाड़ खरीदने व्यापारियों से बात की। तब चेतराम शर्मा को एक कबाड़ खरीदने वाले व्यापारी ने बताया कि उसके पास नगला हरचंद गांव के दो युवक रिक्शे में लोहे का कबाड़ लेकर आते हैं और उसे बेचकर जाते हैं। चेतराम शर्मा ने दोनों चोरों को पकड़ने के लिए अपने कारखाने पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए और कारखाने पर लगातार नजर बनाकर रखी। आज सुबह दोनों चोरों को चेतराम शर्मा ने चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया और दोनों को फूलों की मालाएं पहनाई, दोनों चोरों की बिना पिटाई किए पुलिस के हवाले कर दिया गया।

हर राज्य में हिंदी भाषा की अभिवृद्धि पर जोर दिया जाना जरूरी : सबिता

शिक्षा मंत्री ने हिंदी प्रचार सभा को हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की शिक्षा मंत्री श्रीमती सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रभाषा हिंदी पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि हिंदी और उर्दू दो अलग भाषाएँ हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के हिंदी विद्वान को पूर्ववत प्रारंभ करने में पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा ही पूरे राष्ट्र के लोगों में संपर्क साधने और एकता बनाये रखने में अहम भूमिका निभाती है। इसलिए हर राज्य में हिंदी भाषा की अभिवृद्धि पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने इसके संबंध में मुख्यमंत्री केसीआर से बातचीत करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा जो हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधि मंडल द्वारा जो ज्ञापन सौंपा गया है उसके बारे में वे अधिकारीयों से चर्चाकर हिंदी विद्वान एवं हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के लिए उचित निर्णय लेंगी।

तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा एवं हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में मनाये गये हिंदी दिवस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री श्रीमती सबिता इंद्रा रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि रहीं। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के अध्यक्ष जी. गाँधी ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि हिंदी भाषा राष्ट्रभाषा-राजभाषा है। इसका सम्मान हमारे भारत देश का सम्मान है। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के मंत्री डॉ. सादिक पाशा ने सभा का परिचय दिया। इस अवसर पर सभा के प्रधान मंत्री जे. प्रेम कुमार ने हिंदी दिवस के उपलक्ष में अपने उदगार व्यक्त किए। सभा के परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी ने हिंदी दिवस पर उपस्थित रहकर समारोह का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर सभा के चुनाव संयोजक श्रुतिकांत भारती ने कहा कि सभा के कार्यकलापों से हिंदी का गौरव तेलंगाना राज्य में बढ़ा है। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के केंद्र व्यवस्थापकों व छात्रों का सम्मान किया गया। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया गया।

सभा अध्यक्ष हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे ने तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा के मंत्री डॉ. सादिक पाशा, कोषाध्यक्ष राममोहना चार्युलु ने सभी उपस्थित सभी सदस्यों व कार्यकर्ताओं को समारोह का गौरव बढ़ाने हेतु धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की प्रस्तावना तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कोषाध्यक्ष राममोहनाचार्युलु ने शिक्षा मंत्री श्रीमती सबिता इंद्रा रेड्डी के बारे में दो शब्द कहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुषमा देवी ने किया। इस कार्यक्रम में के. अरविंद राव (एम.पी.पी., पर्गी), संचालन समिति सदस्या विजया वाघमोडे, वरिष्ठ हिंदी सेवी रामभट्ट, बिच्चय्या, एम. सुरेंदर कुमार, सरदार पाशा, ए.के. राजु, एस. मल्लारेड्डी, दिनेश आर्य, के. रामचंदर, वेंकटेश, आदि अन्य हिंदी सेवी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में जाकिर पाशा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

आज से प्रभावी होगी दमरे की नई समय सारिणी

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की नई सार्वजनिक समय सारणी 1 अक्टूबर, 2022 से लागू होगी। नई सार्वजनिक समय सारणी की मुख्य विशेषताओं में नई ट्रेन की शुरूआत, मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को सुपरफास्ट एक्सप्रेस और पैसेंजर से एक्सप्रेस ट्रेनों में परिवर्तन, ट्रेनों का डायवर्जन, ट्रेनों की गति, दक्षिण मध्य रेलवे के टर्मिनलों में परिवर्तन से संबंधित जानकारी शामिल है।

दमरे के अधिकारियों ने बताया ट्रेन के समय में परिवर्तन 1 अक्टूबर 2022 से प्रभावी होगा। इसलिए, 1 अक्टूबर 2022 से यात्रा करने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा शुरू होने से पहले वास्तविक ट्रेन समय की जांच कर लें। संबंधित स्टेशनों पर ट्रेनों और समय में बदलाव से संबंधित जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट (www.irctc.co.in), राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) पर जाकर या स्टेशन प्रबंधक/पूछताछ काउंटर से संपर्क करके प्राप्त की जा सकती है।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स द्वारा त्यौहारे सीजन पर अपने शोरूमों में प्रिय ग्राहकों के लिए ज्वैलरी प्रदर्शनी सह बिक्री जारी है। इसका लाभ भारी संख्या में आभूषणप्रेमी उठा रहे हैं। शुक्रवार को ज्वैलर्स शोरूम में खरीददारी करते हुए ग्राहक। आज भी ग्राहकों के लिए शोरूम खुला रहेगा।

जिम्मेदारी के साथ हिंदी का प्रचार-प्रसार करें : प्रो. खानम

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परमाणु ऊर्जा विभाग के एएमडी कार्यालय के दक्षिण मध्यवर्ती क्षेत्र में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. शकीला खानम, निदेशक-यूजीसी डीईबी मामले और परिसर विकास एवं डीन-कला संकाय-डॉ. बी. आर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, जुबली हिल्स की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रो. शकीला खानम ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को प्रोत्साहित व पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि के रुप में अपने संबोधन में प्रो. शकील खानम ने कहा कि हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है और हम सभी को सामूहिक रूप से इसके प्रचार व प्रसार करने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ प्रयास करना होगा। पुरस्कृत कविताओं का वाचन भी किया गया। क्षेत्रीय निदेशक एस.के.माथुर ने हिंदी की प्रगति पर प्रकाश डाला। समापन समारोह के अंत में श्रीमती रचना फुलेरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पंकज मेहता ने किया।

जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों में प्रार्थना अनिवार्य करना स्वागतयोग्य कदम : अमरसिंह

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाजपा नेता अमरसिंह राजपुरोहित ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों में प्रार्थना अनिवार्य करने का आदेश दिया जाना एक स्वागतयोग्य कदम है। इससे वहां के बच्चों में देशभक्ति की भावना बढेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रार्थना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा गाई जाती थी। उन्होंने कहा कि कश्मीर के युवाओं में जिस प्रकार देश विरोधी भावना पनप रही है, यह भारत के लिए नुकसानदेह है। अगर बच्चे प्रतिदिन विद्यालयों में प्रार्थना करेंगे, तो निश्चित रूप में उनमें राष्ट्रीयता की भावना जगेगी।

एनएमडीसी में मनाया गया राजभाषा पखवाड़ा समारोह संपन्न

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद में राजभाषा पखवाड़ा-2022 के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता सुमित देब, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी लिमिटेड ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में अमिताभ मुखर्जी, निदेशक (वित्त), दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन) तथा बी. विश्वनाथ, आईआरएसएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी की भी गौरवशाली उपस्थिति रही।

समारोह का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना गीत के साथ हुआ। तत्पश्चात के. मोहन, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) ने अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, निदेशकगण, मुख्य सतर्कता अधिकारी, अन्य विभागाध्यक्षों, अधिकारी संघ के पदाधिकारियों, श्रमिक संघ के पदाधिकारियों, सभी उपस्थित अधिकारियों तथा कार्मिकों का स्वागत किया तथा हिन्दी पखवाड़े को सफल बनाने के लिए उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछले एक वर्ष के दौरान सम्पन्न राजभाषा गतिविधियों एवं उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सुमित देब, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने अपने संदेश में हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों की सराहना की तथा विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने सूरत में सम्पन्न हिंदी दिवस समारोह एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा दिए गए संदेश का उद्धरण देते हुए कहा कि सभी लोगों को अपने घर-परिवार में अपनी मातृभाषा का उपयोग करना चाहिए तथा कार्यालयीन कार्यों के लिए राजभाषा हिंदी का उपयोग करना चाहिए। इससे राजभाषा हिंदी तथा सभी भारतीय भाषाओं का विकास होगा। उन्होंने वर्ष 2020-21 के लिए निगम को प्राप्त राजभाषा कीर्ति पुरस्कार तथा नगर राजभाषा समिति द्वारा घोषित राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार एवं निगम की गृह पत्रिका खनिज भारती के लिए उत्तम पत्रिका पुरस्कार की सराहना करते हुए बधाई दी। अमिताभ मुखर्जी, निदेशक (वित्त) ने अपने संबोधन में भाषाओं की गतिशीलता पर प्रकाश डाला।

दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन) ने अपने संबोधन में निगम को प्राप्त विभिन्न पुरस्कार यथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार, इस्पात मंत्रालय की राजभाषा शील्ड एवं राजभाषा सम्मान पुरस्कार, नगर राजभाषा समिति द्वारा दिए जा रहे पुरस्कार एवं अन्य पुरस्कारों का उल्लेख करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसके लिए एनएमडीसी टीम को बधाई दी।

तदुपरांत राजभाषा पखवाड़ा, 2022 के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। वर्ष के दौरान राजभाषा हिंदी में अपना सर्वाधिक दैनिक कार्यालयीन कामकाज राजभाषा हिंदी में सम्पन्न करने वाले कार्मिकों को भी पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने किया। डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) ने पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की तथा धन्यवाद ज्ञापन राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एस.के. सनोडिया, सहायक प्रबंधक (सचि.) का उल्लेखनीय सहयोग रहा तथा कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर वंदना गीत सुश्री बी. गौतमी, सुश्री मोनिका, सुश्री नव्या एवं सुश्री हरिचन्दना, अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं ने प्रस्तुत किया।

वसुधैव कुटुंबकम द्वारा भक्तिमय भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वसुधैव कुटुंबकम गच्चीबावली ने नवरात्रि के अवसर पर गीता अग्रवाल के निवास स्थान पर भजन संध्या एवं भक्तिमय माता के गानों पर विभिन्न रूप सज्जा से सुसज्जित कार्यक्रम का आयोजन किया। गीता अग्रवाल द्वारा तैयार पर्ची सभी से निकलवाई गई ,जिसमें माता रानी की पर्ची स्वाति गुप्ता को मिली। उनको माता रानी की तरह तैयार करके ऊपर से चुनरी ओढ़ाकर तथा अनेक महिलाओं ने उनकी सवारी जयकारे के साथ निकाली। अन्य गानों पर नृत्य गरबा आदि किया गया और माता के अनेक भजनों का रसास्वादन सभी भक्तों ने किया। इसमें गीता अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, राज माथुर, वीना मदान, नीता गुलाटी, श्रीदेवी, लक्ष्मी ममतानी, मंजू शर्मा, मैत्री निखिल धूमे विजय सिंह, हेमा, पदमा, नूपुर , झांसी, नेहा, मैत्री, गायत्री, सरोज, जया, ज्योत्सना, रानी, मीरा एवं केपी अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

तुरुप बाजार स्थापित माता रानी के पंडाल में पूजा और अन्नप्रसादम कार्यक्रम में भाग लेते हुए एनआर लक्ष्मण राव, विजय शर्मा, सूर्य शुक्ला, शांति देवी, लक्ष्मीकांत पांडे, विशाल शर्मा और अन्य।

प्रतिभूति मुद्रणालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा का शुभारंभ 14 सितम्बर को मुख्य महाप्रबंधक श्रीकर प्रधान द्वारा की गई थी। पखवाड़ा के दौरान कार्यालय में कर्मिकों को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। 29 सितम्बर को पखवाड़े का समापन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम के संचालन अमरजीत राय, स. प्रबंधक(राभा) ने किया। हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक श्रीकर प्रधान की गरिमामई उपस्थिति रही। साथ ही कार्यालय के वरिष्ठतम अधिकारी अपर महाप्रबंधक वी. बालाजी तथा सयुक्त महाप्रबंधक सुखपाल सिंह राठौर महोदय के साथ अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी-गण भी उपस्थित थे। हिन्दी में जागरूकता बढ़ाने हेतु कविता पाठ तथा गीत गायन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गई तथा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। अन्त में डी. रवि कुमार, प्रबंधक (मा.सं.) ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कैंटोनमेंट बोर्ड की हुई बैठक में भाग लेते हुए सांसद रेवंत रेड्डी, विधायक सायन्ना, छावनी परिषद के सदस्य रामकृष्णा, सीईओ अजीत रेड्डी व अन्य।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की तिमाही समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना ने जून 2022 को समाप्त तिमाही के लिए बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए अपनी 34वीं तिमाही समीक्षा बैठक बुलाई है।

बैठक में रोनाल्ड रोज आईएएस, सचिव (वित्त) वित्त विभाग, तेलंगाना सरकार, श्रीमती के. निखिला, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, अमित झिंगरान, सीजीएम, एसबीआई और अध्यक्ष, एसएलबीसी, श्रीमती चिंताला सुशीला, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, देबाशीष मित्रा, महाप्रबंधक और संयोजक एसएलबीसी-तेलंगाना, सार्वजनिक/निजी क्षेत्र के बैंकों, आरआरबी, टीएससीएबी के सभी राज्य प्रमुख एवं सरकारी विभागों के अधिकारी शामिल रहे। एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक और एसएलबीसी के अध्यक्ष अमित झिंगरान ने जून 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान तेलंगाना में बैंकों के प्रदर्शन बताया। बैठक का समापन एसबीआई के महाप्रबंधक और एसएलबीसी के संयोजक देबाशीष मित्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

राजस्थानी प्रागति समज और प्रदर्शनी सोसायटी दवारा आयोजित 50वीं रामायण मेला के अंतर्गत 5 दिवसीय गरबा डांडिया कार्यक्रम में भाग लेते हुए गोविंद राठी, बी.सुरेंद्र रेड्डी, गिरधारीलाल डागा, साईनाथ दियाकर शास्त्री, मनोज जायसवाल, सुमीत राठी। 45000 वर्ग फुट का वाटर प्रूफ पंडाल में गरबा डांडिया का आनंद उठाते हुवे गरबा प्रेमी।

मदनूर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शुक्रवार के दिन आईकेपी भवन में महिलाओं में बतुक्कमा साडी का वितरण किया। इस समय स्थानीय सरपंच सुरेश, मंडल विकास अध्यक्ष वागमारे लक्ष्मीबाई, जेडपीटीसी नामेवार अनीता, डोंगली सोसायटी अध्यक्ष राम पाटील, मंडल विकास उप अध्यक्ष जयपाल रेड्डी आदि उपस्थित थे।

पीएम ने 36वें नेशनल गेम्स का उद्घाटन किया

बोले- 'जुड़ेगा इंडिया जीतेगा इंडिया'; गेम्स में 6500 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

अहमदाबाद, 30 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ही नाम के स्टेडियम में 36वें नेशनल गेम्स का उद्घाटन किया। इन गेम्स में 36 राज्या और केंद्र शासित प्रदेशों के 6500 से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। करीब 7 साल 7 माह और 29 दिनों के बाद नेशनल गेम्स की वापसी हुई है। इससे पहले 2015 (31 जनवरी से 13 फरवरी) में केरल में 35वें नेशनल गेम्स का आयोजन किया गया था।

गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी में मोदी ने कहा- 'खेल दूसरे क्षेत्रों में भी रास्ता बनाते हैं। इनके जरिए देश जुड़ रहा है। देश जीतेगा।' उन्होंने खिलाड़ियों से यह भी कहा- 'हार-जीत को कभी भी हमें आखिरी नहीं मानना चाहिए। यह स्पोर्ट्‌स स्पिरिट आपके जीवन का हिस्सा होना चाहिए।'

15 खेलों के इवेंट्स होंगे। हालांकि, गेम्स के उद्घाटन के पहले टेबल टेनिस, कबड्डी और टेनिस के इवेंट्स शुरू हो

चुके हैं। अधिकतर खेल अहमदाबाद और गांधीनगर में होंगे। जबकि नेटनगर का अंतिम चरण भावनगर में होगा।

सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स देश के लिए मॉडल

प्रधानमंत्री ने गेम्स के शुभांकर के साथ स्टेडियम के चक्कर लगाए। उन्होंने कहा- सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फुटबॉल, हॉकी, बॉस्केटबॉल, कबड्डी, बॉक्सिंग और टेनिस जैसे अनेक खेलों की सुविधाएं हैं। यह पूरे देश के लिए मॉडल है।

जीत की हैट्रिक के साथ टॉप पर इंडिया कैपिटल्स

लीजेंड्स लीग में मणिपाल टाइगर्स को 7 विकेट से हराया, हैमिल्टन की एक और फिफ्टी

कटक, 30 सितंबर (एजेंसियां)। इंडिया कैपिटल्स ने लीजेंट्स लीग में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। उसने गुरुवार रात को मणिपाल टाइगर्स को 7 विकेट से हराया है। इस हैमिल्टन मासाकादजा (नाबाद 68) ने इस जीत में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने लगातार दूसरे मुकाबले में अर्धशतक जमाया है।

बाराबाती स्टेडियम में कैपिटल्स ने टाइगर्स के 161 रनों के लक्ष्य को 17.2 ओवरों में 3 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया। उसकी ओर से हैमिल्टन के अलावा रास टेलर ने 29 रन बनाए। यह कैपिटल्स की 5 मैचों में तीसरी जीत है। उसके 7 अंक हो गए हैं और टीम पॉइंट टेबल के टॉप पर है। वहीं, टाइगर्स की यह पांच मैचों में तीसरी हार मिली है। टाइगर्स सबसे निचले पायदान पर हैं।

राइडर-कैफ के अर्धशतक से 150 पार

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करते हुए मणिपाल टाइगर्स ने 5 विकेट पर 161 रन बनाए। जेसी राइडर ने 79 और मोहम्मद कैफ ने 67 रन बनाए। टीम के शेष बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। दोनों के बीच 125 रनों की पार्टनरशिप हुई। कैफ ने 48 गेंदों की पारी में 9 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान हरभजन सिंह 1 रन पर नाबाद लौटे जबकि कोरी एंडरसन (4) और प्रदीप साहू (0) ने निराश किया। इंडिया कैपिटल्स से रजत भाटिया और प्लंकेट ने दो-दो विकेट लिए। मिशेल जानसन को एक सफलता मिली।

नहीं चला कप्तान का बल्ला

इंडिया कैपिटल्स की टीम ने 23 रनों के स्कोर पर कप्तान गौतम गंभीर (15) का विकेट गंवाया। वे अच्छी लय में दिख रहे थे और 9 गेंदों पर तीन चौके लगा चुके थे। लेकिन तीसरे ओवर में क्रिस्टोफर मोफू ने उन्हें अपनी जाल में फंसा लिया। सोलोमन मीरे (28 रन) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। फिर हैमिल्टन और रास टेलर ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। अंतिम 8 ओवरों में इंडिया कैपिटल्स को जीत के लिए 43 रनों की जरूरत थी। मुथैया मुरलीधरन को एक विकेट मिला। उन्होंने अपनी कलाई का जादू दिखाते हुए टेलर को चलता कर दिया। टेलर ने हैमिल्टन के साथ 85 रनों की पार्टनरशिप की।

मोहम्मद सिराज की टीम इंडिया में वापसी

चोटिल बुमराह की जगह लेंगे, 7 माह पहले खेला था आखिरी टी20 मुकाबला

मुंबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम इंडिया में मौका दिया गया है। वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ चल रही 3 मुकाबलों की टी-20 सीरीज में जसप्रीत बुमराह की जगह लेंगे। एक दिन पहले जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया में आयोजित टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर हो गए थे।

BCCI ने शुक्रवार को सिराज को टीम में चुने जाने की जानकारी दी। 28 साल के मोहम्मद सिराज की 7 माह 2 दिन बाद टीम में वापसी हुई है। उन्होंने 27 फरवरी 2022 को आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला था। यह मैच धर्मशाला में श्रीलंका के खिलाफ खेला गया था।

श्रीलंका के खिलाफ लिया था एक विकेट

हैदराबाद के मोहम्मद सिराज ने श्रीलंका के खिलाफ धर्मशाला में फरवरी माह में खेले गए मुकाबले में चार ओवर 22 रन देकर एक विकेट लिया था। उसके बाद सिराज टेस्ट, वनडे, आईपीएल और फर्स्ट क्लास मैच ही खेले हैं।

बुमराह को ठीक होने में लगेंगे 4-6 माह

जसप्रीत बुमराह को ठीक होने में 4 से 6 महीने लगेंगे। वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 मैच में टीम का हिस्सा नहीं थे। बुमराह ने बेंगलुरू में प्रैक्टिस सेशन के दौरान पीठ दर्द हुआ था। जिसके बाद मेडिकल टीम के कहने पर उन्हें पहले टी-20 मैच से बाहर किया गया था। इसी चोट के कारण उन्होंने एशिया कप भी नहीं खेला था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में हुई थी वापसी

जसप्रीत बुमराह पूरे एशिया कप से बाहर रहे थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीन मैचों की टी-20 सीरीज में उनकी वापसी हुई थी। यहां भी वो पहला मुकाबला नहीं खेल पाए थे। दूसरे मैच में उन्हें मौका मिला और उन्होंने शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरोन फिंच को यॉर्कर गेंद पर बोल्ड किया था। जिसके बाद खुद फिंच ने उनकी तारीफ की थी। इसके अगले मैच में वो थोड़े महंगे साबित हुए थे। उन्होंने 4 ओवर में 50 रन दे दिए थे और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

मोटो जीपी का भारत को बड़ा तोहफा

2023 में 22 से 24 सितंबर तक भारत में इन रेसों का आयोजन किया जाएगा।

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। मोटो जीपी टुविलर रेसिंग के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। भारत में भी लोग इसे देखना पसंद करते हैं। मोटो जीपी हर साल टुविलर रेसिंग के कई टूर्नामेंट आयोजित करवाता है। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के कई रेसर्स भाग लेते हैं। भारत में पिछले कई वर्षों में रेसिंग टूर्नामेंट ने एक अलग पहचान बनाई है। अब मोटो जीपी ने भारत में टुविलर रेसिंग टूर्नामेंट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। मोटो जीपी ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि कि की साल 2023 में भारत रेस होंगे। मोटो जीपी के इस फैसले के बाद फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटने के नौ साल बाद वैश्विक मोटरस्पोर्ट की भारत में वापसी होगी। मोटो जीपी की ओर से जारी संभावित कैलेंडर के अनुसार साल 2023 में 22 से 24 सितंबर तक भारत में इन रेसों का आयोजन किया जाएगा। विश्व की प्रमुख दोपहिया रेसिंग चैंपियनशिप का आयोजन फॉर्मूला वन की तरह बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर होगा।

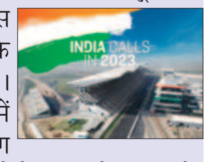

दीप्ति की आलोचकों पर भड़कीं हरमनप्रीत, रन आउट विवाद पर दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में इंग्लैंड महिला की टीम को 3 मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। इस सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 16 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 45.4 ओवर में ही 169 रन पर ऑल आउट हो गई। 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की टीम 153 रन पर ऑलआउट हो गई। हालांकि ये मैच काफी विवाद के साथ खत्म हुई थी। भारत की दीप्ति शर्मा ने इस मैच में इंग्लैंड की चार्ली डीन को नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर रन आउट कर दिया। जिसके बाद सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। इस विवाद पर अब कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक बड़ा बयान दिया है।

हरमनप्रीत ने दिया बड़ा बयान

महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में चार्ली डीन को रन आउट करना भारतीय टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं था, लेकिन यह खेल के नियमों के तहत था। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड की बल्लेबाज चार्ली डीन को गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाने पर रन आउट कर दिया था। इस तरह से रन आउट करना वैध माना जाता है लेकिन इसे खेल भावना नहीं माना जाता। महिला एशिया कप से पहले हरमनप्रीत ने दीप्ति का समर्थन करते हुए कहा कि अब इस विवाद को पीछे छोड़ने का समय है।

दीप्ति का किया सपोर्ट

उन्होंने कहा, ''हम पिछले कुछ मैचों से इन बातों पर ध्यान दे रहे थे। वह क्रीज से काफी आगे निकल जा रही थी और अनुचित लाभ उठा रही थी, यह दीप्ति की जागरूकता थी (कि उसने रन आउट किया।)।'' भारतीय कप्तान ने कहा, ''यह योजना का हिस्सा नहीं था लेकिन हर कोई वहां मैच जीतने के लिए खेल रहा था। जब भी आप मैदान पर होते हैं तो आप किसी भी कीमत पर जीतना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस तरह से आउट करना नियमों के तहत था। हमें इसे पीछे छोड़कर आगे बढ़ना होगा।'' महिला एशिया कप के अपने पहले मैच में शनिवार को भारत का सामना श्रीलंका से होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन को मिलेंगे 13 करोड़ रुपए

आईसीसी ने अनाउंस की प्राइज मनी; फाइनल में हारने वाली टीम को मिलेंगे 6.5 करोड़ रुपए

दुबई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से शुरू हो रहे आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप की इनामी राशि अनाउंस कर दी गई है। इस बार वर्ल्ड चैंपियन को 13 करोड़ 5 लाख 35 हजार रुपए मिलेंगे। वहीं, रनर्स अप को 6 करोड़ 52 लाख 64 हजार रुपए मिलेंगे। आईसीसी की अपेक्स क्रिकेट बॉडी के अनुसार इस बार टूर्नामेंट में कुल 45.68 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी जाएगी।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया को मिले थे 16 लाख डॉलर

आईसीसी ने वर्ल्ड कप की प्राइज मनी में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले साल यूएई में ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी इतनी ही राशि मिली थी। जबकि न्यूजीलैंड को 6.5 करोड़ रुपए मिले थे। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के कारण इस बार रुपए के टर्म में ज्यादा राशि मिलेगी।टी-20 वर्ल्ड कप के पिछले संस्करण में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराते हुए खिताब अपने नाम किया था।

किसे कितने रुपए मिलेंगे

चैंपियन : 13 करोड़ 05 लाख 35 हजार 440 रुपए
रनर्स अप : 6 करोड़ 52 लाख 64 हजार 280 रुपए
सेमीफाइनलिस्ट : 3 करोड़ 26 लाख 20 हजार 220 रुपए
सुपर 12 की एक जीत : 32 लाख 62 हजार 022 रुपए
सुपर 12 से बाहर होने पर : 57 लाख 08 हजार 013 रुपए
पहले राउंड की जीत पर : 32 लाख 62 हजार 022
पहले राउंड से बाहर होने पर : 32 लाख 62 हजार 022

भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान से

टूर्नामेंट का पहला मैच पाकिस्तान से 23 अक्टूबर को होगा। यह मुकाबला मेलबर्न में खेला जाएगा। 29 दिनों के इस टूर्नामेंट में 16 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 13 नवंबर को मेलबर्न में खेला जाएगा।

आईपीएल चैंपियन गुजरात को मिले थे 20 करोड़

आईपीएल के 15वें सीजन में गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर खिताब जीता था। इस जीत के बाद गुजरात पर बीसीसीआई की ओर से अच्छी खासी धनवर्षा भी हुई थी और उसे ट्रॉफी के साथ 20 करोड़ रुपए की प्राइज मनी मिली थी। रनरअप राजस्थान को 12.5 करोड़ रुपए मिले थे। तीसरे स्थान पर रही बेंगलुरु को 7 करोड़ और चौथे नंबर पर रही लखनऊ को 6.5 करोड़ रुपए कैश प्राइज मिला था।

टी20 विश्व कप 2022 से पहले पाकिस्तान के लिए राहत की बात, टीम में वापसी करेगा नसीम शाह

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान का क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप की तैयारियों में जुट गई है। विश्व कप से पहले टीम अभी इंग्लैंड के खिलाफ सात मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज में पाकिस्तान के पास 3-2 की बढ़त है। इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बचे दोनों मैच लाहौर में शुक्रवार और रविवार को खेले जाएंगे। वहीं इस सीरीज के बाद पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर रवान हो जाएगी। जहां उन्हें ट्राइ सीरीज खेलनी। इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे सीरीज में टीम के मुख्य गेंदबाज नसीम शाह कोरोना संक्रमण की वजह से बाहर हो गए थे।

टीम में वापसी करेंगे शाह

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह कोविड-19 से जुड़े दो दिनों के आइसोलेशन को पूरा करने के बाद अगले सप्ताह न्यूजीलैंड के दौरे पर टीम के साथ यात्रा करेंगे। कोरोना वायरस जांच में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद शाह इंग्लैंड के खिलाफ सात मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के आखिरी दो मैचों की टीम से बाहर हो गए थे। निमोनिया से पीड़ित होने के बाद उन्होंने अस्पताल में दो रातें बिताई थी।

नसीम शाह ने एक ट्वीट कर बताया कि वह 'बेहतर महसूस कर रहे और बीमारी से उबर रहे हैं।' पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि शाह घर पर आइसोलेशन के दौरान कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल का पालन करेंगे और क्रिकेट बोर्ड की चिकित्सा समिति की निगरानी में रहेंगे।

न्यूजीलैंड रवाना होगी टीम

पाकिस्तान की टीम सोमवार की सुबह न्यूजीलैंड के लिए रवाना होगी। टीम को इस दौरे पर 20-20 ओवरो की ट्राइ सीरीज में भाग लेना है जिसमें न्यूजीलैंड के अलावा बांग्लादेश भी शामिल है। पाकिस्तान की टीम यहीं से टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। शाह को सीने में दर्द और बुखार की शिकायत के बाद मंगलवार देर रात लाहौर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। टी20 विश्व कप से पहले यह दोनो सीरीज पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए बेहद अहम है। ऐसे में उनके मुख्य गेंदबाज की टीम में वापसी उनके लिए अच्छे संकेत हैं। पिछले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की टीम का सफर सेमीफाइनल में खत्म हो गया था।

सचिन के साथ निकी ने खींचा सबका ध्यान

रायपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर में रोड सेफ्टी क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच खेले जा रहे हैं। टीम इंडिया लीजेंड्स अब फाइनल में पहुंच चुकी है। बुधवार और गुरुवार को खेले गए मैच में सचिन और दूसरे भारतीय क्रिकेट सितारों के आस-पास मौजूद एक खूबसूरत मॉडल ने सबका ध्यान खींचा। ये थीं टीम की ओनर निकी दास। निकी कई ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीत चुकी हैं। टर्की में बेस्ट मॉडल ऑफ द वर्ल्ड का क्राउन भी अपने नाम कर चुकी हैं।

मशहूर हॉट कैलेंडर किंगफिशर के कैलेंडर्स में भी निकी नजर आ चुकी हैं। इस कैलेंडर शूट के बाद निकी चर्चा में आईं थीं। कई कपड़ों और फैशन प्रोडक्ट्स के विज्ञापनों में निकी नजर आ चुकी हैं। अब उनकी मौजूदगी स्पोर्ट्स में ग्लैमर लेकर आई हैं। टीम की ओनर निकी इन दिनों रायपुर में हैं। वो चियर कर रही हैं टीम इंडिया लीजेंड्स को। सचिन की कप्तानी वाली टीम के फाइनल्स में पहुंचने से निकी बेहद खुश हैं।

सचिन से होती हैं इंस्पायर

निकी ने बताया कि वो खुद भी सचिन से इंस्पायर होती हैं। उन्होंने कहा कि सचिन पूरी टीम को मोटिवेट करते हैं। उनकी मेहनत देखकर सभी मोटिवेट हो जाते हैं।

सीएम केसीआर ने यादाद्री मंदिर को 1.16 किलो सोना भेंट किया

विशेष पूजा-अर्चना के बाद अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 30 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को यादाद्री स्थित श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी मंदिर के कार्यकारी अधिकारी को मंदिर के विमान गोपुरम के लिए 1.16 किलो सोना खरीदने के लिए दान स्वरूप 52,48,097 रुपये का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री ने इससे पहले 1.16 किलो सोना दान करने के अपने फैसले की घोषणा की थी और शुक्रवार को मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एन. गीता को यह चेक सौंप दिया।

मुख्यमंत्री अपनी पत्नी शोभा और पोते हिमांशु के साथ दोपहर 12 बजे मंदिर पहुंचे और एक विशेष पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने पर पुजारियों ने पूर्णकुंभम से उनका स्वागत किया। पूजा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री ने कलावेदिका की स्थापना के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। उस स्थान पर कला वेदिका के निर्माण की योजना बनाई गई थी जहां मुख्य मंदिर को फिर से खोलने के बाद बाललयम को हटाया गया था। चंद्रशेखर राव हैदराबाद से यदाद्री गए और पहाड़ी मंदिर के चारों ओर बिछाई गई गिरी प्रदक्षिणा की सड़क का निरीक्षण किया। बाद में उन्होंने यादाद्री मंदिर विकास प्राधिकरण (वाईटीडीए) और श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने अधिकारियों से मंदिर कस्बे के लंबित कार्यों की जानकारी ली और उन्हें गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से यादाद्री में श्रद्धालुओं के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। वह यादाद्री के अपने चार घंटे के दौरे को पूरा करके सड़क मार्ग से हैदराबाद के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस ने यादाद्री पहाड़ी दरगाह और यादगिरिगुट्टा में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। उनके काफिले में बाधा डालने की कोशिश करने वाले कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया गया। कहा गया कि वे कुछ लोगों को प्रभावित करने वाली सड़क चौड़ीकरण के मुद्दे को उजागर करना चाहते थे। उन्हें मौके से भगा दिया गया। सीएम के साथ मंत्री इंद्रकरन रेड्डी, वेमुला प्रशांत और जी. जगदीश रेड्डी, राज्यसभा सदस्य डी. दामोदर राव और बदुगुला लिंगैया यादव, सरकारी सचेतक गोंगिडी सुनीता और कई विधायक भी शामिल रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.